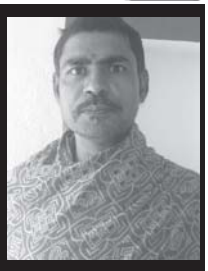

☞ माता देवी की महिमा अगमा अपार है। साधना केन्द्र के साथ संतानोप्राप्ति की कामना को लेकर आने वाले याचक कभी भी खाली हाथ वापस नहीं लौटे हैं। ग्रामीण श्रद्धा व उत्साह से अपने घर का शुभ कार्य इसी मंदिर मे पूजा अर्चना करने के बाद शुरू करते है। यह परम्परा द्वापरयुग से ही चली आ रही है।

दिनेश पांडेय उर्फ कारू पांडेय
पुजारी, हंडिया

धन्यावती कुष्ठ रोग से पीडित हो गयी थी, तो अपने रोग के निवारण के लिए इस गांव स्थित सूर्य मंदिर में भगवान सूर्यनारायण की पूजा अर्चना करने आया करती थी। मंदिर के निकट सरोवर मे स्नान करने के उपरांत भगवान भास्कर की पूजा अर्चना कर माता देवी के मंदिर मे अपना माथा टेकना नहीं भूलती थी। यहां से पूजा अर्चना के उपरांत वे अपने अराध यदेव भगवान शंकर की पूजा अर्चना करने के लिए धनियावां स्थित पहाडी मंदिर भी पूजा अर्चना के लिए जाया करती थी। तभी से ग्रामीण व आसपास के लोग माता की पूजा अर्चना करने की परम्परा शुरू कर दिया। ग्रामीणो का कहना है कि यह गांव अति प्राचीनकाल की है। मगध सम्राट बिम्बसार के माध्यम से हिरयक वंश की स्थापना की गयी थी। इस वंश की स्थापना भी इसी गांव से शुरू हुआ था। तब इस गांव का नाम हिरयक रखा गया था,उसके बाद गांव नाम का अपभ्रंश रूप में हंडारक हुआ। अब इस गांव का नाम हंडिया गांव के नाम से जिले में जाना जाता है। मगध सम्राट जरासंध के जमाने का स्मृति चिन्ह भी इस गांव में अवशेष के रूप में विराजमान है। गांव से पूरब खन्दा को पथरौरा के रूप में जाना जाता है। उक्त स्थल पर अभी भी रथ चक्र विद्यमान है। साथ ही ग्रामीण बताते है कि जब गांव में हैजा हो गया था,तब इस गांव के पूर्वजो ने राजगृह से बांसूरिया बाबा को बुलाये थे। उनके द्वारा इसी मंदिर में माता की पूजा अर्चना करने के बाद हैजा रोग पर काबू पाया गया था। कहा जाता है कि माता उन्हे साक्षात दर्शन भी दिये थे। गांव में शुभ कार्य करने के लिए ग्रामीण इस मंदिर मे पूजा अर्चना करने के बाद कार्य शुरू करते है। इसे साधना केन्द्र माना जाता है। दशहरा व दिवाली के समय श्रद्धालु तंत्र साधना करना नहीं भूलते है। साथ ही संतानोप्राप्ति की कामना का आस्था केन्द्र माना जाता है। सच्चे मन से पूजा अर्चना करने बाले श्रद्धालुओं को मनोवांछित मूरादें पूरी होती है। यह उपेक्षित मंदिर को ग्रामीण आपसी सहयोग से भव्य व आकर्षक बनाने मे लगे हुए है। प्रत्येक दिन जहां सुबह शाम भजन कीर्तन से सारा गांव भक्तिमय हो रहा है। वही प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को विशेष रूप से पूजा अर्चना श्रद्धालु व ग्रामीण श्रद्धा व उत्साह से कर रहे है। पर्यटक स्थल राजगीर से दक्षिण राजगीर बोधगया राजमार्ग 82 पर तकरीबन पांच किलोमीटर दूरी पर स्थित है यह मंदिर। जो नारदीगंज मुख्यालय से पश्चिम तीन किलोमीटर पर अवस्थित है हंडिया गांव स्थित माता देवी की मंदिर। ●

नववर्ष, मकर सक्रांति, बसंत पंचमी एवं गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर चेरन पंचायतवासियों सहित सम्पूर्ण बिहारवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

श्री राम प्रसाद सिंह

मुखिया प्रतिनिधि सह
पैक्स अध्यक्ष,
ग्राम-बड़की
मुढ़ारी,पंचायत-चेरन,
पोस्ट-मुढ़ारी, जिला-नालंदा

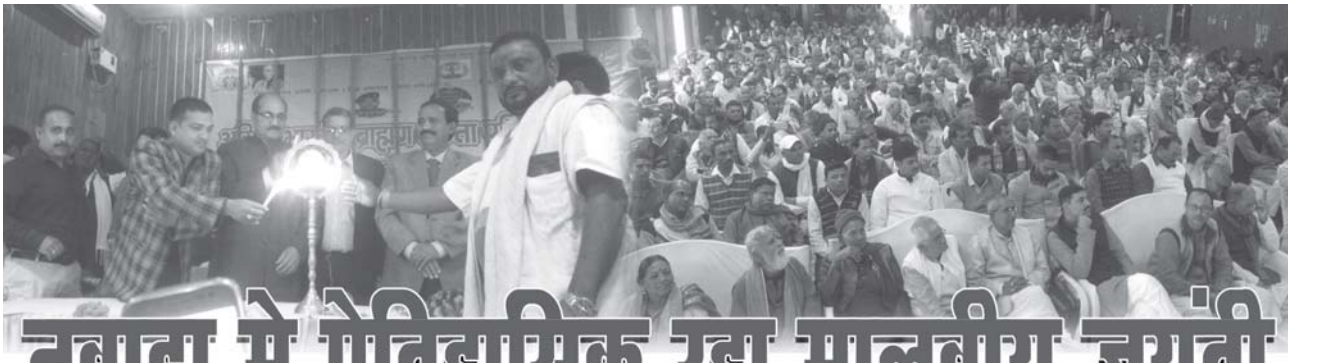

नवादा मे ऐतिहासिक रहा मालवीय जयंती

''सर्वेभवन्तु सुंखिनः, सर्वेसन्तु निरामयाः'' के साथ ही ब्राहम्ण एकता, जागरूकता संगठन के लिए लिया गया संकल्प''

25 दिसम्बर भारत के इतिहास के लिए स्वर्ण दिवस ही माना जाएगा जब भारत माता के शस्य श्मायला वसुन्धरा पर दो महान राष्ट्र निर्माताओ, अद्वितीय राष्ट्रभक्त, देश का गौरव और देश के रत्न मे ऋषि परंपरा के प्रतिक महामना पं0 मदन मोहन मालवीय, और देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी का जन्म दिवस था वहीं विष्व की उत्पीड़ित और सन्तप्त मानवता के त्राण के लिए ईशा मसीह भी 25 दिसम्बर को ही इस बसुन्धरा पर अवतरित हुए थे। इन महान विभुतियो त्याग, कर्मठता ज्ञान अहर्निष सेवाभाव और उनके किए कार्य समाज के लिए सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणाश्रोत है। इस दिवस पर देश और विदेशों मे भी हर्षोउल्लास के साथ कई कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न संगठनो द्वारा और सरकार के द्वारा भी आयोजित किया जाता है और उन महान विभुतियों के पद चिन्हों पर चलने का संकल्प भी लिया जाता है। वही मगद्य के पावन धरती नवादा में 25 दिसम्बर 2017 एक यादगार दिवस और एतिहासिक दिवस के रूप में याद किया जाएगा, क्योकि पं0 मदन मोहन मालवीय जंयती के शुभ अवसर पर अखिल भारतीय ब्राह्म्ण एकता परिषद के द्वारा भव्य मिलन समारोह नवादा नगर भवन में आयोजित की गयी और मालवीय जयंती के बहाने ही समाज के पथ प्रदर्शक शुरवीर, इतिहास रचियता ज्ञान द्वीप फैलाने वाले, तप–त्याग, बलिदान देकर मानव मूल्यो की रक्षा कर हर जाति को एक सुत्र मे पीरोकर मानवता का पाठ पढ़ाने वाले और विज्ञान, गणित, राजनीति, देशभक्ती, कलासंस्कृति, धर्म, दर्शन, गीत, संगीत, साहित्य, यानी हर क्षेत्रो में पूरी निष्ठा ईमानदारी से अपना योगदान, बलिदान देकर भी देश और राष्ट्र को रक्षा करने वाले ब्राहम्ण पूर्वजो एवं महान विभुतियों में भगवान परशुराम चाणक्य, महामना पं0 मदन मोहन मालवीय, राजा राम मोहन राय, चन्द्रशेखर आजाद, मंगल पाण्डे, झासी की रानी लक्ष्मी वाई, पं0 बिस्मिल, महासंत तुलसीदास, दधीची, महाकवि कालीदास, रामानन्द तिवारी सहित हजारो प्रकाश पंज को गौरव के साथ याद किया गया एवं इन महापुरूषो के नाम पर भव्य तोरण द्वार बनाए गए, वही खुशी की इस बात कि थी की उतरप्रदेश, दिल्ली, झारखंड, कलकता, बिहार के विभिन्न जिलो से प्रशासनिक पदाधिकारी, न्यायिक पदाधिकारी लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ वरीय अधिवक्ता, समाजसेवी, संगीतकार और कई प्रतिभा सम्पन्न व्यक्तियो से भरा रहा नवादा का हृदय स्थल नगर भवन,'' और सबके अन्दर आग थी की हमारे महान पुर्वजो समाज के विभुतियो ने देश और समाज के लिए इतना योगदान और खुन पसिना बहाने के बाद भी ब्राहम्णो को नफरत के दृष्टि से देखा जा रहा है उसको दोहन शोषण किया जा रहा है धर्म संस्कृति को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है इसके लिए समाज को संगठित होना है और अपने गौरव मय इतिहास को बचाना है, बाते तो बड़ी– बड़ी हुई, लेकिन अब वक्त हि बताएगा कि संगठन समाज हित के लिए कितना आगे कर पाएगा वैसे जो हो इस एतिहासिक कार्यक्रम एक यादगार जरूर रहेगा।

प्रस्तुत है अरविन्द मिश्रा की रिर्पोट :–

अंधकार से अब क्या डरना आओ सूरज बन जाते है, धरती अंवर के तम सारे, जिससे डर कर छट जाते है, एक नुर वेहतरीन सा रौशन यह आलम सा हो जाए, आओ मित्रो हम मिल करके, ब्राहम्ण एकता का अलख जगाए''।

इन पंक्तियो को सचमुच शत–प्रतिशत सत्य कर दिखाए अखिल भारती ब्राहम्ण एकता परिषद् के दृढ़ निश्चयी कर्मठ समाज सेवी पूर्व मुखिया और परिषद् के संयोजक अरविन्द मिश्र और उनके टीम के द्वारा, जब उनके प्रयास से हजारो उर्जावान ब्राहाम्ण परिवारो ने जो कल तक बाबा जी पंडितवा, पाड़े , के कर्णकटटू शब्दो से आहत रहकर आपमान के घुट पी–पी कर भी अपना जीवन व्यतित करते थे उन ब्राहाम्ण परिवारो में गजब का उत्साह जोश खरोश भरा था, जब सैकड़ो की संख्या मे मोटरसाईकल से नवादा शहर मे युवा ब्राहाम्णो द्वारा नगर परिक्रमा कर जय भगवान परशुराम, जय चाणक्य, जय मदन मोहन मालवीय, जय ब्राहाम्ण परिवार के नारो और शंख ध्वनी से अवाज बुलंद की अपनी चटानी एकता का परिचय दिया तो घर मे भी दुबककर रहने वाले ब्राहाम्ण सरकारी सेवा मे रहने वाले पदाधिकारी और सरकारी कर्मचारी भी पीछे नही रहे, वो दुगने उत्साह के साथ सब संकीर्णता से उपर उठकर कार्यक्रम भाग लिए शंख ध्वनी और जूलुस नारे और युवाओ का

उत्साह सबको अहलादित कर रहा था और जब नगर भवन मे उतरप्रदेश, दिल्ली, कलकता, झारखंड, बिहार एवं नवादा जिले के कोने – कोने से सैकड़ो छोटी बड़ी गाड़ीयों से बैनर पोस्टर के साथ ही हजारो की संख्या मे ब्राहाम्ण परिवार उत्साहित होकर नवादा नगर भवन पहुचे, तब भीड़ इतनी हो गई की तिल रखने की भी जगह नही बचा था। कार्यक्रम की शुरूआत उतरप्रदेश के डी0 आई0 जी श्री अशोक शुक्ला, मेजर श्री विनय मिश्र, बिहार एस0 टी0 एफ0 के डीजी श्री एस0 के0 भारद्वाज जी, बी0 एम0 पी0 पटना मे कार्यरत एस0 एम0 ओ0 श्री शैलेन्द्र तिवारी, नवादा के अभियान एस0 पी0 आलोक कुमार, रजौली एस0 डी0 ओ0 शम्भु शरण पाण्डे जी, न्यायिक दण्डाधिकारी श्री विनय कुमार मिश्र, सहायक सत्र न्यायाधीश श्री धीरेन्द्र मिश्र, समाजसेवी रेणू मिश्र, प्रो0 अनिल त्रिपाठी, सत्य व्रत मिश्र, आदि के कर कमलो द्वारा द्वीप प्रज्वलित किया गया, वहीं इन सभी आगत अतिथियों का स्वागत फुल, गुलदस्ता, शाल, और सतर 70 किलो की माला परिषद् के संयोजक अरविन्द मिश्र, दिलीप पाण्डे, सुमंत मिश्र, कृष्णा शमर्ण चक्रवर्ती, निरंजन मिश्र, अधिवक्ता राघवेन्द्र मिश्र, अशोक पाण्डे, पूर्व प्राचार्य गोबिन्द जी तिवारी, सरपंच अरूण पाण्डे, पूर्व ए0 डी0 एम0 जे0 एन0 पाण्डे, दिलीप त्रिवदी, रूपेश पाण्डे, रविरंजन पाण्डे, निरज दिक्षित, अमरेन्द्र मिश्र, निरज पाण्डे, सतिष मिश्र, अधिवक्ता संजय मिश्र, प्रभाकर झा, और विनय पाण्डे के द्वारा भव्य पूर्ण तरीके से किया गया, वही नवादा जिले के प्रकांड विद्वान गोखलेश जी शास्त्री, सिद्धनाथ पाण्डे, शारदा उपध्याय द्वारा मंगला चरण शंखोध्वनी से प्रारंभ हुआ, उसके बाद इन विद्वान ब्राहाम्णो ने ईश्वर से प्रार्थना किया की हे गंधयुक्त पृथ्वी रसयुक्त जल स्पर्ययुक्त वायु प्रज्वलित तेज शब्द रहित आकाश सभी का कल्याण करे, साथ ही समय पर वर्षा हो पृथ्वी शस्य श्यामली रहे यह देश, राज्य, जिला, प्रगति के पथ पर रहे आतंकवाद, साम्प्रयवाद, जातिवाद का विनाश हो, सबके हित के लिए ब्राह्म्ण कार्य करे और हर व्यक्ति सम्मान से जीने का प्रयास करे, सब स्वस्थ्य हो और धर्म का पालन सब करे, बाद फिर सृजन के कलाकारों में सविना राज, अम्बिका कुमारी, डॉली कुमारी, और डॉली राज द्वारा स्वागत गीत'' मन की वीणा से गुंजित घ्वनी मंगलम, स्वागतम् स्वागतम् स्वागतम् गाकर आगत अतिथियो को भाव विभोर कर दी, वही प्रजोल द्वारा देशभक्ति गीत सबके मन को मोह लिया आगत अतिथियो द्वारा भगवान परशुराम महामना पं0 मदन मोहन मालवीय जी और चाणक्य जी के छाया चित्र पर फुल, माला चढ़ाकर उन्हें नमन कर उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया ब्राह्म्णो के इस उत्साह और भीड़ से उत्साहित उतरप्रदेश से आये मेजर विनय मिश्र ने कहा की– ''लक्ष्य न ओझल होने पाए कदम मिलाकर चल, मंजिल तेरे पग चुमेगें आज नही तो कल''।

आगे उन्होने कहा की ब्राहाम्णो की स्थिति सुधारने के लिए एकताबद्ध संगठित एवं जागरूग होना होगा, जो भी राजनैतिक दल ब्राह्म्णो कि हित की बात करेगा ब्राह्म्ण समाज उसी को वोट करेगा, वही डी0 आई0 जी0 अशोक शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा की यह संगठन ब्राह्म्ण समाज के हित के लिए मजबुती से काम कर रहा है, समाज उत्थान के लिए परिषद लगातार कार्य योजना तैयार कर अलिजामा पहनाने के लिए प्रयत्नशील है उन्होंने समाजिक एकता की बात सातसुत्री संकल्पो के साथ बताया, और हीन भावना से उपर उठकर एक दुसरे को मदद करने लिए भी आहवान किए और नवादा के ब्राह्म्ण परिवार को इतने अच्छे से संगठित होने पर भव्य कार्यक्रम के लिए नवादा के ब्राह्म्ण परिवारो को भुरी – भुरी प्रशंसा करते हुए बधाई दी, वही बी0 एम0 पी0 के एस0 एम0 मो0 डॉ0 शैलेन्द्र तिवारी ने सूचना के अधिकार को हथियार बनाने का भी आह्वान किया, साथ ही छोटे मोटे झगड़े से भी ब्राह्म्ण परिवार को बचने के लिए भी सुझाव दिए, वही नवादा अभियान एस0 पी0 आलोक कुमार काफी भावविहव्ल होकर अपने संबोधन में कहा की समाज को उत्थान के लिए युवायो की भागीदारी आवश्यक है, युवा वर्ग ही देश और समाज के आशादीप है, वही एस0 डी0 ओ0 रजौली शम्भु–शरण पाण्डे ने कहा की महापुरूषो का जीवन कभी एक दिन मे तैयार नही होता। अपना व्यक्तित्व गढ़ने के लिए कई कष्ट और कठिनाईयो के दौर से गुजरना पड़ता है, तभी वह महापुरूष बनता है, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस0 टी0 एफ0 के डी0 जी0 और बिहार प्रदेश के अखिल भारतीय ब्राह्म्ण एकता परिषद् के अध्यक्ष एस0 के0 भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा की महामना पं0 मदन मोहन मालवीय भगवान पर ुराम और चाणक्य के बताये रास्ते पर ही चलने से ही ब्राहाम्ण समाज सशक्त होगा स्वाभिमान जगाने

की आवश्यकता है, जिस तरह से महापुरूषो का जीवन समाज के हित के लिए होता है ठीक उसी तरह ब्राह्म्ण समाज को भी प्ररमार्थ के लिए कार्य करना होगा, अपने धर्मग्रंथो और वेदो को पढ़ना होगा उन्होने बच्चों को अधिक से अधिक पढ़ाने पर भी बल दिया, पहली बार प्रशासनिक पदाधिकारीयो न्यायायिक, पदाधिकारी लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ बुद्धिजीवि की गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम काफी भव्य रहा, वही कार्यक्रम में समाजसेवी रेणु पाठक, प्रो0 अनिल त्रिपाठी, पंकज पाठक, न्यायायिक दंडाधिकारी श्री विजय मिश्र, सहायक सत्र न्यायाधीश श्री धीरेन्द्र मिश्र, सतव्रत मिश्र, रामानन्द पाण्डे, शालिग्राम दुबे, राजकुमार पाण्डे, अरूण कमार पाण्डे, सहित सभी आगत अतिथियों ने इस कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की और सभी ने समाज को एकजुट होने की अपील की कार्यक्रम को सफल बनाने मे पंकज दुबे, सिद्धनाथ पाण्डे, गोखलेश जी शास्त्री, शारदा नन्द उपाघ्याय, गौरव मिश्र, सच्चितानन्द सत्यवर्ती, विजय शंकर पाठक, डॉ0 अनिल मिश्र, विरेन्द्र पाण्डे, अशोक पांण्डे, दिलीप पाण्डे, मुकेश मिश्र उर्फ डब्बल, वैजनाथ पांण्डे उर्फ लाल बाबा, सुरेश पांण्डे, शिव कुमार पांण्डे, अभिमनु झा, प्रशांत तिवारी, कौशल मिश्र, सुमंत मिश्र, सुनिल पाण्डे, पूर्व प्राचार्य गोविन्द जी तिवारी, राजेन्द्र पाण्डे, अमित दुबे, सुधांशु ओझा, हेमंत मिश्र, सरपंच अरूण पाण्डे, विष्णुकान्त मिश्र, उज्जवल पाण्डे, राजकमल मिश्र, पियूष पाण्डे, कृष्णा पाण्डे, सरपंच पंकज मिश्र की अहम भूमिका रही है। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष्यता अ0 भा0 ब्रा0 ए0 प0 के संयोजक और समाज सेवी अरविन्द मिश्र ने किया, और कुशल मंच संचालन सृजन के संस्थापक विजय शंकर पाठक ने किया सचमुच यह कार्यक्रम वेहद भव्य और यादगार और प्रेरणाशील रहा, वही परिषद् द्वारा विभिन्न क्षेत्रो मे कार्य करने वाले सैकड़ो व्यक्तियो को भी पुष्प गुच्छ और शाल देकर भी समानित किया गया अन्त मे ओमः शांति शांति के साथ ही ''अंधकार को क्यो धिक्कारे, अच्छा है एक दीप जलावें'' और ब्राह्म्ण एकता जिन्दाबाद, सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया के उदभव के साथ हर्षध्वनी के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया गया। इस प्रकार के कार्यक्रम से लोगों के सकारात्मक संचार का जन्म होता है और कुछ करने को प्रेरित भी करता है। ●

माँ की पुण्यतिथि पर पैतृक गांव पहुचे मुख्यमंत्री

● मुन्ना पाण्डेय

सी एम. नीतीश कुमार सोमवार को हर वर्ष की भांति अपने माँ के आठवीं पूण्य तिथि पर पैतृक गाँव पहुँचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। सबसे पहले सी.एम. गाँव पहुँचकर परिवार वालों एवं समर्थकों के साथ देवीस्थान गए। उन्होंने ईश्वर से देश, दुनिया व समाज के लिये मंगलकामना किया। पूर्व की तरह सी.एम. अपने काफिले के साथ पैतृक गाँव पहुँचकर स्व. रामलखन सिंह स्मृति वाटिका पहुँचकर सबसे पहले अपने पिता के प्रतिमा पर नम आँखों से माल्यार्पण कर पुष्ट अर्पित किया। फिर अपनी माँ परमेश्वरी देवी के प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर पुष्प अर्पित किया। अंत में अपनी पत्नी मंजू सिन्हा के प्रतिमा पर श्री श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम में सी.एम. के परिवार वाले भी मौजूद थे। सभी परिवार के लोग भी श्रद्धासुमन अर्पित किये। पार्क से बाहर निकलते ही सी.एम. ने कार्यकर्ताओं को अभिवादन स्वीकार करते हुए लोगों के बीच नव वर्ष की शुभकामनाएँ भी दिया। इसी दौरान दर्जनों ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन भी दिया। इस दौरान उनके बड़े भाई सतीश कुमार, पुत्र निशांत कुमार एवं कई परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। सी.एम. ने अपन गाँव में लगभग पैंतालीस मिनट रहे, इसके बाद वे काफिले के साथ वे पटना के लिए रवाना हो गया। उनके साथ पटना जिला अधिकारी संजय कुमार अग्रवाल, पटना एस.एस.पी. मनु महाराज, नालन्दा डी.एम. डॉ. त्यागराजन, सचिव अतीश चन्द्रा, अस्थावां विधायक जितेन्द्र कुमार, राजगीर विधायक रविज्योति, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, नालन एस.पी. सुधीर कुमार पोरिका, डी.एस.पी. निशित प्रिया, बी.डी.ओ. देवेन्द्र कुमार, थाना

अध्यक्ष संजय कुमार, ओ.पी. प्रभारी मुकेश कुमार, रामानुज सिंह, जदयू के कक्कू जी, राकेश कुमार, रोहित कुमार सहित सैंकड़ों लोग मौजूद थे।

☞ **चच्चे-चप्पे पर तैनात पुलिसकर्मी :-** प्रत्येक वर्ष की भांति मुख्यमंत्री का उनके पैतृक गाँव कल्याणविगहा दौरे को लेकर ऐहतियातन चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मी सुबह से ही जुटे दिखे, सी.एम. दर्जनों गाड़ियों के काफिला के साथ पहुँचे। सर्द ठंढ के बावजूद भी पुलिसकर्मी सजग होकर ड्यूटी में तैनात थे। इस बार उनके समर्थकों में गजब का उत्साह दिखा। लोग शुरू से उनके जाने तक का देश का नेता कैसा हो, नीतीश कुमार जैसा हो, का नारा लगाते रहे, वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर सभी को मशीनों से जांचा गया। मुख्यमंत्री जैसे ही गाड़ी से उतरे की उनकी हाई सिक्युरिटी अपनी हाथों से चारो तरफ बांधकर बीच में माननीय महोदय को रखकर ले जाया गया। हाई सिक्यूरिटी के कारण इस बार कई मीडियाकर्मी को भी वाटिका में प्रवेश रोक लगा दी गई। इसी दौरान मुख्यमंत्री के सचिव सतीश चन्द्रा भी भीड़ में फंस गए, लेकिन पुलिस की पैनी नजर पड़ते ही उन्हें भीड़ से निकाला गया।

☞ **पुल बनाने को लेकर दिया आवेदन :-** सी.एम. नीतीश कुमार को अपने पैतृक गाँव कल्याण विगहा आने के दौरान दर्जनों ग्रामीणों ने अपनी समस्या को लेकर उन्हें आवेदन दिया। जोरारपुर गाँव निवासी दीनानाथ कुमार ने कड़रूआ नदी पर पुल बनाने को आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि पुल बनने से महेशपुर व जोरारपुर गाँव के सैंकड़ों किसानों को खेती करने में सहूलियत होगी। इस दौरान 1974 के जी.पी. आंदोलनकारी सम्पूर्ण क्रांति मोर्चा के बिहार प्रदेश महासचिव रंजीत सिंह ने अपनी विभिन्न माँगों को लेकर सी.एम. को आवेदन दिया। उन्होंने मांग किया कि 1974 के तहत जेल में बंद या भूमिगत सेनानियों को बिना भेदभाव के पेंशन व अन्य सरकारी सुविधा दी जाय। ●

संगीनों के साये में मुख्यमंत्री की समीक्षा यात्रा

गया जिले के टेकारी प्रखंड के लॉव पंचायत के वार्ड संख्या 15 में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के सात निश्चय योजना की समीक्षा यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने दिन रात एक कर इस समीक्षा यात्रा को सफल बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी,जिला प्रशासन आज इस सफल आयोजन को लेकर अपनी पीठ भले ही थप–थापा ले पर हजारो की संख्या में कदम कदम पर भारी संख्या में जिला पुलिस से लेकर केन्द्रीय एजेंसिया की सुरक्षा बलो की तैनाती, सहयोगी पार्टी के उप मुख्यमंत्री का कही फोटो नहीं लगाना, लाव पंचायत के मुखिया का मंच पर जगह नहीं मिलना और उन्हें मुख्यमंत्री से नहीं मिलने देना ,स्थानीय सांसद के मांग पर मुख्यमंती का कोई जवाब या आश्वासन नहीं मिलना, कुछ अनुतरित सवालों को जन्म दे गया। प्रस्तुत है पत्रिका के उप सम्पादक शिवचंद्र झा की खास रिपोर्ट :–

विगत 16 जनवरी को भारी सुरक्षा ताम–झाम के बीच मुख्यमंत्री जब लाव की गलियों का निरिक्षण कर रहे थे तो उनके सुरक्षा में लगे डी जी पी और मुख्य सचिव और उनके मातहतो के चेहरे पर तनाव साफ नजर आ रहा था बक्सर की घटना से सबक लेते हुए उन लोगो ने इतनी इतनी चाक चौबंद इंतजाम किया था की परिंदा भी पर न मार सके? पर ये सारी व्यवस्था में कही न कही जनता और जननेता के बीच एक विभाजन की लकीर साफ देखी गयी, सारा कार्ज क्रम जनता का कम सरकार प्रायोजित ज्यादा लग रहा था गया,16 जनवरी, माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने विकास कार्यों की समीक्षा यात्रा के क्रम में आज टिकारी प्रखंड के लॉव पंचायत के लावग्राम के वार्ड नंबर 15 के विभिन्न गलियों में भ्रमण कर सात निश्चय योजना के अंतर्गत हर घर नल का जल, हर घर बिजली, शौचालय निर्माण, पक्की गली, पक्की नाली योजनांतर्गत किये गए कार्य का अवलोकन किया। इस अवसर पर बिहार के मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, बिहार के पुलिस महानिदेशक श्री पी. के. ठाकुर, माननीय मुख्यमंत्री के सचिव श्री चंचल कुमार, श्री आतीष चंद्रा, मगध प्रमंडल के आयुक्त श्री जितेंद्र श्रीवास्तव, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री विनय कुमार, जिलाधिकारी श्री अभिषेक सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्रीमती गरिमामलिक एवं साउथ

बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के एमडी श्री आर.लक्ष्मणन, जीविका के सचिव श्री अरविंद चौधरी और टेकारी के अनुमंडल पधाधिकारी मनोज कुमार शामिल थे। उन्होंने कई घरों मेंजाकर बनवाये गए शौचालय, नाली , पक्की सड़क तथा लगवाया गया बिजली का अवलोकन किया। इसके उपरांत वह आम सभा को संबोधित करने मुख्य मंचपर पहुंचे जहां उन्हें पदुहुर मुखिया राकेश रंजन ने सौ किलो के माला से मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित औरंगाबाद एवं गया के माननीय सांसद,शेरघाटी एवं टेकारी के माननीय विधायक का भी अभिनंदन किया गया। आम सभा को संबोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि वे बिहार के विकास के लिए सात निश्चय योजना लागू किए हैं और उन्हें आज उन्हें लॉव में क्रियान्वित देखकर बहुत खुशी हो रही है। गया जिले के 225 योजनाओं का जो 505.71 करोड़ रुपए की है जिनमे उद्घाटन की 56 योजनाएं 87.71 करोड़ तथा शिलान्यास की 169 योजनाएं 418 करोड़ रुपए की है, का उदघाटन एवं शिलान्यास रिमोट द्वारा माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इन योजनाओं में विद्यालय भवन, पेयजल योजना, किसान भवन एवं अन्य योजना शामिल हैं। सभा को संबोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि

बिहार के हर घर, हर परिवार को बुनियादी सुविधा मिल जाए, यही हमारी कोशिश है। हमें बहुत खुशी हुई, जब इस गांव में एक व्यक्ति ने कहा कि वह पहले गया रहते थे और इन सुविधाओं के मिल जाने से भी शहर छोड़कर गांव आ गए हैं और अब लाव में ही निवास कर रहे हैं। सात निश्चय योजना हर गांव, हर नगर के लिए है किसी भी शहर या गांव का कोई भी वार्ड इससे अछूता न रहेगा। उन्होंने समझाते हुए कहा कि यह योजना 4 वर्षीय है, 4 साल के अंदर पूरे बिहार में इसे मूर्त रूप देना है। आजादी के इतने साल बाद तक यह संभव नहीं था। पूर्व में नल के जल के लिए काम किया गया था, लेकिन समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि अनेक प्रयासों के बाद भी मात्र 22 प्रतिशत परिवारों को ही यह सुविधा दी जा सकती है। उसके उपरांत इन योजनाओं को विकेंद्रीकृत तरीके से लागू करने की योजना बनाई गई, तथा 1–2 वार्ड का चयन कर और उसमें काम पूरा कराने की योजना बनाई गई। 14 सालों में एक पंचायत के सभी वार्डों को बांट कर प्रत्येक साल दो या तीन वार्ड में काम कराने की योजना है। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष में मुखिया जी को किसी ने भड़का दिया और यह बता दिया कि आप के अधिकार का हनन किया जा रहा है। जिसके वजह से एक वर्ष तक धीमी गति से काम हुआ, लेकिन अब काम ने गति पकड़ ली है। पक्की गली–नाली का निर्माण एवं नल

समीक्षा यात्रा से पूर्व कार्यक्रम की तैयारी पर चर्चा करते डीएम, एसडीओ एवं डीआरडीए निदेशक

जल यह केंद्र सरकार, राज्य सरकार और वित्त आयोग की राशि को मिलाकर इसे विकेंद्रीकृत तरीके से क्रियांवित किया जा रहा है। हर घर बिजली एवं शौचालय निर्माण केंद्र की योजना है जिसे राज्य सरकार क्रियान्वित कर रही है तथा अपना भी संसाधन लगा रही है। चूंकि चार वर्षों में काम किया जाना है, इसलिए प्रत्येक वर्ष कुछ ही वार्ड में काम किया जा सकता है। इसके लिए सर्वप्रथम किस वार्ड में काम किया जाए, इसके लिए योजना बनाई गई। जिस वार्ड में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या सबसे ज्यादा होगी पहले उन्ही वार्डों में काम कराने हेतु निर्णय लिया गया। लेकिन 4 साल के अंत तक पंचायत के सभी वार्डों में काम पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग लोगों को भड़का रहे हैं कि तुम्हारे वार्ड में काम नहीं होगा। उन्होंने अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों को लोगों को समझाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सभी को इस योजना का लाभ मिलेगा। नल का जल से स्वच्छ पानी, शौचालय की सुविधा यदि हर परिवार को मिल जाए तो 90 प्रतिशत बीमारी से छुटकारा मिल जाएगा। अगर किसी के घर में जगह नहीं है तो वैसे लोगों के लिए सामूहिक शौचालय बनवा कर उसका चाभी उन्हें दिया जा रहा है। उन्होंने सिंघेश्वर स्थान एवं मधेपुरा का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि वहां उन्होंने 15 शौचालय एक स्थान पर बना हुआ देखा है, जिसका उद्घाटन कर वहां के लोगों को उसकी चाबी सुपुर्द की गई। आज लाव ग्राम का भ्रमण कर इन योजनाओं को देखकर मुझे खुशी होरही है। उन्होंने कहा कि वह लगातार भ्रमण कर विकास कार्यों की समीक्षा करते रहते हैं, घूमते रहते हैं। वह सिर्फ पटना में बैठकर शासन नहीं करते हैं। लॉव ग्राम में आने पर उन्होंने हर्ष जाहिर किया और कहा कि लावण्य ऋषि जो मोड़हर नदी के तट पर तपस्या करते थे, उन्हीं के नाम पर यह लाव ग्राम बना है। लोगों का कहना है कि सुंदर शाहगढ़ स्थापित है और यहां भगवान बुद्ध की दो मूर्ति मिली है, मृदभांड भी मिले हैं, प्राचीन बर्तन के टुकड़े भी मिले हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि ऐसी ऐतिहासिक धरती पर उन्हें आने का मौका मिला है। उन्होंने गया को ज्ञान एवं मोक्ष की धरती बताया और कहा कि यहां का एक–एक कण ऐतिहासिक है। यहां खुदाई हो तो और भी

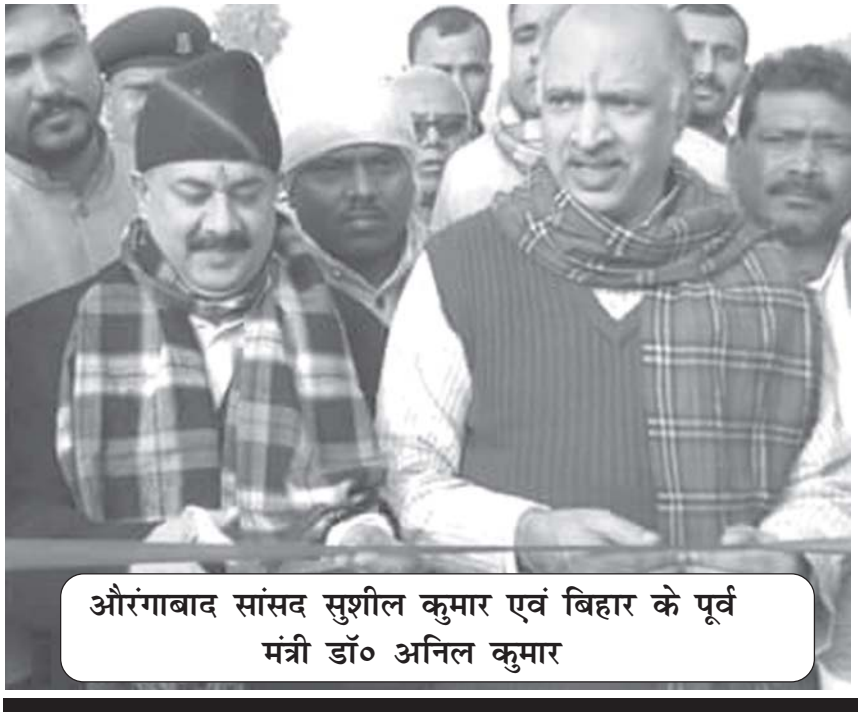

औरंगाबाद सांसद सुशील कुमार एवं बिहार के पूर्व मंत्री डॉ० अनिल कुमार

अशोक कुमार आजाद
वरिष्ठ नेता, राजद

कुमार झा फाउण्डेशन चलायेगा हस्ताक्षर अभियान

फाउण्डेशन के संस्थापक शिवचंद्र झा उर्फ निप्पू झा ने बताया की महान स्वतंत्रता सेनानी स्व. कुमार झा के नाम, कुमार झा और उसे जोड़ने या उस हाइवे का दर्जा बहुत जल्द चलाया जायेगा।

हिच्छापुर टेकारी गांव रोड से जुरा माधोपुर पथ का पथ को स्टेट निर्माण विभाग से देने को लेकर हताक्षर अभियान स्व. कुमार झा बिहार विधान परिषद् के सदस्य रहते हुए 36 वर्षो तक इस क्षेत्र की सेवा की थी, पर वर्तमान सरकार इन सब बातों की अवहेलना करते हुए, उस पथ को उपक्षेत छोड़ दिया है।

आशुतोष मिश्रा उर्फ बुलेट बाबा
मुखिया, लाव पंचायत

कुछ मिल सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन को भी 205 योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करवाने के लिए धन्यवाद दिया। महिला सशक्तिकरण के लिए काम करने की जानकारी उन्होंने देते हुए कहा कि 50 प्रतिशत महिलाओं को पंचायत चुनाव में आरक्षण दिया गया है, महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए विद्यालयों में पोशाक योजना चलाई गई है। उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए स्वयं सहायता समूह का गठन कर जीविका बनाया गया और इस समय बिहार में आठ लाख जीविका समूह बन गया है। जबकि 10 लाख जीविका समूह बनाने का लक्ष्य है। महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया जाएगा, यह उन्होंने पूर्व में ही घोषणा कर रखी है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से महिलाओं को आत्मबल मिलेगा, उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। सात में दो निश्चय युवाओं के लिए उन्होंने बताया और कहा कि हमारे युवा 12वीं के आगे नहीं पढ़ पाते थे, उन्हें स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 4 लाख रुपये का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। रोजगार एवं साक्षात्कार के लिए दूरदराज क्षेत्रों में जाने में युवा अपने को असमर्थ पाते थे, पैसे की कमी रहती थी। इसे दूर करने के लिए सहायता निश्चय भत्ता योजना के तहत 2 वर्षो तक 1000 प्रति माह की दर से उन्हें सहायता दिया जा रहा है, ताकि रोजगार ढूंढने में उन्हें सहूलियत हो सके। तीसरी योजना है कुशल युवा कार्यक्रम जिसके तहत कंप्यूटर ज्ञान, संवाद कौशल और व्यवहार कौशल में वृद्धि किया जा रहा है। व्यवहार कौशल से लोगों में सहानुभूति उत्पन्न होती है, जिससे रोजगार मिल पाता है कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 240 घंटे में हमारे युवा यह सीख रहे हैं। इन योजनाओं को क्रियांवित किया जा रहा है। बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रत्येक जिला में इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री की समीक्षा यात्रा के दौरान स्थानीय स्तर पर पक्ष–विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप का भी दौर चला इस कार्यक्रम में कही भी जदयू के अलावे NDA के किसी दल का झंडा या पोस्टर नजर नहीं आया। यहाँ तक की उप मुख्यमंत्री की तस्वीर भी कही देखने को नहीं मिली और न ही किसी स्थानीय भाजपा नेता को मंच पर जगह मिली। टेकारी के विकास पुरुष कहे जाने वाले पूर्व मंत्री अनिल कुमार को भी कार्यक्रम से दूर ही रखा गया जिससे उनके समर्थको में भारी रोष देखा गया। स्थानीय सांसद सुशील सिंह ने जब हिच्छापुर टेकारी रोड को पथ निर्माण विभाग में लेकर बनवाने की बात कही तो मुख्यमंत्री ने उस पर कोई जवाब नहीं दिया क्योकि सुशील सिंह को अनिल समर्थक मान जाता है। जबकि विधायक अभय कुशवाहा की मांग पर मोरहर नदी में बियर बांध की मांग करने पर उसकी निर्माण की घोषणा उन्होंने ने मंच से ही कर दी।

विदित हो की, ये वही रोड है जिसका निर्माण पूर्व MLC पंडित स्व कुमार झा ने करवाया था, जो 36 बर्षो तक बिहार विधान परिषद के सदस्य रहे और उनका गोंव भी उसी सड़क किनारे पर है। दो स्टेट हाइवे को जोड़ने वाला यह बहुत ही महत्वपूर्ण पथ है, जिससे हजारों लोग रोज आते–जाते है। रही–सही कसर मुख्यमंत्री के सुरक्षा में आये SSG के दस्ते ने आम जनता से लेकर स्थानीय मुखिया आशुतोष मिश्र के साथ भी बत्तमीजी करते हुए उन्हें मंच से दूर कर दिया। 'नौजवानो के बीच मसीहा माने जाने बाले मुखिया जो बुलेट बाबा के नाम से भी जाने जाते है उनकी उपेक्षा से आम जनता और उनके समर्थकों में बहुत नाराजगी देखी गई। सामाजिक कार्यकर्ता और राजद के वरिष्ठ नेता अशोक कुमार आजाद ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा की, यह समीक्षा यात्रा नहीं बल्कि राज सही और तानाशाही यात्रा है। गरीब किसानों का सारा फसल बर्बाद हो गया और उनकी और देखने वाला कोई नहीं है नीतीश कुमार जबरदस्ती अपने नौकरशाहो से अपनी बात जनता पर थोपना चाहते हैं। राजद महासचिव सुभाष यादव ने भी कहा की हमारी पार्टी ने भी अब तय किया है की हर समीक्षा यात्रा के बाद वो भी धरातल पर जा कर उस समीक्षा यात्रा की समीक्षा करेगी और जनता के बीच उसकी पोल खोलेगी। इन सब के बावजूद स्थानीय अमुमंडल पदाधिकारी मनोज कुमार और डी.एम. अभिषेक सिंह की युवा जोड़ी ने पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्वक संपन्न करा ली। मनोज कुमार ने इसे टीम वर्क का प्रतिफल बताया। ●

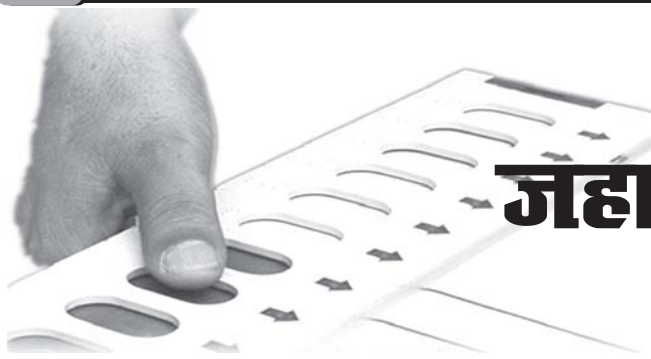

कौन मारेगा जहानाबाद उपचुनाव में बाजी

● विकास कुमार/संतोष मिश्रा

जहानाबाद विधान सभा उपचुनाव का शंखनाद लिखे जाने तक नही हुआ है, पर फेसबुक और व्हाट्सएप पर राजनेताओं का पोस्ट आना शुरू हो गया है। सभी दलो के नेता अपने आप को प्रोजेक्ट कर रहे है। वही नेताओं ने अपने क्षेत्र का दौरा शुरू कर दिए है। नेता लोग अपने घर से निकल कर गॉव-देहात की ओर रूख कर रहे है। वही सुदूर के क्षेत्रों में जनता से किसी न किसी बहाने रू-ब-रू हो रहे है। इस आधुनिक युग में नेता सोशल मिडिया पर भी खुब सक्रिय दिख रहे है। जनता से मिलने की ब्रांडिग नेताजी फेसबुक के जरिऐ लगातार कर रहे है। यहॉ पहले से विधायक स्व मुंद्रिक सिंह यादव थे। 10 साल बिहार की राजनीति से बाहर हो चुके लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल समाप्त होने की कगार पर आ पहुंची थी लेकिन राजनीति के शतरंज पर राजा की भूमिका अदा करने वाले लालू यादव ने भारतीय जनता पार्टी को जहानाबाद में ऐसी शिकस्त दी थी जिसका कल्पना भी वह नही कर रही थी। जहानाबाद उपचुनाव में राजद से भी कई दावेदार है। शुदय यादव, उदय यादव तथा मुन्नी लाल यादव जैसे कई नेताओं का प्रवल दावेदारी है। शुदय यादव एवं उदय यादव स्वं0 मुंद्रिका सिंह यादव के पुत्र है। वही कुछ लोगों का माने तो शुदय यादव का प्रवल दावेदारी बन रहा है। तथा लोगो का

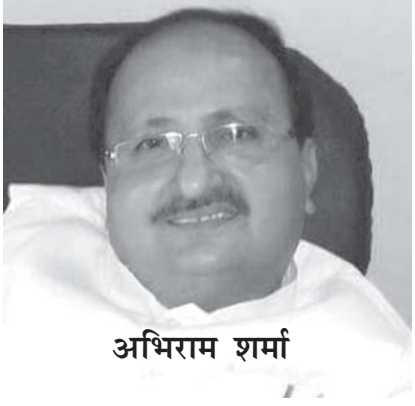

अभिराम शर्मा

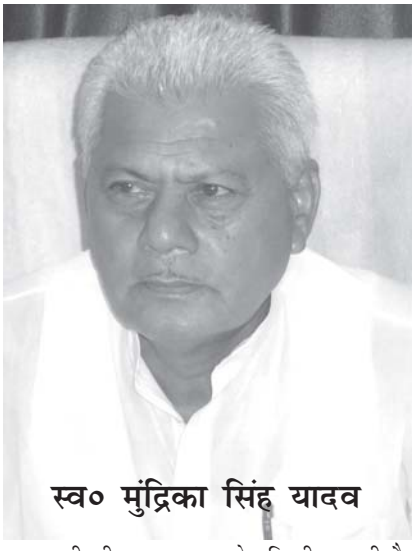

स्व० मुंद्रिका सिंह यादव

सहानुभूती भी शुदय यादव के प्रति ही जा रही है।

बिहार की वर्तमान राजनीति में जहानाबाद विधानसभा सीट के लिए कई दाव पेंच है। वही भाजपा गठबंधन से सभी दल अपनी अपनी पार्टी को मजबूत दावा बता रहे है। जैसा दल वैसा ही उनका आत्म विश्वास बोल रहा है। जैसे भाजपा से लेकर रालोसपा,जदयू,हम सहित कई और पार्टीयॉ जहानाबाद सीट पर प्रबल दावेदार मान रहा है। रालोसपा (उपेन्द्र कुशवाहा ग्रुप) से गोपाल शर्मा तथा पिन्टु कुशवाहा है। अगर रालोसपा के पास यह सीट जाती है। तो आशा किया जा रहा है कि गोपाल शर्मा को टिकट मिलने की सम्भावना बन रहा है। तथा कुछ लोगो का माने तो गोपाल शर्मा ही प्रबल दावेदार है। रालोसपा(डा0 अरूण कुमार ग्रुप) ऐसा माना जा रहा है कि रालोसपा तो उपेन्द्र कुशवाहा का है। फिर अरूण कुमार कोई दूसरी दाव या समीकरण बनाने में सफल हुए तो यह सीट अगर इन्हें मिलता है तो यहॉ से रितु राज तथा प्रविण कुमार है। रितु राज युवा एवं नया चेहरा है। रितु राज डा0अरूण कुमार के पुत्र है। जबकी विधानसभा 2015 में प्रविण कुमार को ही टिकट मिला था। 2015 विधानसभा चुनाव में सांसद डॉ0 अरूण कुमार का प्रभाव क्षेत्र होने के बावजूद प्रविण कुमार को सफलता नही मिली। इनके दम पर सवर्णों के अलावा महादलित, चंद्रवंशी और कुशवाहा बिरादरी के वोटो का आसार भी था, लेकिन यह समीकरण काम नही आया। और करारी हार का सामना करना पड़ा। अब देखना यह होगा कि टिकट रितु राज को मिलता है कि प्रविण कुमार को। हम(हिन्दुस्तान आवम मोर्चा) से पूर्व मंत्री तथा हम पार्टी के वरिष्ट नेता अनिल कुमार ने दावा किया है कि जहानाबाद विधानसभा सीट के उपचुनाव में सबसे मजबूत दावा उनकी ही पार्टी का बनता है। उनका कहना है कि जहानाबाद सीट पर दलित वोटरों की संख्या सबसे ज्यादा है और उनकी पार्टी दलित हित की राजनीति की सबसे बड़ी पोषक है। अनिल कुमार का कहना है कि पार्टी गठबंधन के सहयोगी दलों से अपील करेंगी कि जहानाबाद सीट से उपचुनाव में टिकट की दावेदारी पर उनकी पार्टी का समर्थन करें।

जदयू से पूर्व विधायक अभिराम शर्मा तथा राजू नयन है। जबकी 2010 में जहानाबाद सीट पर विधायक रह चुके अभिराम शर्मा भी इतनी आसानी से जाने नही देंगें। अगर यह सीट जदयू के पास रहा तो इस सीट पर प्रवल दावेदारी पूर्व विधायक अभिराम शर्मा का होगा।

भाजपा से शशि रंजन तथा इन्दु कश्यप है। शशि रंजन भाजपा का पूर्व जिला अध्यक्ष है वही इन्दु कश्यप भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री(महिला मोर्चा) तथा वर्तमान में प्रदेश कार्य समीति सदस्य है। कुछ लोगो का माने तो भाजपा में इन्दु कश्यप प्रवल दावेदार है। राजनीति में बढ़ रहा है

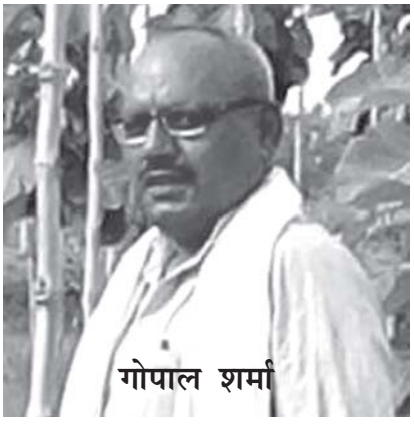

गोपाल शर्मा

नारीयों का वर्चस्व साफतौर पर दिख रहा है। जबकी पहले नारी का नाम भी नही जानते थे लेकिन राजनीति हालात की वजह से यह सबकुछ संभव हो सका है। रवि शंकर जो पण्डूई ग्राम के रहने वाले है उनसे बात करने पर उनका कहना था कि ऐसे तो जहानाबाद विधानसभा सीट पर एनडीए के सभी दल दावा कर रहे है। इतना ही नही नेतागण अपनी-अपनी तैयारी भी शूरू कर दिए है। जहानाबाद में 10-15 साल से राजद एवं जदयू के ही विधायक रहे है पर विकास कोसो दूर है। 2010 में यहाँ के विधायक रह चुके अभिराम शर्मा, लेकिन आम जनता के बीच वह भी स्थान बनाने में असफल रहे है। वही इस क्षेत्र का जनता भाजपा को पसंद कर रही है। मै कोई पार्टी से नही हूँ परन्तु जहानाबाद विधानसभा का जो माहौल बन रहा है उसके अनुसार भाजपा के इन्दु कश्यप को जनता पसंद कर रही है। और करती भी क्यो न इन्दु कश्यप जनता के सुख-दु:ख में हमेशा खड़े रहती है। वही रवि जी का कहना है कि जनता इन्हे एक कर्मठ एवं सुलझे हुये नेता के रूप में जानती है। राजनीति में बढ़ रहा है नारी का वर्चस्व, नारी शक्ति का एहसास जब-जब हुआ है। तब-तब विभिन्न क्षेत्रों में विकास एवं स्थिरता का वातावरण बनता दिखता है। इस क्षेत्र के जनता के माने तो जहानाबाद के पहली पसंद इन्दु कश्यप है। वही नीरज कुमार जो कुण्डीला गॉव के रहने वाले है उनका कहना है कि हमने सारी पार्टीयों को देख लिया। अब सिर्फ भाजपा को देखना है। क्योंकि राजद कि काट सिर्फ और सिर्फ भाजपा के पास ही है। ऐसे तो भाजपा में छोटे बड़े बहुत नेता है पर जो काम करने के जज्बा इन्दु कश्यप में है वे किसी में नही है इतना ही नही वे ऐसी नेता है जो जनता के बीच से उठी है तथा जनता के बीच में ही रहती है। हमलोग आशा करते है की यदी इन्दु कश्यप को टिकट मिलता है तो भाजपा गठबंधन को एक सीट और मिलेगा या ये कहे कि यहाँ जितने की संभावना बन जाती है। धर्मदेव यादव खजूरवानी ग्राम के रहने वाले है। उनसे बात किया गया तो उनका कहना था की इस क्षेत्र में बहुतों नेता को देखा पर विकास की बात सिर्फ चुनाव में ही करते है। पर जीतने के बाद दर्शन भी नही देते है। इसलिए इस बार हर जनता की पहली पसंद इन्दु कश्यप ही हैं।

वही अंजनी कुमार सिंह जो उपाध्यक्ष जिला ग्रामीण भाजपा पटना से बात किया तो उनका कहना था कि जहानाबाद विधानसभा सीट खाली होते ही वहाँ नेताओं की बरसात हो गयी। जैसे बरसाती मेढ़क बरसात के मौसम में बाहर आते हैं और वर्षा खत्म हुआ कहाँ चले जाते हैं किसी को पता नही? उसी तरह जहाँ देखो चर्चा का बाजार गर्म है। सब लोग अपनी अपनी नेताओं के गुणगान में लगे हैं। सोचने वाली बात

इंदु कश्यप

होगी बीजेपी के लिए की आखिर किस उम्मीदवार को वहाँ से खड़ा कर वहाँ की सीट कब्जा करे। वहाँ के सीट के दावेदारी तो बहुत ही लोगो का है और कर भी रहे है। लेकिन वहाँ के जनता का मन टटोलने पर ऐसा लगा कि बीजेपी अपना उम्मीदवार इन्दु कश्यप जैसी साफ छवि वाली महिला को अपना उम्मीदवार बनाये तो जहानाबाद उपचुनाव की सीट आसानी से जीत सकती है। इनके अलावा किसी और को टिकट दिया गया तो आपसी टकराव के कारण यह सीट गवानी परेगी। इन्दु कश्यप जी का जनता के बीच असीम प्यार है और उनके सुख-दुख में हमेंशा साथ देती हैं, तथा जनता को सहायता करने में पीछे नही हटती है। इन्दु कश्यप जी मृदभाषी के साथ-साथ व्यवहार भी है। इस लिए इस क्षेत्र की जनता इनकी दिवानी है। वही अंजनी जी कहना है कि इन्दु कश्यप के अलावा किसी दूसरे को टिकट देना पार्टी को आत्म-हत्या करने जैसा होगा। चुकी मैं बीजेपी का एक सच्चा सिपाही हूँ तो सही सुझाव देना मेरा फर्ज था। वही प्रिंस कुमार मिश्रा जिलामंत्री, भाजपा किसान मोर्चा, मुजफ्फरपुर से बात किया तो उनका कहना है कि यह सीट भाजपा के पास ही रहना चाहिए और इस सीट पर भाजपा के इन्दु कश्यप को टिकट मिलना चाहिए। इन्दु कश्यप जी एक पार्टी की कर्मठ कार्यकर्ता और नेत्री है। जिन्होने जहानाबाद में ही नही बल्कि पार्टी ने देश-प्रदेश में जहाँ भी जिम्मेदारी मिली उसे बखूबी निभाया है और अपनी पुरी उर्जा लगाया है। प्रिंस जी का कहना है कि हमारे बिहार भाजपा के अभिभावक आदरणीय सुशील मोदी जी हमेशा कार्यकर्ताओं के हित में लड़ाई लड़ते है। बिहार भाजपा के अभिभावक एवं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुझे उम्मीद है की इन्दु कश्यप जी जैसा कर्मठ महिला नेत्री को पार्टी जरूर जहानाबाद से उचित भागीदारी देगी। इन सभी के अलावा अनिल यादव ग्राम पाण्डेचक, राजकिशोर शर्मा ग्राम कसवा तथा डॉ अनवर जो जहानाबाद के रहने वाले है से बात करने पर इन सभी का कहना है कि इन्दु कश्यप को टिकट मिलता तो इस क्षेत्र का विकास की उम्मीद बढ़ जायेगी। ●

नववर्ष, मकर सक्रांति, बसंत पंचमी एवं गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर बेलछी पंचायतवासियों सहित सम्पूर्ण बिहारवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

मृत्युंजय प्रसाद

मुखिया,
ग्राम-मोकिमपुर,
पोस्ट-कोलावाँ,
पंचायत-बेलछी,
थाना-चण्डी, जिला-नालंदा

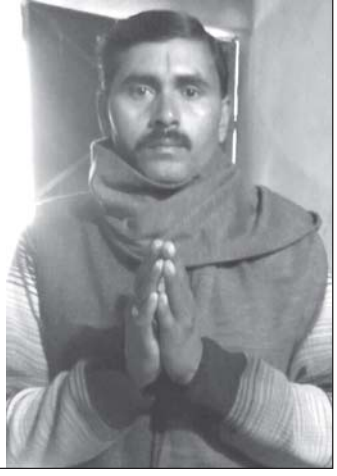

धान की खरीद में विचौलियों की चाँदी, किसान मजबूर

● विकास कुमार/संतोष मिश्रा

अरवल जिले में धान खरीद में पिछले वर्ष की तुलना में आगे है लेकिन जिले के किसान परेशान है। धान लेकर जाये तो किसके पास जाये। कर्ज लेकर किसान खेती करते हैं। फसल तैयार हो जाने के बाद साहूकार अपने पैसे के लिए हावी हो जाता है। पैक्स धान की खरीद करता नहीं, करता भी है तो तरह-तरह की परेशानी अब इतना झेले कौन? महीना दिन बाद पैसे बैंक खाते में आएगा की नहीं आएगा और बिचौलिये पैसे लेकर तैयार रहता है, धान की ओने-पौने कीमत देने के लिए मजबूर किसान अपने साल भर की मेहनत का सौदा कर देता है। जी हां यही है जिले में धान खरीद की सच्चाई। बिचौलिये धान की खरीदारी कर रहे हैं। सरकार निर्धारित मूल्य की कम कीमत पर किसान अपने धान बिचौलिये के हाथो देने पर मजबूर हैं। किसानों के लिए राज्य सरकार ने दो रेट तय किये हैं। पंद्रह सौ पचास और पंद्रह सौ सत्तर, पंद्रह सौ पचास धान की कीमत और ग्रेड के लिए पंद्रह सौ सत्तर रूपया निर्धारित किया गया है। लेकिन किसानों से बिचौलिये तेरह सौ रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीददारी कर रहे हैं। खैरा गांव के किसान जितेन्द्र सिंह ने कहा कि पैक्स को देंगे तब एक महीना से ज्यादा समय लग जाता है, पैसा मिलने में और किसान को कई तरह के काम को निपटाना होता है इसी में। किंजर के किसान सुनील सिंह ने बताया कि व्यापारी को धान दे रहे हें क्या करें पैक्स लेता ही नही है और लेता भी है तब समय से पैसा खाते में नहीं पहुँचता। किंजर के ही किसान अखिलेश सिंह ने कहा कि मजबूर हैं क्या कर सकते हैं। हर किसान को तो ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन करना तो आता नहीं और कई किसान का जमीन अभी भी खानदानी है रसीद अलग-अलग है नहीं इसलिए व्यापारी को दे देते हैं। दो सौ रूपया कम ही मिलता है, लेकिन समय पर मिल जाता है पैसा। किंजर गाँव के किसान मुन्ना सिंह ने कहा कि हमलोगों का धान व्यापारी ही खरीदता है। व्यापारी को देने में किसी प्रकार की झमेला नहीं है और समय से पैसा भी मिल जाता है। सर्वाधिक दिक्कतों का सामना धान बेचने में बटाईदारों को हो रही है। पैक्स द्वारा धान की खरीद उन्हीं किसानों की हो रही है, जिनके पास जमीन की रसीद है। बटाईदारों के पास तो रसीद है नहीं, उनका धान व्यापारी उठा रहे हैं। अरवल जिला में बिचौलिये तेरह सौ रूपये मोटा धान व महीन धान चौदह सौ रूपये प्रति क्विंटल की दर से खरीद हो रही है।

सूत्रों की माने तो धान खरीद के संबंध में करपी व्यापार मंडल अध्यक्ष ने कहा कि अभी सभी पैक्स को धान खरीदने के पैसे भी नहीं मिले हैं। करपी में केएल केयाल, शहर तेलपा, राहाई पैक्स के खाते में ही पैसा गया है। शुरूआत में पैक्सों को आठ लाख तक के धान की खरीद करनी है, जब चावल राज्य खाद्य निगम में जमा हो जायेगा तब फिर पैक्सों को और आवंटन होगा। पूरा अरवल जिला में अभी तक कुल बाइस लाख नौ हजार का ही धान खरीद के लिए पैसे आवंटन हुआ है। पैक्स के सामने विकट स्थिति है कि किसान का धान खरीदे किस किसान का नहीं खरीदे। बताते चलें कि औरंगाबाद जिले के खाद्य निरीक्षक हरिशंकर पांडेय ने कहा कि बुधवार तक पाँच हजार सात सौ सत्तर क्विंटल धान की खरीद हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल तो अभी तक खरीद आरम्भ भी नहीं हुआ था। ●

बाल कुपोषण मुक्त बिहार लाएंगे नीतीश

● मुन्ना पाण्डेय

बिहार सरकार के द्वारा बच्चों को कुपोषण दूर करने का योजना चल रहा है, जी हाँ हम बात कर रहै हैं, सी.एम. के गृह प्रखंड हरनौत का जहाँ आज भी हजारों बच्चे कुपोषित जिंदगी जी रहे हैं। बता दें कि प्रखंड में बच्चों के भविष्य संवारने व कुपोषण दूर करने के लिए कुल 149 आंगनबाड़ी केन्द्र भी संचालित है, जिसमें 146 चालू है। प्रखंड बाल विकास परियोजना के द्वारा की गई सितंबर 2017 के सर्वे के मुताबिक प्रखंड क्षेत्र में कुपोषित बच्चों की कुल संख्या 1620 है। वहीं अति कुपोषित बच्चों की कुल संख्या 428 है। हालांकि दिसम्बर 2017 तक कुछ सुधार भी हुआ है। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी जया मिश्रा ने बताया कि कुपोषण का सबसे बड़ा कारण लोगों में जागरूकता एवं शिक्षा की कमी है। जिसके कारण लोग आज भी अपने बच्चे को 6 महीने बाद भी अनाज या फल नहीं देते हैं, उन्हें लगता है कि दूध ही संपूर्ण आहार है। उन्होंने बताया कि एन.एफ.एच.एस. के सर्वे के मुताबिक भी कुपोषण का मुख्य कारण लोगों में जागरूकता एवं शिक्षा की कमी है। अगर बच्चों में समृद्धि तरीके से भोजन दी जाए तो कुपोषित बच्चों की संख्या में कमी आएगा, वर्तमान में नाटापन होने के कारण कुपोषण ही है, बिहार सरकार के द्वारा चलाए जा रहे बाल कुपोषण मुक्त बिहार कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा घर-घर जाकर लोगों को कुपोषण को लेकर जागरूक किया जा रहा है, साथ ही आंगनबाड़ी सेंटर से टेक होम राशन के तहत अति कुपोषित बच्चों के लिए सिंगल डोज के जगह डबल डोज दिया जाता है, साथ ही सप्ताह में एक अंडा भी दिया जाता है एवं हर आंगनबाड़ी सेंटर पर वजन मशीन वाटर फिल्टर भी लगाया गया है। इससे, इस योजनान्तर्गत बच्चों के मृत्युदर में काफी कमी आयी है। वही रूगनता एवं मंद बुद्धी स्तर के बच्चों में कमी लाने हेतु सरकार के लिए एक विकासात्मक पहल है। जो आगे आने वाली पीढ़ी को दिशा एवं दशा निर्धारित करेगी। पोषाहार, टीकाकरण, स्वच्छता एवं माताओं को कुपोषण की जानकारी देने का कार्य इस प्रखण्ड के बच्चों को रोड टू हेल्थ की ओर ले जा रहा है।●

स्वराज पार्टी ने मनाया सावित्री बाई फूले जयंति

● मयंक कुमार/चन्दन कुमार

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और नारी-उत्थान की प्रतीक क्रांति-ज्योति राष्ट्रमाता सावित्री बाई फूले की जयंती समारोह महिला स्वराज बारूण द्वारा रेलवे क्लब सोननगर बारूण के प्रांगण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला स्वराज की तरफ से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामजीत कुमार ने की। कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ माता सावित्री बाई फूले के तस्वीर के सामने दीप प्रज्जवलित व पुष्पांजली अर्पित करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला और सावित्री बाई फूले के बताये गये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मुख्य वक्ता के रूप में स्वराज पार्टी अध्यक्ष-सह-पूर्व विधायक सोम प्रकाश ने कहा कि आज समाज में यदि महिलाओं को कुछ आजादी मिली है, तो इसमें माता सावित्री बाई फूले का अहम योगदान है। जिस समय में सामाजिक अन्याय अपनी पराकाष्ठा पर थी तथा महिलाओं व शूद्रो को शिक्षा से वंचित रखने के लिए षडयंत्र रचा गया

था, ताकि वे शिक्षित होकर अपने हक व हकूक की बात न करने लगे। उस विपरीत परिस्थिति में माता सावित्री बाई फूले ने महिलाओं व शूद्रो को शिक्षित करने के लिए अपने घर-आँगन से बाहर निकली। उनके इस कदम का विरोध किया गया। फिर भी नहीं मानी तो बदचलन होने का आरोप लगाकर उनपर कीचड़ फेंका जाता था। लेकिन लाख यातनाओं के बावजूद सावित्री बाई फूले ने अपने पति ज्योति राव फूले के साथ मिलकर शूद्रों व महिलाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ समाज से छूआछूत व विधवा-विवाह को मिटाने के लिए अनेक कार्य करते हुए 1852 ई. में अछूत बालिकाओं के लिए विद्यालय की स्थापना कर एक बड़ी चुनौती को अंजाम दिया। परंतु विडंबना है कि आज समाज में बालिका शिक्षा के प्रोत्साहन एवं महिला अधिकार के अनेक कानून होने के बावजूद भी समाज से कोई सावित्री बाई फूले जैसा क्रांति-ज्योति नहीं पैदा हो रही है।

जयंती समारोह में निकी कुमारी, दीपा कुमारी, पूनम कुमारी, काजल कुमारी व सीमा कुमारी ने लघु नाटक के माध्यम से सावित्री बाई फूले के चरित्र का चित्रण किया। मौके पर महिला स्वराज औरंगाबाद जिलाध्यक्ष मनोरमा देवी, गुंजा कुमारी, रीजू देवी, सरस्वती देवी, चंदन कुमार, सहदेव विश्वकर्मा ऊर्फ जोशी बाबा, श्यामजी सिंह, योगेश्वर पासवान, डॉ. जितेन्द्र कुमार, अनिल कुमार, सद्दाम हुसैन, प्रो. राजू चौधरी, मुन्ना यादव, संतोष कुमार, ओम प्रकाश पांडे अन्य कई लोग मौजूद रहे। ●

धर्मवीर भारती को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार

● मयंक कुमार

यूनिवर्सल नाट्य विद्यालय, अस्थला, मालदेवता, देहरादून और उत्तराखंड कला संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित ''15वां यूनिवर्सल रंग महोत्सव, देहरादून'' में नाट्य भारती ग्रुप आधी-आबादी नाटक को सर्वश्रेष्ठ नाटक का सम्मान मिला। धर्मवीर भारती को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवार्ड मिला।

युवा रंगकर्मी धर्मवीर भारती द्वारा परिकल्पना, लिखित एवं निर्देशित नाटक ''आधी आबादी'' को प्रथम पुरस्कार, इप्टा, मेरठ द्वारा मंचित सशील कुमार लिखित और शांति वर्मा द्वारा निर्देशित नाटक को द्वितीय और राजेश व्यास,गुजरात के नाटक नहले पे दहले को तृतीय पुरस्कार मिला।

धर्मवीर भारती ने बताया कि आधी आबादी ''आधी आबादी'' का एक प्रयोगात्मक नाटक है। इसकी परिकल्पना, लेखन और निर्देशन धर्मवीर भारती ने की है। नाटक का विषयवस्तु या दृश्य प्राचीन भी है और प्रासांगिक भी। अगर नाटक के विषय के गर्भ में जाएं तो भारत वर्ष के संविधान में महिलाओं और पुरूषों

को बराबर का दर्जा प्राप्त है। लेकिन विडंबना है कि दिल और दिमाग में आज भी यह देश पुरूष प्रधान है।

समाज में यही पुरूष प्रधान वाली व्यवस्था महिलाओं के नर्क से गई गुजरी स्थिति पैदा करती है। वर्तमान सामाजिक व्यवस्था पर कटाक्ष करते हुए श्री भारती ने कहा कि नाटक में दिखाई गई सभी घटनाएं काल्पनिक नहीं है, सिर्फ पात्र काल्पनिक हैं। धर्मवीर भारती ने बताया कि वरिष्ठ रंगकर्मी, भाजपा नगर मंत्री और वार्ड 23 के वार्ड पार्षद के प्रतिनिधि धीरज अजनबी ने नाट्य ग्रुप का मनोबल बढ़ाया, रिहर्सल के लिए जगह भी उपलब्ध कराई और आर्थिक मदद भी की। ह्यूमैनिटी सचिव ओम प्रकाश प्रीत ने कहा कि जल्द ही औरंगाबाद में वरिष्ठ रंगकर्मियों और आम नागरिकों के सहयोग से नाट्य उत्सव का आयोजन किया जायेगा। ओम प्रकाश प्रीत, मधुलिका रानी, रणवीर कुमार, संकेत सिंह, पप्पू कुमार, अमर कुमार, कौटिल्य किशोर, विशाल राय, दीपा रानी, अंजन सिंह, मनोज मुस्कान के दमदार अभिनय के कारण नाट्य भारती ग्रुप ने औरंगाबाद को नव वर्ष का विशेष तोहफा दिया। ●

स्काउट गाइड प्रशिक्षण से बच्चों का होता है सर्वांगीण विकास : आचार्य मयंक

● सुनिल कुमार

भारत स्काउट गाइड बिहार राज्य औरंगाबाद के द्वारा नवीनगर प्रखंड के अंकोरहा स्थिति राजकीयकृत माधे शिवनपुर जनता प्लस टू माध्यमिक विद्यालय में पाँच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अंकोरहा माध्यमिक विद्यालय, मध्य विद्यालय शिवनपुर और मध्य विद्यालय माधे के छात्र-छात्राओं ने शिविर में भाग दिया। शिविर प्रान राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित स्काउटर आचार्य मयंक कुमार शास्त्री, ज्वालाप्रकाश, पियूष कुमार और ममता कुमारी के नेतृत्व में सैंकड़ो विद्यार्थियों ने स्काउट गाइड की प्रशिक्षण प्राप्त की। शिविर में स्काउटिंग की इतिहास, नियम, प्रतिज्ञा, पायनियरिंग,सिग्नलिंग,सिटी संकेत, प्राथमिक उपचार, अनुमान लगाना, अनुशासन, ड्रिल, कंपास, बायां हाथ मिलाना, राष्ट्रध्वज, टोली प्रणाली, खोज चिन्ह्, खेल, सेवा धर्म, राष्ट्रध्वज, संस्कार आदि विषयों की विस्तारपूर्वक शिविर में बच्चों को जानकारी दी गई। शिविर समापन के अवसर पर शिविर में बच्चों को देश सेवा एवं स्काउट गाइड नियम को पालन करने हेतु संकल्प दिला कर मुंह मीठा कराया गया। शिविर प्रधान आचार्य मयंक कुमार शास्त्री ने बताया कि राज्य सचिव श्रीनिवास कुमार एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी रामप्रदेश सिंह के निर्देशानुसार जिले भर में शिविर लगाकर स्काउट गाइड को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्काउट गाइड शिक्षा से एक लड़के और लड़कियों के अन्दर शारीरिक,मानसिक, चारित्रिक और आध्यात्कि शक्तियों अर्थात् सर्वांगीण विकास होता है। साथ ही इन शक्ति की विकास हेतु देश विदेश भ्रमण करने का मौका मिलता है। दिसंबर माह में औरंगाबाद जिला से राज्य सचिव श्रीनिवास कुमार व स्काउटर राजकुमार गुप्ता के नेतृत्व में करीब बीस स्काउट गाइड आसाम नेशनल इन्टीग्रेशन कैम्प में गये हुए थे। जहाँ देश भर से मौजूद स्काउट गाइड के बीच से दस प्रतियोगिता में चार प्रतियोगिता को औरंगाबाद बिहार के स्काउट ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त की।

मौके पर उपस्थित विद्यालय प्रधानाध्यापक भारतेंदु कुमार भूषण ने कहा कि स्काउट गाइड एक गैर सरकारी संस्था है। स्काउट शिविर के द्वारा छात्र छात्राओं को ज्ञानवर्धक टिप्स बताएं जाते हैं। स्काउट गाइड छात्र-छात्राओं के लिए बहुत ही जरूरी है, क्योंकि प्रशिक्षण की दौरान छात्र एवं छात्राओं को स्काउटर के द्वारा जो

प्रशिक्षण दिया जाता है, उससे छात्र एवं छात्रा स्काउट गाइड बनकर अपने समाज में एक सुंदर स्थान पाते हैं और वह सर्वोच्च पुरस्कार को भी प्राप्त कर लेते हैं। मौके पर शिक्षक अक्षय कुमार सिंह जयंत प्रताप सुशील कुमार पांडे रितेश कुमार, रामवरण मेहता ने भी बच्चों की कार्यों की सराहना की। शिविर में उपस्थित सुशील कुमार, रोहित कुमार, प्रीति कुमारी, काजल कुमारी, मीनाक्षी कुमारी, चंचला कुमारी, कृष कुमार, दीपक कुमान ने स्काउट प्रशिक्षण शिविर में बेहतर सेवा प्रदान की। ●

सुनील कुमार बने जदयू के प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष

● मयंक कुमार

औरंगाबाद जिला के चर्चित रहे देवा सिंह के ज्येष्ठ पुत्र बारूण प्रखंड के निवासी सुनिल कुमार ने जदयू पार्टी के प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पद को प्राप्त कर बारूण ही नहीं बल्कि औरंगाबाद जिला का गौरव बढ़ाया है। पटना के जदयू कार्यालय में जदयू प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह के द्वारा सुनिल कुमार को प्रशिक्षण प्रकोष्ठ अध्यक्ष के लिए सर्वसम्मति से मनोनित किया गया। प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश के अध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह, संगठन प्रभारी राज्य सभा सांसद रामचन्द्र प्रसाद सिंह तथा अपने पाटी के अन्य सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार प्रकट किया है। इस बड़ी जिम्मेवारी के उत्तरदायित्व को पूरा करने में इन्होंने अपने कृत संकल्पता को व्यक्त किया। बताया कि विगत 1 दिसंबर से 22 दिसम्बर तक

जदयू का दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम चला। जिसमें 23 हजार 8 सौ नेता एवं कार्यकर्त्ताओं का जो प्रशिक्षण चला उस पूरे कार्यक्रम का समन्वयक सुनिल कुमार ही रहे। जदयू के प्रशिक्षण प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बने सुनिल कुमार को पार्टी के औरंगाबाद और रोहतास जिला से कई नेताओं ने उनके घर आकर माल्यार्पण, गुलदस्ता देकर बधाईयाँ दी। जदयू सेवा दल के जिला अध्यक्ष शैलेश यादव, उपाध्यक्ष पवन पटेल, प्रखंड अध्यक्ष नवल सिंह यादव, सेवानिवृत शिक्षक बैजनाथ सिंह, विजय यादव, अलख निरंजन, सेवानिवृत दरोगा एस.एन. राय दास के साथ अन्य केई लोगों ने कहा कि हमारे जिले के नाम गौरवान्वित कर रहे सुनिल जी को तहे दिल से हार्दिक शुभकामना व बधाईयां है। इधर धमनी पंचायत के उपमुखिया प्रतिनिधि धर्मजीत यादव ने कहा कि हमारे गाँव क्षेत्र के कुशल नेता सुनिल कुमार जी आज जदयू पार्टी के उच्चतम पद को प्राप्त कर बारूण का ही नहीं बल्कि जिले का नाम रौशन किया है। बधाई देने हेतु सुनिल कुमार के आवास पर लोगों का आना-जाना दो दिनों तक लगा रहा। ●

जल संरक्षण के उपाय जरूरी : डॉ. पी.के. द्विवेदी

भोजपुर जिले के कृषि विज्ञान केन्द्र में पदस्थापित वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. पी.के. द्विवेदी ने एक साक्षात्कार में केवल सच पत्रिका प्रतिनिधि मणिभूषण तिवारी को बताये कि आने वाला समय पानी को लेकर बड़ी समस्या सामने आने वाली है। नहाना, कपड़ा धोना ले दूर की बात है, पेयजल की समस्या इतनी भयावह होगी कि अपना करोड़ों का आलीशान घर छोड़कर लोग पानी के तलाश में पलायन करेंगे। अगर समय रहते जल संरक्षण के उपाय नहीं किये गये तो। इन तमाम बातों के अलावे उन्होंने ये भी कहा कि घटते जलस्तर और प्रदूषण तथा पहाड़ों एवं वनों की संरक्षण नहीं करना मानव जीवन के लिए सबसे बड़ी समस्या है। सवाल यह नहीं कि हम कितने आधुनिक और आरामतलवी होते जा रहे हैं। सवाल यह कि हम अपनी और आने वाली पीढ़ियों के लिए कितना पानी बचा पाते हैं। सवाल ये नहीं कि वनों एवं पहाड़ो को बेच कर हम कितना पैसा कमा लेते हैं। सवाल ये है कि हम अपनी प्रकृति को कितना स्वच्छ रख पाते हैं? सवाल ये नहीं कि हम कल-कारखानों के प्रदूषण से खुद को कैसे बचाये? क्योंकि सवाल ये है कि प्रदूषण के बावजूद सूर्य की किरणें धरती पर कैसे आयेगी। इन तमाम जानकारियों से संबंधित कुछ सवालों की संक्षिप्त जानकारी के लिए पत्रिका प्रतिनिधि **मणिभूषण तिवारी** ने वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक **डॉ० पी.के. द्विवेदी** का साक्षात्कार किया, प्रस्तुत है इसके अंश :-

★ आप इस जिले में वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं, साइंस की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को क्या मैसेज देना चाहेंगे?

साइंस एक रूचिकर सबजेक्ट है और उसको अगर बहुत गंभीरता से पढ़ते हें तो उसमें आपको बहुत आनन्द आयेगा और उसमें यही ध्यान देना चाहिए कि आप जो विषय पढ़ रहे हैं, उसको थोड़ा सा परीक्षा के लेबर पर जायें तथा उसको आप इस तरह पढ़े कि उसको लेकर जीवन में आगे जाना है। विज्ञान की अनेक शाखायें हैं जैसे कि अनुसंधान के क्षेत्र में जा सकते हैं। आप कमीशन की तैयारी कर सकते हैं, आप मेडिकल में जा सकते हैं। आप इंजिनियरिंग में जा सकते है, आप फार्मा में जा सकते हैं। ये तमाम तरह की संभावनायें हैं और सारे विषय अंतराष्ट्रीय स्तर के हैं। मैं ये कहुंगा कि सिर्फ पास करने के लिए मत पढ़िये बल्कि उसको लेकर जीवन में आगे जाइये।

★ क्या आपने कभी महशुस किया है कि खेती को उद्योग का दर्जा मिलना चाहिए?

कृषि और उद्योग दोनों दो चीजें है। खेती अपने आप में उद्योग है, इसमें कहीं कोई प्रश्नवाचक चिन्ह् नहीं है, लेकिन खेती और उद्योग में इतना ही अन्तर है कि उद्योग में क्या है कि आपके पास बिल्कुल क्लीयरकट असेसमेंट है। आप मूल्यांकन कर सकते हैं कि 5 किलो कोई चीज डाला तो 4 किलो फिनीश प्रोडक्ट मिलेगा, लेकिन कृषि में क्या है कि कृषि में इंडस्ट्री के तरह से नहीं होता है, कभी सुखा कभी नमी, कभी बरसात कभी ठंढ कभी बिमारी ये तमाम तरह के फैक्टर है, जो कि कृषि को प्रभावित करते हैं। तो एकदम तरह से जो इंडस्ट्री का ग्रोथ होल है, उस तरह खेती में नहीं होता है। ये बात सही है कि इंडस्ट्री के सारे कम्पोनेन्ट हम खेती में इस्तेमाल करते है। आज जो आधुनिक खेती में मशीनों का हम इस्तेमाल करते हैं, यानि हम हर जगह इंडस्ट्री का सहयोग लेते हैं, कृषि में लेकिन पूर्णतया कृषि को हम उद्योग का दर्जा नहीं दे सकते। क्योंकि इंडस्ट्री में जो रिटर्न आता है, खेती में आ भी सकता है नहीं भी आ सकता है। कृषि का आय तिगुना भी आ सकता है और 10% पर भी आ सकता है। यानि जहाँ निश्चित नहीं हो उसे पूर्णत: उद्योग नहीं कहा जा सकता।

★ आज खेती में किसान अमीर बनने के बजाय गरीब बनते जा रहे हैं, इसका क्या कारण हो सकता है?

इसका मूल कारण है कि खेती में बदलाव की जरूरत है। आज के समय में जो बदलाव की जरूरत है, उसमें हमारे किसान भाइयों को थोड़ी झिझक हो रही है। एक उदाहरण के तौर पर हम कह सकते हैं कि 70 के दशक में उस समय 10 लिटर डीजल खरीदने के लिए 10 से 12 किलो गेहूं कि आवश्यकता थी और आज 10 लिटर डीजल खरीदने के लिए 40 से 50 किलो गेहूँ की आवश्यकता है, तो ये जो बदलाव आया है, खासकर अनाज वाली फसलों के लिए तो साफ तौर पर हम ये नहीं कह सकते कि अनाज की खेती नहीं करें, परन्तु अनाज के साथ-साथ फलों-सब्जियों, मछली पालन, पशुपालन, मधुमक्खी पालन जैसे खेती में लागत कम रिटर्न ज्यादा आता है तो उस ओर ध्यान देने की जरूरत है। ये बदलाव धीरे-धीरे आ रहा है। जैसे ही इसकी गति तेज हो जायेगी

हमारे किसान निश्चित तौर पर समृद्ध होने लग जायेंगे और मैं आपको ये बता देना चाहता हूँ कि हमारे देश में ऐसे भी किसान भाई हैं, जिनका प्रोडक्ट आज हवाई जहाज से जाता है, विदेशों में। वो भी हमारे किसान है तो हम ये नहीं कह सकते कि हमारे किसान भाई कमजोर है मगर जरूरत है तकनीकी और आधुनिक खेती की।

★ क्रॉप कटिंग को खेतों में जला देना इससे हमारे पर्यावरण तथा जनजीवन पर क्या असर पड़ सकता है?

सबसे पहला असर तो हमारे खेतों पर पड़ता है। खेतों में जो रहने वाले सुक्ष्म जीव हैं, जो कि हमारे खेतों की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में मददगार होते हैं। आग लगने से उनका समूल विनाश हो जाता है और दूसरा जो नुकसान होता है, वह है कि अगर एक एकड़ जमीन में कटी फसल को जलाते हैं तो उससे 3 किलो सल्फर डाईऑक्साईड निकलता है 11 से 14 किलो कार्बन डाईऑक्साइड निकलता है और इसी तरह से हम कह सकते हें कि हमारे खेतों में मिथेन की मात्रा बढ़ जाता है और ये तमाम चीजें हमारे वातावरण में फैल कर धुंध का रूप लेकर हमारे सूर्य की किरणों को धरती पर आने से रोकती है और वातावरण प्रदूषित भी हो रहा है। इसको निश्चित रूप से बंद हो जाना चाहिए।

★ ऐसा क्या करना चाहिए किसान को कि उन्हें नौकरी के लिए बाहर न जाना पड़े?

ऐसा नहीं है कि हमारे किसान को नौकरी करने की जरूरत है, लेकिन ये भी सच है कि किसानों के औसत जोत जो है वह बहुत छोटी हो गई है, ऐसे में पारंपरिक खेती के अलावे इन्द्रधनुषी खेती जैसा कि मैने पहले भी कहा था मुर्गी पालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन, मतस्य पालन, दलहन की खेती, मशरूम की खेती, को अगर अपनाते हैं तो नौकरी के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

★ बार-बार होने वाली प्राकृतिक आपदायें जैसे कि बाढ़, सुखाड़ एवं भुकम्प के लिए हम आमजन कितने जिम्मेदार हैं?

प्राकृतिक आपदायें जो है, प्राकृतिक जनित होते हैं और ये पूरे विश्व के पर्यावरण से प्रभावित होते हैं और हम कह सकते हैं कि पृथ्वी की जो घुर्णन गति है, पहले कि तुलना में कम हुई है। इसके चलते जलवायु में परिवर्तन हुआ है, लेकिन जलवायु में परिवर्तन एक सतत् प्रक्रिया है, इसको हम रोक नहीं सकते हैं। ये लाखों, करोड़ों वर्षो से परिवर्तन होते आया है। अलग-अलग जलवायु अलग-अलग पेड़-पौधे हैं। अलग-अलग नदियाँ है।अब बात ये है कि हमें उनके साथ तालमेल कैसे करना है। हमें उनके साथ सामांजस्य बना कर रखना मगर हमने कहीं ना कहीं उनके साथ सामंजस बनाना बंद कर दिया है, जिसके चलते ये परेशानियां बढ़ रही है। जो नदियाँ है, नदियों में गाद भरा हुआ है, उसके सफाई पर हम ध्यान नहीं दे रहे हैं। हमारे जो पहाड़ है, पहाड़ों पर हमने अंधाधुंध पेड़ों की कटाई की इससे हमें कह सकते हें कि इसके कारण पहाड़ों की मिट्टियां जो है कट करके बाहर के हमारे नदियों के पेट में चली आई। और धरती पर भी जहाँ फलों के पेड़ थे कट गये जिस कारण भूक्षरण होने लगा तो ये जो कारण है। हमने अपने स्वार्थ के लिए बड़े-बड़े पहाड़ों को तोड़ा ये पहाड़ जो ये पृथ्वी के संतुलन के लिए थे, परन्तु हमने उनको भी नहीं छोड़ा। और पेड़ों के अधिक कटाई के कारण समुद्र का जलस्तर भी बढ़ रहा है। और इसी कारण 30से 40% कम वर्षा हो रही है। और आपको बता दूँ कि यही कारण है कि कहीं-कहीं बादल जो फटता है वह भी इसी कारण से तो बादल फटने पर जो एक महीने में पानी मिलना चाहिए वो एक या दो दिन में ही मिल जाता है और प्रलय की स्थिति पैदा हो जाती है। और इसका जिम्मेवार सिर्फ भारत हीं नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण विश्व है।

★ सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषि योजनायें क्या इससे वो किसान लाभान्वित हो पा रहे हैं, जिनका वे वाजिब हकदार है और नहीं तो क्यों?

आजादी के बाद जो कृषि प्रणाली में बदलाव आया था, उसमें किसानों को सीधे लाभ पहुँचाया जाता था और उसमें किसानों को कुछ भी नहीं देना पड़ता था और आज के डेट में 2 तरह की योजनायें चल रही है एक उसमें किसानों को 20 से 30% तक राशि लगाना होता है तथा 60 से 70% तक अनुदान और दूसरा कि 100% लगा कर पुनः 100% वापसी। अब कुछ किसान भाई आर्थिक परेशानी के कारण इन योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं।

★ क्या आने वाले 10 या 20 सालों में भारत को पानी की समस्या झेलना पड़ सकता है? क्या आप भी ऐसा मानते हैं?

बिल्कुल मान रहे हैं। भारत सरकार का एक कार्यक्रम है। अलग-अलग कुल बनाया गया है और उसका अध्ययन किया जा रहा है। और पूरे देश भर में पानी की जल स्तर का मूल्यांकन किया जा रहा है और उन कुपों का जलस्तर का जो कई वर्षो के अध्ययन का मिलाप किया गया है, उससे हर वर्ष 15 सेमी. से 50 सेमी. तक जलस्तर में कमी आ रही है और 93 से 95% कुपों का जलस्तर नीचे जा रहा है। जमीन का जलशोषण क्षमता बहुत कारणों से कम हो रही है। जंगलों की कटाई जिससे कि पानी रिसता था वगैरह कारण है और मिट्टी की भूजलधारण क्षमता भी घट रही है। इसका एक कारण बढ़ती आबादी भी है। हमारे देश की आजादी के बाद 5700 किलो लीटर पानी प्रति व्यक्ति उपलब्ध था। आज के समय में 16 से 1700 किलो लीटर पानी ही प्रति व्यक्ति उपलब्ध है। अगर हम अभी से जल संरक्षण की तकनीकों पर ध्यान नहीं देंगे तो आने वाले समय में पानी की कमी गंभीर समस्या होगी। और लोग पलायन करने लगेंगे। इसका उदाहरण है बिहार का गया। गया में पानी टैंकर से आता है और यही हाल कई जगहों का होगा और लोगों के पास मकान को छोड़ जाने के अलावे कोई विकल्प नहीं होगा।

★ आज के परिवेश में करैला और मिर्च में भी कीड़े लग रहे है क्यों?

यह प्रकृति जन्य है और प्रकृति ने ऐसे-ऐसे जीवों का निर्माण किया है जो 0% सेल्शिस तथा 50% गर्मी में भी कीड़े सरभईव करते हैं तो हम ये नहीं कह सकते कि करैले और मिर्च में कीड़े नहीं लगेंगे। हमें जरूरत है उसके प्रबन्धन एवं उसके साथ तालमेल बनाने की। कि कम से कम कीटों का प्रकोप हो।

★ मीडिया के क्रिया-कलापों के बारे में आप क्या कहेंगे?

मीडिया समाज की जरूरत है और आईना भी अगर 2-4 दिन मीडिया काम करना बंद कर दे तो मैं समझता हूँ एक घुटन एवं बेचैनी सा महशुस होगा लोगों को।

महाराजा सर राधा प्रसाद सिंह

● बिन्ध्याचल सिंह

महाराजा सर राधा प्रसाद सिंह का जन्म 14 अगस्त 1841 को हुआ था। उस समय राजगद्दी पर महाराजा जानकी प्रसाद सिंह थे। सर राधा प्रसाद सिंह का पालन पोषण दस वर्ष की आयु से जानकी प्रसाद सिंह की माता ने किया। चाचा लाल परमेश्वर बख्श सिह ने निशानेबाजी तलवारबाजी चॉदमारी और बन्दूक चलाने की शिक्षा दी। फारसी की शिक्षा मौलवी दोस्त मुहम्मद ने दी। घुड़सवारी बहादुर शाह खॉ ने सिखाई। उन्हें अंग्रेजी की शिक्षा पंडित द्वारिका नाथ कश्मीरी; कालीकान्त भटाचार्य एवं मास्टर जय प्रकाश लाल ने दी। संगीत एवं कलाओं तथा धार्मिक शिक्षा के लिए अन्य विशेषज्ञ नियुक्त किये गये थे। सर राधा प्रसाद सिंह का विवाह 15 वर्ष की आयु में सन् 1856 ई0 में राजपुर बडहर; जिला मिर्जापुर में राजा रघुनाथ सिंह की पुत्री के साथ हुआ। पन्द्रह वर्ष की उम्र से ही राज्यकार्य–प्रणाली से परिचित होने लगे। 1857 के विद्रोह के समय उन्होंने सक्रिय होकर कम्पनी सरकार की मदद कीं। सर राधा प्रसाद सिंह द्वारा सन् 1871 में डुमरॉव में एक अस्पताल स्थापित किया गया। इसका उद्घाटन शाहाबाद के मजिस्ट्रेट मि0 डेविड ने किया। सन् 1873–74 में बिहार में भयंकर अकाल पडा। राजा ने अपने राज्य में उचित व्यवस्था की। कई स्थानों पर लंगरखाना खोला गया। प्राणपुर की खेती वाली जमीन जो करीब 2000 बीघा थी; उसकी समस्त पैदावार अकालग्रस्त लोगो में बॉटी गई। उस समय जो 300000 रूपया था; माफ कर दिया गया इसके अतिरिक्त लगान वसूल में भी ढ़ील दी गई। राज्यकोष से भी भारी रकम जनता में बांटी गईं। मजदुरी को गल्ला और रूपया के रूप चुकाया गया। अग्रेजी शासकों से प्रशंसा प्राप्त हुई। वायसराय लार्ड नार्थ बुक ने इन्हें राजा की उपाधि प्रदान कीं। राजा की उपाधि मार्च 1875 ई0 में बंगाल के गवर्नर सर रिचार्ड टेम्पल द्वारा आरा में शाही दरबार में कुँवर राधा प्रसाद सिंह को विधिवत् प्रदान की गई। उन्हें एक अत्यन्त बहुमूल्य मोतियों की माला पहनाई गई। राजगी की उपाधि की प्राप्ति की खुशी में जय प्रकाश

युवराज चन्द्रविजय सिंह

लाल निवासी अपहर जिला सारण; मुंशी मथुरा प्रसाद/राज्य के मीर मुंशी दीवान रणधीर प्रसाद और शला राम लगन लाल/प्रबंधक बडी कोठी को जमीनें प्रदान की गई। सन् 1879 में सोन नहर निकाली गई। इसके लिए राज्य ने चार लाख रूपये की कीमत की जमीन को कृषि उन्नति को ध्यान में रखते हुए मात्र एक लाख रूपये में सरकार को उलब्ध कराया। कलकता के प्रसिद्ध चिडिया घर के लिए राजा साहब ने अपने राज्य के बहुत से पशु–पक्षियो को प्रदान किये ओर उस बाग के लिए नकद 10000 रूपये का चन्दा दिये। राज्य के अधिकतर हिस्सों में डाकखाना थाना और चौकी स्थापित करने के लिए सरकार को मुफत में जमीन दी गई। नदी पर बॉध बनाने के लिये एक बडी जमीन 1881 ई0 में उन्होंने सरकार को दिया। 08 फरवरी 1882 ई0 को बंगाल के गवर्नर सर एशले इडेनने डुमरॉव आकर राजा राधा प्रसाद सिंह को खिल्लत और उपाधि प्रदान किया। गवर्नर को गार्ड ऑफ आनर के साथ 21 तोपो की सलामी दी गई। बाबू प्रयाग सिंह बी0 ए0; हेडमास्टर डुमरॉव राज हाई स्कूल ने एक अभिनन्दन पत्र भेंट किया।

राजा राधा सिंह के शासन काल में मशीन द्वारा चीनी बनाने की कला लोगों को सिखाई गई। 31 मई 1884 ई0 को शाहाबाद के कलक्टर मि0 पावर ने अपनी वार्षिक रिपोट में लिखा कि महाराजा डुमरॉव का प्रबंध इतना उतम है कि अन्य राज्यों के नमूना है। 1855 ई0 में जब बिहार और बंगाल क समस्त राजे–महाराजे कलकता में एकत्र हुए थे तब गर्वनर लार्ड डफरिन ने महाराजा को संबोधित करते हुए इनके कार्य की प्रशंसा की थी। 1884 ई0 में कलकता में हुई प्रदर्शनी में डुमरॉव राज से भी अनेक बहुमूल्य और अदभ्त चीजो को भेजा गया था। 1885 ई0 में एक कृषि प्रर्दशनी का आयोजन किया गया था। इस प्रर्दशनी का मुख्य उदेश्य किसानो को कृषि के उन्नत साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। सन् 1887 ई0 में डुमरॉव तीसरी बार प्रदर्शनी का आयोजन हुआ जिसमें बंगाल के गवर्नर सर आर0 टामसन भी सम्मिलित हुए। 1888 ई0 से प्रदर्शनी हर वर्ष शिवरात्रि के समय ब्रम्मपुर में लगायी जाने लगी। फरवरी 1887 ई0 में महारानी विक्टोरिया के शासन के 50 वर्ष पुरे होने के उपरान्त में एक भव्य समारोह डुमरॉव में आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक धर्मशाला का निमार्ण और बलिया में एक अस्पताल का निर्माण कराया गया जिसमें महाराजा ने 10000 रूप्या चन्दा में दिये। सन् 1887 में बंगाल के लेफिटनेंट गवर्नर सर स्टुअर्ट बेली साहब के बिहार यात्रा पर आये। महाराजा के अनुरोध पर डुमरॉव पधारे। इसी अवसर पर लेडी बेली ने बालिका बिद्यालय भवन की आधारशिला रखी। वैसे बालिका विद्यालय की भवन की स्थापना 1882 ई0 में ही महाराजा द्वारा किया गया था। डुमरॉव में एक आर्थिक संग्राहालय की स्थापना की गई थी। भारत सरकार ने महाराजा को के0 सी0 आई0 ई0 अर्थात नाईट कमाण्डर ऑफ दी इंडियन इम्पायर का तगमा प्रदान किया। उसे वायसराय लैंसडाउन ने कलकता में अपने हाथो से महाराजा को सौंपा। उस जमाने में अंग्रेजी सरकार ने वर्मा में 15000 एकड जमीन डुमरॉव राज को बन्दोबस्त की। इस पर राज का 25000/रूपया खर्च हुआ था। 1890 ई0 में यूवराज अलर्बट विक्टर भारत भ्रमण पर आये। 21 अगस्त 1890 ई0 को बंगाल के लेफिटनेंट गवर्नर ने यह विचार प्रकट किया कि प्रांत के सभी जमींदारो में महाराजा डुमरॉव सबसे बडे और अकलमंद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महाराजा को कृषि की उन्नति का बहुत बडा शौक है।●

नये साल में पुराना व्यवहार

● बिन्ध्याचल सिंह

नव वर्ष की शुभ–कामनाओं के साथ केवल सच हिन्दी मासिक पत्रिका ''बक्सर'' अक्टुबर–2016 से रामको की यथास्थिति की खबरे लगातार प्रकाशित करती आ रही है जैसा की प्रमाण मिलता है और आगे भी खबरे प्रकाशित करती रहेगी। प्रिय पाठकगण आपलोगों को याद दिलाना चाहता हुँ कि विगत वर्ष में ''नया साल–नया व्यवहार'' से रामको के पदाधिकारीयो की खबरे प्रकाशित की गई थी जिसमें आपलोगों को अवगत करा चुके है कि दिसम्बर–2016 की खबर की जानकारी होते ही रामको कम्पनी के एच0 आर0 श्री चन्द्रशेखर सिंह कैन्टिन में ''समुद्र की लहर'' की भांति बोले थे कि आज के बाद कोई भी पदाधिकारी किसी भी श्रमिक को हल्का शब्द या गाली दिया तो...। जिसका असर जनवरी–2017 से देखने को मिल रहा है। दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में केवल सच प्रतिनिधी को बियाडा क्षेत्र में कुछ श्रमिको ने इस बात की जानकारी दी। श्री सिंह की पहल से जनवरी–2017 से आज तक कोई भी पदाधिकारी; सुपरवाईजर किसी भी श्रमिक से हल्का शब्द या गाली का प्रयोग न कर बल्कि सदा आदर्श सूचक शब्द का प्रयोग करते आ रहे हैं। जिससे हम सभी श्रमिक श्री सिंह साहब सहित केवल सच बक्सर के आभारी हैं। दिसम्बर के तृतीय सप्ताह में श्रमिको ने जानकारी उपलब्ध कराई कि कम्पनी के एच0 आर0 श्री चन्दशेखर सिंह बढती ठंडी के कारण रात के करीब ग्याहर बजे कम्पनी में पहुँचकर श्रमिकों का हाल चाल पुछा करते हैं और कहते हैं कि सुरक्षित रहो और सर्तकता से कार्य में लगे रहों। श्री एच0 आर0 के शब्द में:–''जान है तो जहान है ऑख है तो संसार है।'' जैसा की श्रमिक बताते हैं। लाखों लोगों की रोटी की व्यवस्था करने वाली कम्पनी के एच0 आर0 श्रमिक को अधिक से अधिक कैसे सुरक्षित और व्यवस्थित रखा जाये कि चिन्तन करते रहते हैं। जबकि वही कम्पनी के सहायक प्रबंधक के रूप में कार्यरत श्री अमरेन्द्र कुमार बख्शी श्रमिक को ससमय सेवा शुल्क उपलब्ध कराने में व्यस्त रहते हैं अर्थात श्रमिकों के सेवा शुल्क का भुगतान समय पर हो; की चिन्तन करते रहते हैं। कम्पनी के उच्च पदाधिकारी श्री पंकज कुमार प्रत्येक कार्य दिवस में श्रमिक का समाचार लेना नही भूलते है। रामको ''बिहिया'' के इतिहास में पहले उच्च पदाधिकारी हैं जिनसे कम्पनी में कार्यरत सभी श्रमिक जंरूरत पडने पर बाते करते हैं। बढ़ती ठंडी के कारण श्रमिकों के शुभ–चिन्तक रामको के पदाधिकारीगण बिहिया के गरीब; बुर्जुगों और असहायो को ठंडी से बचने के लिये कम्बल का वितरण कर चुके हैं। जिससे बिहिया नगरवासियो में खुशी की लहर है। डब्लु0 एम0 श्री पंकज कुमार और एच0 आर0 श्री चन्द्रशेखर सिंह के नेतृत्व में श्री अमरेन्द्र कुमार बख्शी के हाथो कम्बल की वितरण की गई जिसमें ठेकेदार के सुपरवाईजरो ने सराहनीय सहयोग किया। आपको बताते चलें कि जनवरी माह में रामको के पदाधिकारीगण दर्जनो वृक्षारोपण के साथ सैकड़ो कम्बल वितरण किये हैं। इतना ही नही भारत स्वच्छता मिशन के तहत दर्जनो कुड़ेदान प्रखण्डवासियों की सेवा में समर्पित कर चुके हैं। जिससे कुडा को कुड़ेदान में रखा जाये जिससे गंदगी के साथ अनेक बिमारियॉ इंसान से कोसो दूर रह सके। जनवरी के तृतीय सप्ताह से रामको के द्वारा चेन्नई से ऑख का चिकित्सक बुलाकर मुफ्त में ऑख जॉच करवा रहे हैं। जिससे क्षेत्र की जनता में खुशी छाई हुई है। रामको कम्पनी में कार्यरत ठेकेदार के सुपरवाइजर मुफ्त ऑख जॉच का प्रचार–प्रसार एडी चोटी लगाकर कर रहे है। इस प्रकार के सराहनीय कार्य करने की वजह से इस संगठन के प्रति विश्वास बढ़ा है।●

कम उम्र में बच्चेदानी निकलवाने से होती है कई बिमारियां

● बिन्ध्याचल सिंह

लक्ष्मी स्वेच्छा से आये अथवा चली जाये'' सिद्धांतवादी व्यक्ति अपने पथ से विचलित नही होते हैं। उपरोक्त बात कि जानकारी राष्ट्रीय सहारा के वरिष्ठ अभिकर्ता श्री बिनोद कुमार सिहं ने केवल सच प्रतिनिधी को डाक बंगला चौराहा पर उस समय दी जब अपने बच्चे की स्वास्थ्य जॉच दीपक पॉली क्लिनिक से करा कर लौट रहे थें। सितम्बर के अंक में छपा ''गरीबों का क्लिनिक'' दीपक पॉली क्लिनिक के शीर्षक पर ध्यान दिलाते हुये श्री कुमार प्रतिनिधी को विशेष जानकारी दी की 07/11/2017 को ईलाज कराने के लिये पति–पत्नी एक साथ डॉक्टर साहब से मिले। ईलाज पत्नी को करानी थी। डॉक्टर साहब ने ईलाज के दौरान दवाई लिखना प्रारम्भ किये कि पति ने बार–बार डॉक्टर साहब से ऑपरेशन की बात कह रहे थे क्योकि महिला को उनकी बच्चेदानी की समस्या के साथ मासिक धर्म की दोष थी। पति की बातो को गंम्भीरता से लेते हुये–डॉक्टर साहब ने गम्भीर व उदारवादी शब्द में बोले की–आपकी पत्नी की उम्र लगभग–30 वर्ष है। अतः कम उम्र में बच्चेदानी निकालने पर कई बिमारीयॉ होने लगती है। मुझे क्या करना है। आप कहे तो ऑपरेशन कर देता हुँ परन्तु बाद में। डॉक्टर साहब की बातों पर विश्वास करते हुए पति ने ऑपरेशन शब्द भूलकर दवाई ली और आज उनकी पत्नी स्वस्थ हैं। बिहार सहित बिहिया की दवा और डॉक्टरो की सर्वे किया जाये तो आप पायेंगे कि चिकित्सा के क्षेत्र में लूट मची हुई है परन्तु बिहिया प्रखण्ड के बिहिया में बाजार में सेवारत प्रियंका मेडिकल हॉल और दीपक पॉली क्लिनिक एक अपवाद है जो ''लूट की दुनिया'' से सैकडो कदम पीछे है। ●

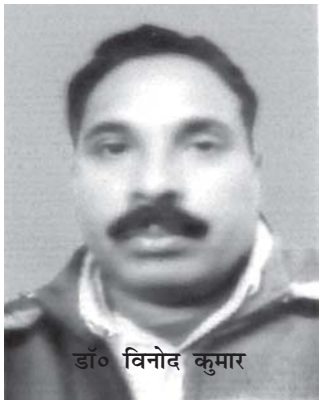
डॉ० विनोद कुमार

जिलाधिकारी ने अव्वल प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

● अमित कु० सिंह/मिथिलेश कुमार/मनीष कमलीया/अनीता सिंह

जिलाधिकारी कौशल कुमार द्वारा दीप प्रज्जवलित कर विधिवत उदघाटन किया गया। साथ ही स्व. डॉ. वीपी भगत के चित्र पर पुष्पाजंली अर्पित की गई। जिसमें जिलाधिकारी महोदय, मुख्य अतिथिगण तथा अभिभावक गणों के स्वागत हेतु विद्यालय के पंचम, सष्ट्म और नवम् वर्ग के छात्र परिवार, मानसी, सौम्या, आदिल, आयेशा तथा प्रिंस प्रभात द्वारा स्वागत गीत गाकर अतिथियों का अभिवादन किया गया। इसके उपरांत माता–पिता द्वारा अपने बच्चों के शिक्षा–दिक्षा के लिए किए जा रहे त्याग को केंद्र में रखकर विद्यालय के एलकेजी और युकेजी के छात्र अमृत, अर्पिता, जैद, अवनित और राधिका इत्यादि छात्रों द्वारा ''मेरे पापा, मेरे पापा'' गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर अपने अभिभावकों के त्याग और प्रयास को सराहा गया। इसके उपरांत भारतीय सिने जगत के मिल के पत्थर, सहस्राब्दी के सर्वश्रेष्ठ कलाकार अमिताभ बच्चन के फिल्मी कैरियर के प्लेटिनम जुबली के अवसर पर विद्यालय के विभिन्न वर्ग के छात्रों द्वारा आदित्या, श्रेयश, अलका, कृति इत्यादि छात्रों द्वारा ''डांट वैरी वी हैप्पी'' गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तूत किया गया। और सभी अतिथि तथा अभिभावकों का मन मोह लिया। इसके उपरांत विद्यालय के तृतिया वर्ग का तवरेज, आर्यन तथा चतुर्थ वर्ग के आदित्या, आशुतोष, देवराज द्वारा अमिताभ बच्चन के सुपसिद्ध गीत ''माइ नेम इज एंथोनी'' पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिसका अभिभावकों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इसके उपरांत विद्यालय के पंचम एंव षष्ट्म वर्ग के छात्र मंतशा, द्रक्शा, स्नेहा, हनी, शबा, अनुष्का, राहुल, हरि भगत, ओम भगत तथा माजाहिद द्वारा सुप्रसिद्ध गीत देखा न हाय रे, सोचा न हाय रे पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत विद्यालय के नवम् वर्ग के द्वारा शिवम् भगत, अभिषेक कुमार–1, अभिषेक कुमार–2, अमन प्ररवेज, जुंद खान द्वारा बिहार की संस्कृति पर आधारित सुप्रसिद्ध गीत गाकर झूम बराबर झूम पर मदक अदाओं से भरी हुई मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिसका दर्शक वर्ग ने खूब सराहना की। तत्पश्चात् विद्यालय के दशम् वर्ग के छात्र नीयाज, एजाज, हनित आर्य, हमजा फासिस

तथा जैद अकरम द्वारा बच्चन साहब की हालिया प्रदर्शित फिल्म पार्टी विद भूतनाथ पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर अभिभावकों का मन मोह लिया। इसके उपरांत विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र जो क्रीड़ा और शिक्षा तथा विज्ञान के क्षेत्र में हैरत अंग्रेज प्रदर्शन किए है। जिसमें राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र उत्कर्ष राज, श्रेया वर्णवाल, लालबहादुर मौसम, हर्ष प्रभाकर और जैनब, इनके प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चुना लिया गया है। तथा क्रीड़ा के क्षेत्र में हैरतअंगेज प्ररणोवाली छात्रा सुरभी कुमार, हनी कश्यप, को जिलाधिकारी महोदय कौशल कुमार द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। तथा अन्य छात्रों को विद्यालय के निर्देशक डॉ. उर्मिला भगत द्वारा पुरस्कार प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इसके उपरांत विद्यालय के अष्ट्म वर्ग की छात्रा आरूषि कश्यप, जैनब, मौसम यादव, षष्टम वर्ग की छात्रा सृष्टि राज, तथा नवम् वर्ग की छात्रा रूपाली राजहंस द्वारा घुंघटें में चंदा गीत पर कलात्मक नृत्य प्रस्तुत कर अभिभावकों का मन मोह लिया गया। इसके उपरांत विद्यालय के छात्र अंकित कुमार, दीपक कुमार, कामिल अंसारी, शिवांग राज, आयुष कुमार, आयुष राज, मुमताज खान, हंस राज, ऐश्वर्य रौशन तथा रीतिका आर्यन द्वारा 'धर्मराज की सभा' नाटक पर आकर्षक अभिनय प्रस्तुत किया गया। जिसमें समाज के विभिन्न मुद्दों को उठाया गया। कर्मपाल के आधार पर स्वर्ग–नर्क की सजा सुनाई गई। इसके उपरांत विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किया गया। जिसका सभी अतिथिगणों एवं अभिभावकगणों द्वारा उठकर सम्मान किया गया। तथा सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। ●

खेल महोत्सव से बच्चों में प्रतिभा निखार का अवसर

● अमित कु० सिंह/मिथिलेश कुमार/मनीष कमलीया/अनीता सिंह

मगध की धरती पर फ्रन्टलाईन पब्लिक स्कूल ने 7 दिवसीय खेल का महोत्सव कर बच्चों में खेल के प्रति चेतना जगना लक्ष्य है। इससे बच्चों को खेल भावना से खेलना चाहिए। फ्रन्टलाईन पब्लिक स्कूल आनन्द नगर चातर नवादा का खेला सप्ताह के अन्तिम दिन कबड्डी का मैच टीम किंग्स और टीम लिजैण्ड के लड़कियों के बीच हुआ। जिसमें टीम किंग्स की लड़कियां बाजी मार ली। दूसरा मैच क्रिकेट का फाइनल टीम यंग स्टार और टीम किंग्स के बीच हुआ जिसमें टीम यंग स्टार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और निर्धारित 10 ओवरों में 94 रन बनाया जिसमें टीम किंग्स ने सात विकेट खोकर 8वें ओवर में ही लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच प्रिन्स कुमार को चुना गया। समापन समारोह बड़ा ही भव्य तरीके से मनाया गया। समापन समारोह का उदघाटन स्कूल के चेयरमैन प्रो. विजय कुमार के पिता सुरेश प्रसाद सिन्हा ने किया। उन्होनें कहा कि बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए खेल जरूरी है। खेलना बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है। स्कूल में खेलने की व्यवस्था को और मजबूत किया जायेगा। उदघाटन मैच से स्कूल का चेयरमैन प्रो. विजय कुमार ने कहा कि बच्चे पढ़ाई के साथ–साथ खेल भी जरूर खेले, खेलने की सारी जरूरत पूरी की जायेगी। हर प्रकार के खेल से यहॉ के बच्चे अवगत रहेगें। अपनी पसन्द का खेल खेलें। खेलने से बच्चों का मानसिक विकास और सुन्दर होता है। यहॉ हर तरह के खेल की व्यवस्था है। अलग से खेल शिक्षक उपलब्ध है। बच्चों का सतत विकास होता रहे इसका प्रयास जारी है। विद्यालय के प्राचार्य ने बच्चों के खेल कूद महोत्सव को सफल बताया। इस पूरे खेल प्रकार में कोमेन्ट्री राजीव रंजन एवं जय कुमार ने किया। खेल प्रभारी इशान्त राय ने सबको धन्यवाद दिया। इसमें सभी शिक्षकों का योगदान भरपूर रहा। सभी बच्चों को ट्रॉफी एवं मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया।

फ्रन्टलाईन पब्लिक स्कूल में आयोजित सात दिवसीय खेल महोत्सव

के तीसरे दिन मंगलवार को हुए हार्डल रेस में बालिका वर्ग में पहला स्थान श्रुति कुमारी दूसरा स्थान शिवानी कुमारी एवं तीसरा स्थान ज्योति कुमारी को मिला। बालक वर्ग में गोल्ड पर विनीत वैभव, सिल्वर पर गुलशन आनन्द और ब्रांज हिमांशु राज ने सफलता पायी। डीस्क थ्रो में प्रथम अमर कुमार, द्वितीय पवन कुमार और तृतीय ऋषिदेव कुमार रहे। 200 मीटर रेस में बालिका वर्ग में पहला स्थान शिवानी कुमारी दूसरा स्थाना नव्या नवेली और तीसरा स्थान सोनम कुमारी को मिला। बालक वर्ग ग्रुप ए में सन्नी, अरूण व रोहित ने पहला दूसरा और तीसरा स्थान पाया। ग्रुप बी में राज कुमार को प्रथम, नीतीश कुमार को दूसरा एवं शिवम कुमार को तीसरा स्थान आया। कबड्डी के मैच में यंग स्टार ने मैच जीता। लिजैण्ड टीम के 22 अंक के मुकाबले में यंग स्टार ने 49 अंक प्राप्त किये। मैन ऑफ द मैच के रूप में सौरभ को चुना गया। दूसरी ओर टीम किंग और टीम वॉरियर के बीच हुए क्रिकेट मुकाबले में निर्धारित 10 ओवर में टीम किंग ने 97 रनों का स्कारे बनाया। जवाब में उतरी टीम वॉरियर निर्धारित ओवर में 71 रन ही बना सकी। वॉरियर की ओर से 5 विकेट लेनेवाले आयुष कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

फ्रन्टलाईन पब्लिक स्कूल की चातर शाखा में चल रहे सात दिवसीय खेलकूद महोत्सव का शनिवार को समापन हो गया। विद्यालय निदेशक प्रो. विजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समापन समारोह का उद्घाटन सुरेश प्रसाद सिन्हा ने किया। उन्होनें कहा कि बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए खेल जरूरी है। निदेशक ने कहा कि बच्चे पढ़ाई के साथ खेलकूद की पूरी व्यवस्था है। खेल शिक्षक भी उपलब्ध है। बच्चों को हर प्रकार के खेलों की जानकारी दी जाएगी ताकि बच्चे अपनी पसन्द का खेल खेलें। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय निदेशक ने सभी सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। महोत्सव के अन्तिम दिन कबड्डी एवं क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया गया। कबड्डी मैच छात्राओं के बीच आयोजित हुआ जिसमें टीम किंग्स ने टीम लीजैण्ड को पराजित किया। वही क्रिकेट मैच में टीम स्टार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 94 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम किंग्स ने 8वें आवेर में ही मैच जीत लिया। प्रिन्स कुमार को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। कमेन्ट्री राजीव रंजन एवं जयकुमार ने किया। खेल प्रभारी इशान्त राय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।●

ठाकुरगंज नगर के विकास में भी अछूता रहा

● सुमित राज यादव

नगर पंचायत ठाकुरगंज में पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से नगर की शान आज भी खतरे में है और नगर वासी इस समस्या से आज भी परेशानी झेलने को विवश है। 12 वार्डो के कुल लगभग 12 हजार मतदाता वावले नगर पंचायत में करीब 20 हजार की घनी आबादी है। शहर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के सौंदर्य स्थल डी.डी.सी. मार्किट को पार्किंग स्थल बनने को विवश है। शहर के मुख्य स्थलों में पेट्रोल पंप, मस्तान चौक, हॉस्पिटल चौक, बस स्टैंड चौक, हटिया, गुदरी, भिमाबालिश चौक, निबंधन कार्यालय, जलेबिया मोर, ब्लॉक कार्यालय के समीप, नगर पंचायत कार्यालय आदि मुख्य स्थलों पर घनी आबादी होने के बावजूद भी नगर पंचायत ठाकुरगंज में पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है। नगर पंचातय के 15 वर्ष बीतने के बाद भी नगर में पार्किंग न होना नगर के लिए काफी दु:खद बात है। जबकि वाहनों की संख्या में दिनों दिन बढ़ोतरी ही होती चली आई है। नगर की शान में पार्किंग एक अलग महत्व रखता है, जो कि तत्काल ऐसी कोई योजना नहीं दिखी है। अगर आने वाले नगर की सरकार इस ओर ध्यान देती है, तो निश्चित तौर पर नगर की सूरत बदलेगी। 15 वर्षों के बाद नगर में जनता का एकतरफा परिवर्तन की लहर में निश्चित तौर पर पार्किंग की व्यवस्था न होना भी एक मुख्य मुद्दा रहा होगा।

☞ **विकास से आज भी अछूता रहा नगर पंचायत :-** ठाकुरगंज नगर पंचायत के 15 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी नगर पंचायत को एक पार्क नहीं मिल पाया। नगर की जनता रोजाना वर्षों से ठाकुरगंज रेलवे प्लेटफॉर्म पर पार्क के रूप में सुबह-शाम टहलने को विवश है। जबकि, रोगियों और मरीजों की संख्या में दिनों दिन बढ़ोतरी ही होते जा रही है। भातढाला में पोखर के सौन्दर्यीकरण और पार्क को लेकर वर्षों से कार्य चल रहा है। लेकिन, इसका कोई वास्तविक प्रतिफल निकलकर नगर की जनता के सामने नहीं आया। इससे नगर के लोगों में आज भी एक सौतेले व्यवहार के रूप में ले रही है। अगर नगर में आज पार्क होता तो उससे रोजाना राजस्व की वसूली भी नगर पंचायत को होती और नगर की जनता के लिए बेहतर विकल्प टहलने के लिए होता। साथ ही नगर की शान में चार चाँद लगता। लेकिन, स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक उदासीनता का शिकार हुई नगर पंचायत और भातढाला पोखर, सागढलाला पोखर सहित भीमतकिया जो महाभारतकालीन युग से मानी जाती रही है। उसका भी अस्तित्व अब दाव पर

नगर में परिवर्तन की सरकार आने के बाद हर उस पहलू पर बारीकी से काम करने को नगर प्रशासन प्रतिबद्ध है। बोर्ड की बैठक में प्रस्तावित बिंदुओं के माध्यम से नगर को कई अहम सौगात मिलेंगी। शहरों में साफ-सफाई रखना और नगर की सम्पत्ति का ख्याल रखना भी नगरवासियों की जिम्मेदारी है। नगर के लोगों सहयोग और साथ दोनों महत्वपूर्ण है।

देवकी अग्रवाल
मुख्य पार्षद, नगर पंचायत

शहर में पार्किंग की हो व्यवस्था

लग चुका है। नगर में 15 वर्षों के सत्ता परिवर्तन के बाद अगर इस ओर ध्यान आकृष्ट किया तो निश्चित तौर पर नगर को एक अलग पहचान मिलेगी।

☞ **पंचायत की नाक कहलाने वाली हाट अधेड़ में :-** नगर की गुदरी हाट पर ठाकुरगंज में सैंकड़ों वर्ष पुरानी नगर की नाक हाट का आज भी आदिम युग की पहचान करा रहा है। नगर की हाट गुदरी बाजार को आज भी अस्तित्व नहीं मिल पाया है। जबकि, 15 वर्ष पूर्व ही नगर पंचायत की घोषणा के बाद नगर पंचायत की शान के रूप में नगर के बीचोंबीच हटिया के रूप में हाट लगता रहा, स्थान बदलता रहा। लेकिन, अबतक इसके पुर्नस्थापन एवम् सुव्यवस्थित ढंग से बसाने का सपना सा बनकर रह गया। दुर्गा मंदिर बाजार से शिवमंदिर तक फैली हाट में मात्र 2 दिवस सोमवार और शुक्रवार को हाट लगता हैं बाकी दिवस खाली रहता है। और बस स्टैंड में गुदरी बाजार लगने लगा। फिर, बस स्टैंड में गुदरी बाजार चलने लगा। बस स्टैंड के सौन्दर्यीकरण को लेकर वहाँ से स्थान खाली कराकर स्टेशन रोड में बसाया गया। जो आज भी अस्थायी रूप से बसी हुई है। नगर के बीचोबीच हाट को लेकर प्रखंड के दूर-दराज इलाके से ग्रामीणों का बाजार आगमन और व्यापार जुड़ा है। अब, 1.5 वर्षों के बाद भी अगर नगर में गुदरी और हाट की पुनर्स्थापना पर ध्यान नहीं दिया गया तो नगर की नाक कही जाने वाली हाट अतिक्रमण का रूप ले लेगी, जो नगर की प्रमुख समस्याओं में से एक होगी। ●

आप भी बनें पत्रकार

भ्रष्टाचार एवं भ्रष्टों के खिलाफ बेझिझक कलम उठाईये और लिखिये समाचार ताकि इनपर नकेल कसा जा सके। सरकार एवं विभाग को बदनाम करने वाले लालची लोगों को सलाखों के पीछे पहुंचाने में हमारी मुहिम को शक्ति दें।

सम्पर्क करें:-

9431073769/9955077308/9308727077

महानंदा पुल की जर्जरता से बढ़ सकती है मुश्किलें

● सुमित राज यादव

भारत नेपाल की सीमा पर अवस्थित बिहार का आखरी जिला किशनगंज का ठाकुरगंज प्रखंड से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाली एकमात्र सुगम मुख्य सड़क के मध्य में इलाके की सबसे महत्वपूर्ण नदी महानंदा नदी पड़ती है। जिसपर बने पुल की एक दशक बीत चुका है। इसके बावजूद सिर्फ लीपापोती का ही कार्य आजतक मरम्मती को लेकर किया गया है। जबकि, मरम्मती को लेकर कोई योजना सुनिश्चित अब तक नहीं हो पाई है। स्थानीय विधायक की चुप्पी और सांसद की अनदेखी क्षेत्र के लिए कभी भी मुश्किल खड़ी कर सकती है।

☞ **क्षमता से अधिक वाहनों के परिचालन से सड़क की हो रही क्षति :-** दूसरी ओर वाहनों से सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रहा है। जिला प्रशासन भी इस मसमले में चुप्पी साधे बैठी है। अविलम्ब जिला प्रशासन भी मामले में सक्रियता

दिखाए और आगे आकर कार्रवाई कर क्षतिग्रस्त हो रहे पुल और सड़कों पर लगाम लगाए।

☞ **स्थानीय लोग बताते हैं :-** वही, स्थानीय लोगों के मुताबिक प्रखंड मुख्यालय से किशनगंज जिला मुख्यालय को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क पर बनी किशनगंज लोकसभा क्षेत्र के दो विधानसभा किशनगंज और ठाकुरगंज के मध्य में पड़ता है। ठाकुरगंज-पोठिया के बीच महानन्दा पुल अब काफी जर्जर हो चुकी है। जो ओवरलोड वाहनों का धड़ल्ले से परिचालन बताया जा रहा है। जबकि, बंगाल की सीमा से बिहार की सीमा को जोड़ने वाली सोनापुर मार्ग से तैयबपुर के रास्ते भी वाहनों का परिचालन बताया जा रहा है। तो दूसरा मार्ग गलगलिया सीमा सुरक्षित मार्ग भी है।

☞ **चुप है स्थानीय जनप्रतिनिधि :-** क्षेत्र के स्थानीय कांग्रेसी किशनगंज विधायक डॉ. मो. जावेद और स्थानीय जदयू ठाकुरगंज विधायक नोशाद आलम सहित कई ऐसे नेता भी हैं, जो खुद को दिग्गज बताते है। लेकिन, इस ओर किसी की राजनीति फिर नहीं बैठती। सरकार के मंत्रीमंडल से लेकर आलाकमान के करीबी होने का दावा करने वाले जनप्रतिनिधि भी चुप्पी साधे हुए हैं। ●

पढ़ने की उम्र में नाबालिक ने थामा स्टेयरिंग

● सुमित राज यादव

पढ़ने के उम्र में आज सैंकड़ो ऐसे नाबालिक ड्राइवर हैं, जिनका न तो लाइसेंस है और न ही किसी प्रकार की कोई अनुभव। वैसे लोग आज सड़कों पर बेधड़क वाहन तीव्र गति से दौड़ा रहे हैं। गरीबी और पिछड़ेपन का हाल कहे या पैसे कमाने की ललक, या पेट भरने की भूख। पढ़ने की उम्र में वाहन की स्टेयरिंग पकड़ रहे हैं। अधिकांश मामले ग्रामीण इलाकों की है। जिसका देखा देखी शहरों में बढ़ता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर शहर की सड़कों पर कई नौसिखिए ड्राइवर के हाथों में वाहनों की स्टेयरिंग रहती है। जो तेज रफ्तार के साथ सड़कों पर गाड़ी चलाता है। कम उम्र के ड्राइवरों का स्टेयरिंग पर कमान नहीं रहता है। फिर, भी नौसिखिए ड्राइवर भीड़-भाड़ वाले इलाके में भी तेज रफ्तार से गाड़ी चलाता है। ऐसे में सड़कों पर चलने वाले लोगों को भी परहेज करने और सावधानी बरतने की जरूरत है। वहीं, नाबालिक लड़को का तेज गति से गाड़ी चलाना कई लोगों को हैरत तो लगता है। किन्तु तीव्र गति से चलती गाड़ी को देख लोग खुद को बचाने में भलाई समझते हैं। खासकर हाइवे पर ऐसे नजारे रोज देखे जाते हैं। जहाँ अधिकांशत: किशोरोवस्था के ड्राइवर गाड़ी चलाते देखे जाते हैं। वाहनों से समान अनलोड करने के बाद किशारोवस्था के ड्राइवरों को थमा दी जाती है, स्टेयरिंग।

☞ **नवसिखुआ ड्राइवर से बढ़ रहा सड़कों पर खतरा :-** हाइवे चालक लोडिंग गाड़ी खुद तो चलाता ही है। लेकिन, समान अनलोडिंग करने के बाद नौसिखिए के हवाले कर देते हैं। और स्टेयरिंग संभालते ही नौसिखिए ड्राइवर सड़कों पर तेज गति से गाड़ी चलाते हुए अपना हाथ साफ करता है। जिससे किसी भी व्यक्ति के साथ दुर्घटना घटने की आशंका बनी रहती है। यही, स्थिति ट्रैक्टर एवम् टेम्पो के चालकों के साथ भी है। ट्रैक्टर पर अधिकांशत: नौसिखिए ड्राइवर ही ट्रैक्टर चलाते नजर आते हैं। जिसके कारण दुर्घटनाएं होती रहती है। जिले से लेकर प्रखंड में कई ऐसी घटनाएं पूर्व में घटित हो चुकी है। आजकल तो नए शौक के रूप में बाप का बेटे को ड्राइवर बनाने के प्रति ऐसा जूनून भी देखने को मिला है कि ट्रैक्टर और पीक-अप का ड्राइवर बनकर गाड़ी चलाते देख खुश इतने होते हैं कि फुले नहीं समाते। लेकिन दुर्घटना घटित होने का हरपल खतरा बढ़ता जा रहा है।

☞ **नहीं हो रही कोई कार्रवाई :** नौसिखिए के हाथ में स्टेयरिंग तो है। लेकिन,लाइसेंस नहीं है। उसके खिलाफ न तो पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई की जा रही है और ना ही परिवहर विभाग द्वारा कोई कार्रवाई की जा रही है। ऐसी हालत में अनाड़ी ड्राइवरों का मनोबल बढ़ा हुआ है। कई नाबालिक ड्राइवर भी सड़कों पर वाहन दौड़ा रहे है। लेकिन, कार्रवाई को ना तो पुलिस पर प्रशासन आगे आ रही है और न ही परिवहन विभाग। ●

अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र कब मिलेगा मुख्यमंत्री जी?

माननीय न्यायालय के आदेश के बावजूद भी अनुदेशक अभ्यर्थियों को अब तक नियुक्ति पत्र न मिलना खुल्ला उल्लंघन है। ऐसी बात नहीं कि काम नहीं हो रहा। प्रदेश स्तर के अधिकारी प्रधान सचिव, शिक्षा सचिव स्तर के कई अधिकारियों ने कई बार जिला को स्मारित भी किया है, लेकिन नतीजा टांय-टांय फिस्स अनुदेशक अभ्यर्थी कार्यालय से न्यायालय व न्यायालय से कार्यालय दौड़ते-दौड़ते थक चुके हैं। उन्हें अब अहसास होने लगा है कि सरकार व उसके नौकरशाहों के तुमाफेरी के कारण उनका भविष्य अधर में है। आखिर कब तक इनका आर्थिक, मानसिक शोषण होता रहेगा। कब तक इन्हें न्यायालय से न्याय मिलने के बाद भी नियुक्ति पत्र मिल पायेगा। कब तक इनके व परिवार वालों के चेहरे पर मुस्कान आयेगी इसी आशय के आलोक में तथ्यान्वेषण करती केवल सच राष्ट्रीय मासिक पत्रिका के विशेष प्रतिनिधि, बिहार **आनन्द प्रकाश पाण्डेय** व छाया पत्रकार **अशोक तिवारी** की विशेष रिपोर्ट:-

सर्वविदित हो अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशकों का सरकार के दलाल, नौकरशाह ने दर-भटकने के लिए मजबूर कर दिया है। न्यायालय से कार्यालय और कार्यालय से न्यायालय तक दौड़ते-दौड़ते उनके कई दर्जन चप्पल-जूते घिस गये हैं। लेकिन इसके बावजूद सरकार व उसके मुलाजिमों की शर्मनाक कार्यप्रणाली ने अनुदेशकों को अवकाश प्राप्त करने की उम्र के पड़ाव पर पहुँचा दिया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित अध्यादेश व अनुपालन में मंत्रिपरिषद् के अनुमोदन से निर्गत संकल्प संख्या 945 दिनांक 27.04.17 के अनुसार अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशकों को समूह 'घ' के रिक्त पदों पर समायोजित करने रिक्ति उपलब्ध कराने की बात कही। पत्रांक-2323 दबारा पत्रांक 2288, दिनांक 06.09.17 को निदेशक जन शिक्षा बिहार ने जिला अधिकारी, सारण को लिखा कि अनुदेशकों को समूह 'घ' के पद पर रिक्ति के विरूद्ध उनकी सूचि मांगी। इसके बाद डी.ओ. सारण द्वारा सभी अनुदेशकों को छपरा,सीवान, गोपालगंज, 21.12.17, पत्रांक 2336 के माध्यम से नियुक्ति फोल्डर निदेशालय भेजने की बात कही। जबकि इस पत्र में दर्शाया गया है कि 30.12.17 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। लेकिन जिला शिक्षा पदाधिकारी के दोरंगी नीति के कारण अनुदेशकों का रिटायरमेंट की कगार पर है।

पूर्व में सचिव, शिक्षा विभाग के पत्रांक 13, ज्ञापांक 2624, 10.10.17 के आलोक में सभी डी.ओ. को लिखा गया है कि माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के आलोक में समायोजन हेतु प्रेषित अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशकों की सूचि में अंकित अनुदेशकों को शीघ्र समायोजित करने की बात कही, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात। जिला में डी.ओ. साहब सचिव, बिहार के आदेश को ठेंगा दिखा रहे हैं। ये जानते हैं कि ये कर भी क्या सकते हैं, ज्यादा से ज्यादा कारण पृच्छा कर सकते हैं। इससे ज्यादा उनकी औकात क्या है? एक-एक शिक्षा अधिकारी शिक्षा माफिया के इशारे पर हर कार्य यहाँ तक अपनी मर्जी से .....नहीं करते। यह साबित हो गया है। जबकि इस कार्य के लिए कमिटि का गठन किया गया है, जिसमें डी.एम. द्वारा मनोनित ए.डी.एम. अथवा डी.ओ. सदस्य, डी.पी.ओ. सदस्य सचिव हैं।

विनोदानन्द झा डाइरेक्टर जन शिक्षा, बिहार ने सभी आर.डी.डी.ई., टी.डी.ओ. के पत्रांक-13 के माध्यम से अनुदेशकों को समूह 'घ' के पद एवं संकल्प संख्या-945 एवं 4017 के आलोक में नियुक्त करने का पत्र भेजा, लेकिन नतीजा वहीं टांय-टांय फिस्स। रिमाइन्डर के रूप में 27.07.17, 19.08.17, 30.08.17, 10.10.17 को पाँचवीं बार भी स्मारित करने पर बेलगाम अधिकारियों ने समायोजन करने के संबंध में रूचि नहीं दिखाई। जिसका नतीजा अनुदेशक निराश व हताश हो चुके हैं।

विदित हो, अजित सिंह (पूर्व डी.पी.ओ. साक्षारता) सह जिला शिक्षा पदाधिकारी ने अपने दलालो के माध्यम से मोटी रकम लेकर अपने

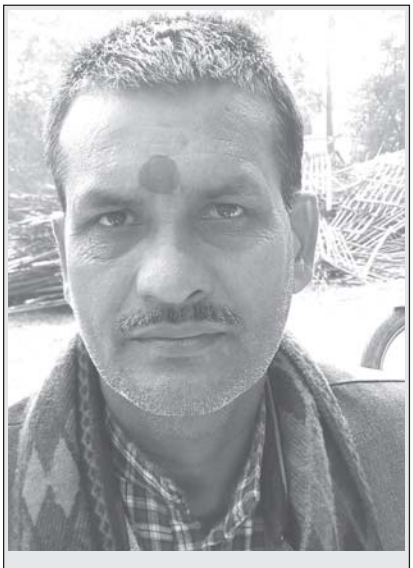

बड़ी कष्टमय व जिल्लत की जिंदगी जिने को मजबूर हूँ। सरकार व जिला के अधिकारीगण रिश्वत के लालच में अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र देने में आनाकानी कर रहे हैं। इस नाटक में कई लोक रिटायरमेंट के करीब हैं।

सत्येन्द्र पाण्डेय, अभ्यर्थी

न्यायालय ने आदेश के बावजूद शिक्षा पदाधिकारी द्वारा जानबूझ कर मोटी रकम के लिए नियुक्ति पत्र को रोक कर रखा गया है। लगभग आधे से अधिक अभ्यर्थी रिटायरमेंट के कगार पर है। इसमें हम सभी का क्या दोष?

रंजीत सिंह, अभ्यर्थी

चहेतों का नाम निदेशालय में भेजा जिस पर स्थानीय थाने में मुकदमा हुआ, सब कुछ राम भरोसो। निजी स्वार्थ के लिए ये भ्रष्ट अधिकारियों को सरकार ने सिर्फ निलंबन ही किया। लेकिन जिसने हजारों की जिंदगी से खेलने का घिनौना कृत्य किया।

इस जालसाजी के कई पाप रूपी दलाल भी बैठे हैं। जो मोटी रकम न मिलने के कारण नियुक्ति पत्र देने में विलंब कर रहे हैं। सरकार के अमला अधिकारी को अपने पॉकेट में रखते है, जिला के शिक्षा विभाग के पदाधिकारी व कर्मचारीगण जो विभाग की थू-थू करा रहे हैं। मालूम हो कि अदना-सा क्लर्क भी जिलाधिकारी से ज्यादा औकात रखता है। यकिन नहीं तो उनकी संपति की जाँच करा दी जाय तो सबकुछ दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा, जितनी जिला अधिकारियों की कमाई है, उससे 10 गुना क्लर्क की अवैध कमाई है। क्योंकि सबसे भ्रष्ट विभाग का श्रेय इसे ही जाता है। दुर्भाग्यपूर्ण तो तब होता है, जब कोई मीडिया वाला फोन करता है, तो न तो आर.डी.डी.ई. फोन उठाते हैं और न डी.ओ. दूसरे तरफ अन्य लिपिक। एक बानगी शिक्षा विभाग, सारण का। एक शिक्षक ने नाम न छापने के शर्त पर केवल सच को बताया कि माननीय न्यायालय द्वारा ज्वाइनिंग का आदेश हुआ था। जबकि जिला द्वारा जानबुझकर सभी शिक्षकों का ज्वाइनिंग 15 से 25 हजार रूपये लेकर दे दिए गए। लेकिन दो शिक्षकों का नियुक्ति पत्र पैसे न मिलने के कारण रोक दिया गया। शिक्षक ने अपनी आपबीती केवल सच को बतायी।जब केवल सच प्रतिनिधि के आर.डी.डी.ई., डी.ओ. व लिपिकों को उनका पक्ष जानने हेतु फोन कई बार लगाया,लेकिन एक बार भी किसी ने फोन नहीं उठाया। अंत में इनके कुकर्मो की बात कमिशनर, सारण से केवल सच ने जानकारी दी। असर देखिए, 24 घंटे के अंदर नियुक्ति पत्र उस फरियादी शिक्षक के पास विशेष दूत से आनन-फानन में भेज दिया गया। सिर्फ और सिर्फ मोटी रकम ने मिलने के कारण उनकी नियुक्ति पत्र रोक ली गई थी यह तो भ्रष्टाचार की बानगी मात्र है। कुल अनुदेशकों की संख्या 2176 है, जिसमें 266 की सूची सचिवालय गई। 21.06.17 के नियुक्ति पत्र और जबकि 30.06.17 - 190 अभी तक सचिवालय में सुधार होकर नहीं आया।

न्यायालय में परिवाद संख्या सी.डब्लू.जे. से. 18813/10, एम.जे.सी.-809/2012 है। इसके आलोक में अब तक कुछ भी कार्रवाई न होना अनुदेशकों के भविष्य के साथ लिखवाड़ है।

बताते चलें कि चुनांचे, अनुदेशकों की नियुक्ति न होना न्यायालय के आदेश काा खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन है। इसके लिए दोषी अधिकारियों को इनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का दंड मिल पायेगा। यह एक सवालों के सैलाव में एक ज्वलंत प्रश्न है। आखिर में अनुदेशक जिंदगी के ढलान पर है। क्या रिटायरमेंट के बाद इनकी नियुक्ति होगी? सरकार व उसके आला अधिकारियों को शीघ्र अति शीघ्र इस पर संज्ञान लेकर जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। ●

मदारपुर पंचायत के विकास हेतु तत्पर हूँ : मालती देवी

● आनन्द प्रकाश पाण्डेय/अशोक तिवारी

नारी तुम केवल श्रद्धा हो, विश्वास रजत नग-पग तल में, भूँ पियूष स्रोत सी बहा करो, जीवन के सुंदर समतल में। ये पंक्तियाँ जन-जन के जुवाँ पर है। भारत गाँवों का देश है। देश की उन्नति गाँवों की उन्नति पर निर्भर करता है। जिस प्रकार भारत का राष्ट्रीय फुल कमल है। कमल कीचड़ में खिलता भी है। ठीक उसी प्रकार तरूण पौधों को देखने मात्र से ही आभास हो जाता है कि पेड़ का फुल कैसा होगा? वैसे ही अपने मजबूत इरादे के बल पर ही एक-एक सीढ़ी चढ़कर ऊँचाईयों को छूआ जा सकता है। जब काम करने का जज्बा हो, तो कोई समस्या उसके सामने निमुआ नोन चाटती नजर आती है। जिस व्यक्ति का काम करना ही लक्ष्य हो भला उसका कोई क्या बिगाड़ सकता है। वैसे तो सरकारी महकमें और योजनाओं में ''आओ मिलकर लूटने'' वाली कहावत चरितार्थ होती है। आज सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों की सूरत व सीरत दोनों को बदलने के लिए पंचायतों में करोड़ों रूपये पानी की तरह बहा रही है। ऐसी योजनाओं का मद्धिम प्रकाश ही चाहूँ ओर पहुँच पाता है। लगभग 90% राशि बंदरबाँट में चली जाती है। विकास जस का तस अंगदी पाँव की

☆ पंचायत की जनता को सभी योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए प्रयासरत हूँ। पंचायत की सभी समस्याओं से निजात दिलाने में सदैव तत्पर रहूँगी। जिस उम्मीद से सम्मानित जनता ने मुझे चुना है, उसके लिए मैं कृत संकल्पित हूँ।

मालती देवी
मुखिया, मदारपुर

ग्राम पंचायत राज मदारपुर मुखिया मालती देवी द्वारा कराये गये अब तक के कार्यो पर एक नजर :-

☞ जलालपुर सोनौली सीमा से नवादा सीमा तक 4200 फीट मिट्टीकरण व ईटकरण।
☞ मंगुरहां में मस्जिद से लेकर ब्रह्मस्थान तक 300 फीट पी.सी.सी. सड़क का निर्माण।
☞ मंगुराहां से जलालपुर तक नहर की सफाई।
☞ सोनौली सीमा से नवादा सीमा तक नहर पर 3200 फीट ईटकरण।
☞ मदारपुर में श्मशान घाट में मिट्टीकरण।
☞ खेदारूल मियाँ के घर से रामाशंकर के घर तक मिट्टीकरण व ईटकरण।
☞ सनकौली में नवादा सीमा से लेकर मंगुरहां सीमा तक मिट्टीकरण व ईटकरण।
☞ सनकौली में कब्रिस्तान से लेकर जमादार राय के घर तक (बहीयारा चंबर तक) 200 फीट मिट्टीकरण व ईटकरण।
☞ जालालपुर में पोखरा का निर्माण व श्मशान में मिट्टीकरण।
☞ शिव मंदिर से लेकर धवरी बहियारा तक मिट्टीकरण व ईटकरण।
☞ घघरी माई तक मिट्टीकरण व 61 यूनिट वृक्षारोपण।
☞ कबीर अंत्येष्ठि के लाभुक - 200 लगभग।
☞ वृद्धापेंशन के लाभुक - 200 लगभग।
☞ आवास योजना के लाभुक 44 लगभग।

तरह रह जाता है। ऐसे में ही नये वर्ष में 'केवल सच' मासिक पत्रिका ने उन जनप्रतिनिधियों पर फोकस करने का बीड़ा उठाया है, जिन्होंने बहुत ही कम समय में पंचायत में विकास के नये आयाम की शुरूआत की है, जो अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए अनुकरणीय है। ऐसे जज्बे वाले जनप्रतिनिधियों को जनता दिल से लेती है। इसी तरह का कार्य किया है, सारण के मशरक प्रखण्ड के ग्राम पंचायत राज मदारपुर की मुखिया मालती देवी ने मजह चंद महीनों में उन जगहों पर कार्यों का शुभारंभ किया जहाँ बरसात के दिनों में चलना दूभर हो गया था। सड़कें, वृक्षारोपण,

★ मुखिया के नेतृत्व में मदारपुर पंचायत का विकास तेजी से हो रहा है। इसके लिए हम सभी जी- जान से लगे हैं। विकास ही हमारा उद्देश्य है।

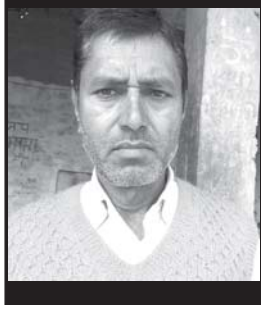

राजेन्द्र राय
मुखिया
प्रतिनिधि

तालाब, छठ घाट, मिट्टीकरण, ईटकरण, वृद्धा पेंशन, कबीर अंत्येष्ठि सहित कई योजनाओं का लाभ आम जनता को मयस्सर हो रहा है। जब गाँव आत्मनिर्भर हो जायेगा तब ग्राम स्वराज का सपना पूरा हो पायेगा। पंचायत का चहुँमुखी विकास करना ही हमारा लक्ष्य है। जिस विश्वास के साथ मुझे जनता ने चुना है, मैं उनके विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करूँगी। चाहे कोई भी पर्व हो या त्योहार मुखिया मालती उन्हें आर्थिक मदद व वस्त्र भी मुहैया कराती है। किसी के घर में शादी हो तो आर्थिक मदद के रूप में 5000 रूपये और राशन का भी इंतजाम करती है। कहती है कि गरीबों की मदद करने से मेरे आत्मा को शुकुन मिलता है। ●

सेमरी पंचायत के चहूँमुखी विकास के लिए तत्पर : कुसुम देवी

● आनन्द प्रकाश पाण्डेय/अशोक तिवारी

कई ऐसे गाँव हैं, जो डिजिटल इंडिया के दौर में विकास से पिछड़े हुए हैं। पंचायती राज लागू होने के बाद उन गाँवों में विकास की रोशनी पहुँचनी शुरू हो गई है। कई पंचायतों में जनप्रतिनिधि भी मिहनत व जनता के लिए कुछ करने की लगन से है। बदलाव की बयार दिखनी शुरू हो गई है। इन्हीं में से एक पंचायत है, ग्राम पंचायत राज सेमरी। मशरक प्रखंड का सेमरी पंचायत। पंचायती राज व्यवस्था लागू होने के बाद महज कुछ ही सालों में सेमरी पंचायत के कई गाँवों में सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएँ ग्राम पंचायत के माध्यम से पहुँची है।

पंचायती राज व्यवस्था लागू होने के बाद मुखिया ग्राम पंचायत राज सेमरी, कुसुम देवी ने सरकारी योजनाओं का प्रकाश लगभग हर जरूरतमंद तक पहुँचाने का काम किया है। मुखिया कहती है कि मैं वादानुसार भ्रष्टाचारमुक्त पंचायत बनाने का हरसंभव प्रयास करूंगी। हर अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिले। यही हमारा सदैव प्रयास रहेगा। महिलाओं के आत्म सम्मान के लिए, हक-हुकूक के लिए मैं सदैव तत्पर हूँ।

पंचायत विकसति हों, शिक्षित हो, सरकार की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुँचे। इसके लिए हम सभी तत्पर हैं। किसी मायने में किसी का कष्ट न हो इस हेतु हम सेवा में हैं।

चंदन सिंह
मुखिया प्रतिनिधि

सेमरी पंचायत के चहुँमुखी विकास को मैं सदैव तत्पर हूँ। जनता के सम्मान हेतु मैं लड़ती रहूँगी।विकास की रोशनी हर घर तक पहुँचे, यही हमारा प्रयास है। जनता ने जिन उम्मीदों पर मुझे चुना है उनके उम्मीदों पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करूंगी। सेमरी की जनता के लिए मैं 24 घंटो मौजूद हूँ।

कुसुम देवी
मुखिया, सेमरी

मुखिया प्रतिनिधि चंदन सिंह ने बताया कि पंचायत का हर कोना साफ-सुथरा हो, हर घर में जल नल योजना के शुद्ध पेयजल, नाली सहित सभी मूलभूत सुविधाओं का ख्याल रखा जा रहा है। शीघ्र ही पंचायत में घर-घर नल की व्यवस्था होगी। पंचायत में सड़कें, श्मशान, मंदिर जीर्णोद्वार, छठघाट, तालाब, स्टेडियम में मिट्टीकरण, स्कूलों में मिट्टीकरण, वृक्षारोपण जैसे कार्यों की बखूबी अंजाम दिया है। पंचायत में सबको साथ लेकर आपसी सहयोग से सबका विकास हो इसके लिए मैं सदैव प्रयासरत हूँ।

मुखिया सेमरी, कुसुम देवी द्वारा कराये गए कार्यों पर एक नजर:

- ☞ कटसा सीमा से लेकर निकुंज सेमरी तक 3600 फीट मिट्टीकरण व ईंटकरण।
- ☞ सेमरी नहर से मरीचा सीमा तक 3600 फीट मिट्टीकरण व ईंटकरण।
- ☞ सामुदायिक भवन से सेमरी मार्ग तक एक पुलिया व 450 फीट मिट्टीकरण व ईंटकरण।
- ☞ सिउरी में 2000 फीट मिट्टीकरण व ईंटकरण।
- ☞ स्कूल से लेकर महेश छपरा सरोज महतो के घर तक मिट्टीकरण व ईंटकरण।
- ☞ सेमरी नहर से शंभू राम के घर तक 2500 फीट पी.सी.सी. सड़क।
- ☞ सिकटी भीखमने चबूतरा व मिट्टीकरण।
- ☞ तीन श्मशान घाट में मिट्टीकरण।
- ☞ सेमरी पुलिया के पास से 450 फीट पी.सी.सी. सड़क।
- ☞ शंभू राम के घर से माता मंदिर तक 2800 फीट पी.सी.सी. सड़क।
- ☞ सामुदायिक भवन का मरम्मत।
- ☞ ब्रह्मस्थान प्रांगण में मिट्टीकरण (निजी स्तर से)।
- ☞ कबीर अंत्येष्ठि के लाभुक लगभग 200
- ☞ पेंशन योजना के लाभुक लगभग 200
- ☞ लगभग 140 का बकाया पेंशन।
- ☞ तीन विद्यालय प्रांगण में मिट्टीकरण।

जरूरत मंदों अन्य, वस्त्र और नकद राशि के द्वारा उनकी समय-समय पर मदद की जाती है। किसी गरीब के घर शादी हो तो उसे 5000 रूपये नकद व कच्चा राशन प्रदान किया जाता है। साल में दो बार छठ-होली व ईद में वस्त्र भी हम अपने स्तर से मुहैया कराते हैं। पंचायत का चहुँमुखी विकास करना ही हमारा ध्येय है। ●

उपेक्षा का शिकार राजा मनन सिंह का महल

पुरानी विरासत होटल में तब्दील

● आनन्द प्रकाश पाण्डेय/सत्येन्द्र प्रसाद

आ लोकित पथ करो करो हमारा, तिमिर हरो कर दो उजियारा, माँ मुझको तुम भूल न जाओ।''

माँ थावे मंदिर नव वर्ष के मौके पर चहूँ ओर गुलजार रहा। लोगों ने काफी बढ़-चढ़कर थावे मंदिर में दर्शन कर अपने हर कार्य में साथ होने का आशीष मांगा। एक तरफ भक्तों में माँ के दर्शन पाने की आतुरता तो दूसरे तरफ युवा वर्ग बागीचे में पिकनिक मनाने में मशगुल। नजारा काफी आनन्दातिरेक। भक्तों की भीड़ देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा था कि चाहे भ्रष्टाचार, व्याभिचार, लूट-खसोट चाहे कितनी भी बढ़ी हो लेकिन भक्तिभाव में सबकी आस्था व्यापक है।

किदवन्ती में एक वाक्य इस प्रकार है कि यहाँ के राजा मनन सिंह का राज था। वहीं रहसू भगत माँ की भक्ति में लीन थे। रहसू भगत खेतों से धान काटकर बाघ से दवरी कर चावल निकालते थे। उनके कुछ आलोचकों ने यह कहकर राजा को भड़का दिया कि रहसू माँ से साक्षात बातें करते हैं। दुष्ट और अत्याचारी राजा मनन सिंह ने रहसू को सामने बुलवाकर कहा कि माँ को सामने बुलाओ। रहसू के बार-बार समझाने पर भी राजा मनन नहीं माने। अंतत: माँ आकर थावे में तालाब के पास रूकी। प्यासी माँ को रहसू ने पानी पिलाया। रहसू ने फिर मनन सिंह से कहा कि आप अपनी जिद को त्याग दें। लेकिन राजा मनन अपनी जिद पर अड़ा रहा। समासत: रहसू भगत का सिर फट गया खून के फब्बारे निकल पड़े माँ का कंगन वाला हाथ उनके सिर में दिखाई पड़ने लगा। इतना सबके बावजूद राजा मनन सिंह को कुछ भी दिखाई न पड़ा। साथ ही सबकुछ (राजपाट) नेस्तनाबूद हो गया।

केवल सच राष्ट्रीय मासिक पत्रिका ने दो साल पूर्व प्रमुखता से इस खबर को 'अपनी बदहाली पर आठ-आठ आँसू रोता राजामनन सिंह महल एक साल पूर्व'' क्या थावे को पर्यटन स्थल बनाने का सपना पूरा होगा'' शीर्षक के नाम से प्रमुखता से प्रकाशित किया था। पूर्व से महल में ताला जड़ा हुआ था। लेकिन थावे के राजा मनन सिंह के महल के लिए चौंकाने वाली खबर है। बदहाली का दंश झेल रहे मनन सिंह के महल का इतिहास अब इतिहास में सिमट कर रह जायेगा। इस वर्ष महल को हथुआ राज के द्वारा पल्लवी इंटरनेशनल में तब्दील कर दिया

गया है। मनन सिंह का महल अब नहीं दीख पायेगा। महल ने अब व्यवसायिक प्रतिष्ठान का रूप ले लिया है।

ध्यातव्य हो, माँ थावे वाली के दर्शन हेतु दूसरे प्रदेशों से भी लोग यहाँ आते हें। वैसे तो यह मंदिर बिहार धार्मिक बोर्ड के अधीन संचालित है, लेकिन दूसरे शब्दों में यूँ कहें कि यह राजस्व प्राप्ति का जरिया बन कर रह गया है। सरकारी स्तर पर कई घोषणाओं व आश्वासनों का रसास्वादन यहाँ की जनता को मुख्यमंत्री, पर्यटनमंत्री व राजद अध्यक्ष करा चुके हैं। लेकिन नतीजा आज भी टांय-टांय फिस्स है।

विदित हो केवल सच की लेखनी का असर मंदिर समिति व प्रशासनिक स्तर पर स्पष्ट दीख रहा है। एक बानगी के रूप में देखें-रहषु भगत का मंदिर कई वर्षो से निर्माणाधीन है। चंदे के नाम पर करोड़ों की उगाही होती है, लेकिन इसके उलट आज तक दिवारों पर प्लास्टर व एक अदद गेट भी नहीं है। यहाँ एक ओर सरकार के पर्यटन विभाग की ओर से करोड़ों-अरबों रूपये पानी की तरह बाये जा रहे हैं। लेकिन अब तक इस धरोहर को सहेजने हेतु सरकार या पर्यटन विभाग ने माकूल कदम नहीं उठाये हैं।

चुनांचे सरकार व विभाग को भी मंदिर ट्रस्ट पर नजर रखनी चाहिए ताकि रख-रखाव बेहतर से बेहतर हो सके। साथ ही जनप्रतिनिधियों का भी पावन कर्तव्य बनता है कि वे इस मुद्दे पर गहनतापूर्वक विचार करें, ताकि जिले का एकमात्र दर्शनीय स्थल को पर्यटन स्थल घोषित करने की मांग रखें। ●

पदाधिकारी से लेकर कर्मचारी तक भ्रष्टाचार में डूबे हैं : अमर सिंह

राज्य में पंचायती राज व्यवस्था को लागू करने का उद्देश्य गाँव में पंचायतों में विकास योजनाओं को सही रूप में उतारना है। जन तक गाँव के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं को सही रूप में उतारना है। जब तक गाँव के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाएँ नहीं पहुँचेगी तब तक गाँवों व पंचायतों में विकास नहीं दिखेगा। इसके लिए, अधिकारियों के साथ-साथ पंचायत जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण होती है। राज्य के पंचायत प्रतिनिधि ऐसे मिले जिसने अपने पंचायत की दशा और दिशा दोनो बदल दी। कल तक गाँवों गंदगी का अंबार दिखता था, अब वहाँ सुव्यवस्थित तरीके से नालिया व सड़के बनी है और क्षेत्र साफ-सुथरा दिखने लगा है। इसके अलावा कई जनप्रतिनिधियों ने अपने ही गाँव व पंचायतों में रोजगार के उपाय ढूँढ़ निकाले हैं। इन सबके इतर मुखियागण कार्य तो युद्धस्तर पर कार्य तो करा रहे हैं, लेकिन जिस रफ्तार से काम हो रहा है, उस रफ्तार से मजदूरों का भुगतान नही हो पाया। मनरेगा के मजदूर, ईंट भट्ठा मालिक व वन पोषक सभी जनप्रतिनिधियों को भुगतान हेतु नाक में दम कर रहे हैं। सरकार की मंशा काम कराने की नहीं अपितु परेशानी का सबब बनकर रखना है। स्वास्थ्य केन्द्र बिमार हो चुके हैं। एक अदद- सा एम्बुलेंस तक नहीं है। विद्यालयों में एम.डी.एम. की लूट मची है। जन वितरण के दुकानदार राशन किरासन की धड़ल्ले से बिक्री कर रहे हैं। अधिकारी वर्ग के लिए ये सभी प्रोटीन वर्ग बन चुके हें। एक ओर सरकार की नियति में खोट तो दूसरी ओर अधिकारियों की तुमाफेरी ने प्रखंड कार्यालय में मच लूट-खसोट से जन प्रतिनिधियों में क्षोभ व्याप्त है। सरकार की ढुलमुल नीति, वनपोषकों के बकाये भुगतान के अभाव लगे पेड़ सूख रहे हैं। कबीर अन्त्येष्ठि तथा अन्य योजनाओं के भुगतान अधर में है। सरकार सिर्फ कागजों में विकास दिखाकर अपना पीठ थपथपा रही है। जबकि हकिकत में कुछ और ही हो रहा है। उपरोक्त तथ्यान्वेषा के मद्देनजर मुखिया संघ के अध्यक्ष, व मुखिया मशरक पूर्वी के प्रतिनिधि अमर सिंह का साक्षात्कार केवल सच राष्ट्रीय मासिक पत्रिका के विशेष प्रतिनिधि आनन्द प्रकाश पाण्डेय व छाया प्रतिनिधि अशोक तिवारी ने किया। प्रस्तुत है खास आंश :-

★ आपके पंचायत में विकास की गति कैसी है?

जितने भी विकास कार्य अब तक हुए हैं। उसका भुगतान आधा-अधूरा ही हुआ है। मनरेगा के मजदूर, वनपोषक भट्ठा मालिक सभी बकाया भुगतान के लिए मुखिया पर दबाव बना रहे हैं। कार्य करने के छः माह तक भी पैसा मजदूरों को न मिले तो वे क्या करेंगे? मजदूर कब तक भूखे पेट दिन काटेंगे? उनके भी बाल-बच्चे है। मुखिया कब तक इस सरकारी तुमाफेरी का दंश झेलेंगे? मनरेगा के अन्तर्गत आठ-नौ योजनाओं में कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन भुगतान अधूरा है, जिसके वजह से विकास कार्य अवरूद्ध हो रहा है। जितने वृक्ष लगे थे वे उचित देखरेख के अभाव में सूख रहे हैं। वनपोषक भुगतान की राह देख रहे हें। मुखियागण कब तक जिल्लत का माहूर झेलेंगे?

★ आपके प्रखंड में सतरह पंचायत है, उनमें वृक्षारोपण की क्या स्थिति है?

देखिए, आपलोग सच छापते हैं, तो मैं सच ही बयां कर रहा हूँ। वनपोषक को 6 माह से भुगतान नहीं हुआ है, जिसकी वजह से पौधे सूख रहे हैं। उचित रख-रखाव के अभाव में सब कुछ अधर में है। मुखिया क्या करें? सरकार की दोषपूर्ण नीति से मुखिया अजिज आ गए हैं।

★ आपके यहाँ मशरक में स्वास्थ्य केन्द्र व मिड डे मिल योजना की क्या स्थिति है?

मशरक में एम.डी.एम. बिचौलिए के बीच ही सिमट कर रह जाता है। अधिकारी से लेकर हेडमास्टर तक ''छूट के लूट'' की कहावत चरितार्थ कर रहे हैं। बच्चे आकर खड़े रहते हैं। शिक्षक नदारद रहते हैं। स्वास्थ्य केन्द्र की बात करे तो सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। स्वास्थ्य सेवा के नाम पर मरीजों का आर्थिक शोषण हो रहा है। कोई बोलने वाला नहीं है। एक अदद एम्बुलेंस की सुविधा मयस्सर नहीं है। स्वास्थ्य सेवा बिमार व लाचार है। गरीब मरीज कहाँ जायेंगे? रोगी को भाड़े की गाड़ी से मुख्यालय जाना पड़ता है। पूरा का पूरा सिस्टम भ्रष्टाचार में लिप्त है।

★ मशरक प्रखंड कार्यालय की क्या स्थिति है?

पूछिए मत, प्रखंड कार्यालय में अधिकारी से लेकर अदना सा कर्मचारी तक भ्रष्टाचार में डूबकी लगा रहे हैं ऐसे में विकास की बात बेमानी है। बिना रिश्वत दिए कोई भी कार्य संभव नहीं है।

★ मनरेगा व अन्य योजनाओं में काम करवाने के बावजूद मजदूरों का भुगतान नहीं हो रहा है, क्यों?

सरकार की दोषपूर्ण नीति व नौकरशाहों के लालफिताशाही के कारण ये स्थिति बनी है। आखिर जन प्रतिनिधि क्या करें? सरकार की मंशा काम होने देने की नहीं है। सिर्फ फंसाकर टालने की नियति है।

★ जन वितरण दुकान की वर्तमान स्थिति बतायें। क्या लाभुकों को राशन व किरासन समय पर मिलता है?

जन वितरण दुकानदारों की स्थिति भयावह है। तीन महीना बाँटा जाता है तो अगला तीन महीना का राशन-किरासन भ्रष्टाचार बिचौलिए व अधिकारियों की भेंद चढ़ जाता है। विडंबना यह है कि राशन बाँटना हो तो 5 हजार और नहीं बाटना हो तो 15 हजार अधिकारियों को नजराना दी जाती है। ऐसे में सुधार की गुंजाइश कहाँ है? यहाँ तक कि किसी के घर में मौत भी हो जाए तो लाभुक को राशन-किरासन मयस्सर नहीं होता। इसके लिए जिम्मेवार कौन है?

★ प्रखण्ड में तथा मशरक पूर्वी में पेंशन की क्या स्थिति है?

बदतर है। प्रखंड में कई बार तालाबंदी करने के बाद भी पेंशन कुछ ही लाभुकों को मिल पाया है। आखिर कितनी बार आंदोलन करना पड़ेगा? सबसे ज्यादा परेशानी वृद्ध व विधवाओं को हो रही है। अधिकारियों को इसकी चिन्ता नहीं है। उन्हें तो कमीशन चाहिए।

★ कबीर अत्येष्ठि व कन्या विवाह योजना का कितना लाभ आपके क्षेत्र में मिला है?

कबीर अन्त्येष्ठि का पैसा अपने स्तर पर मुखियागण द्वारा प्रान किया गया है। लेकिन इस योजना का पैसा छः महीना या साल भर पर आता है। आखिर योजना का लाभ कैसे मिलेगा? कन्या विवाह योजना का लाभ नहीं मिलने का कारण बी.डी.ओ. साहब कहते हैं कि इस योजना का चार्ज नहीं मिला है। इसके इतर लाभुक मुखिया की मजबूरी नहीं समझ पाते। सरकार व उसके अधिकारी सिर्फ मुखिओं से खेलने का काम कर रहे हैं।

कबीर अंत्येष्ठि के अन्तर्गत लाभुकों को लगभग 2 लाख रूपये वितरीत किया है, लेकिन सरकार द्वारा मात्र 52000 रूपये का चेक मिला है। बताइये कोई करता है तो मुखिया के पास, झगड़ा हो तो मुखिया के पास, लेकिन मुखिया किसके पास जाये? सरकार सिर्फ और सिर्फ कागज में चल रही है। सरकार के दलाल अधिकारी चार-पाँच महीने पर जाँच करने आते हैं। अब आप ही बताएँ भूखे मजदूर व वनपोषक व लाभुक उन्हें पकड़ कर पीटेंगे नहीं तो क्या करेंगे?

★ पंचायत प्रतिनिधियों की वर्तमान में क्या स्थिति है?

सरकार की योजनाएँ सिर्फ कागजतों पर दौड़ रही है। विकास भी कागजों पर मुखर हो रहा है। देखिए आपके सामने ईंट वाला, मनरेगा, मजदूर, वनपोषक घेर के पैसे के लिए बैठे हैं। ऐसे में सरकार क्यों विकास की उम्मीद करती है। नतीजा ढाई के तीन पात की स्थिति है। सरकार की दोगली नीति के कारण मजदूरों का दूसरे राज्यों में पलायन हो रहा है। सरकार 177 रूपये देती है। उन्हें मानक मजदूरी मिलेगी तभी उनका पलायन रूकेगा। वनपोषकों का बकाया भुगतान न होने का सीधा असर यह हो रहा है कि पौधे सूख रहे हैं। लगभग यही स्थिति पूरे प्रखंड की है। चौदहवें वित का पैसा है तो उसके मद्देनजर जल, नल योजना की शुरूआत शीघ्र होगी। इसकी ओर यह निर्विवाद सत्य है कि यह योजना फ्लॉप ही होगा। नल लगने के बाद टुटने की स्थिति में उसका टोंटी तक बदलना संभव नहीं हो रहा है। ऐसे में यह योजना फ्लॉप होगा ही। सरकार की पूर्व योजना चापाकल की ही सही थी। आज भी लोग चापाकल ही मांगते हैं। इस योजना में अधिकारी व ठेकेदार मालामाल हो रहे हैं। मुखिया को सरकार 25000 रूपये वेतन देती है। इतना मेहनत तो विधायक भी नहीं करते। वे क्षेत्र में एक दो बार आते हैं, सरकार उन्हें फ्लैट देती है, लेकिन मुखिया को 2500 रूपये। इससे मुखिया कर लेंगे? सुबह से शाम तक जनता मुखिया के पास समस्याएँ लेकर आती है, लेकिन माननीय के पास नहीं जाती। सरकार को इस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके मुखियाओं को पेट नहीं, परिवार नहीं है? क्या इसका वेतन नहीं बढ़ना चाहिए? सरकार की दोरंगी नीति क्यों?

अपनी जिंदगी दूसरों के लिए जियो : अजीत

● **आनन्द प्रकाश पाण्डेय**

जो मार्गदर्शक होते हैं, उनके पास दूर दृष्टि होती है। वे अपनी धुन के पक्के होते हैं। उनका यही जोश व जुनून दूसरे लोगों की कल्पनाओं को जगा देता है। कोई भी बड़ी उपलब्धि जोश के बिना नहीं होती। दूसरों के सद्गुणों को देखने की कोशिश कीजिए, चापलूसी नहीं कीजिए, सच्चा गुण-विवेचन दीजिए, प्रचुर प्रोत्साहन दीजिए और फिर आप मानव व्यवहार के क्षेत्र में गुरू बना जायेंगे। यदि हमें यह पूर्व अनुमान हो कि अमुक व्यक्ति, अमुक परिस्थिति में किस तरह का व्यवहार करेगा तो उस व्यक्ति से हमारे संबंध थोड़े बेहतर हो सकते हैं। और इस प्रकार यह प्रभावशील मानवीय संबंधों का आधार बन सकता है।

आज के समय में जहाँ राजनेता, अधिकारी, जनप्रतिनिधि जहाँ लूट-खसोट, गंदी राजनीति से बाज नहीं आते। उनकी यह गंदी सोंच ''अपना काम बनता, भांड़ में जाये जनता'' इसी मार्ग पर चलना श्रेयस्कर समझते हैं। उन्हें न तो आम जनता की फिक्र है और न देश की। सारण प्रमंडलवासियों के लिए खुशखबरी लाजिमी है। इन सबके इतर एक बहुत ही प्रशंसनीय व अन्य के लिए अनुकरणीय कार्य किया है, मुखिया ग्राम पंचायत राज बहरौली, मशक अजीत कुमार सिंह ने। यह जानने की जिजीविषा आमलोगों में होगी कि ऐसा क्या किया अजीत कुमार सिंह ने। विदित हो कि लंबे समय से मशरक, महाराजगंज नई रेल लाइन का कार्य अधर में लटका हुआ था। इसकी मुख्य वजह रेल अधिकारियों व जमीन मालिकों के बीच विवाद थी। अब महाराजगज और मशरक के बीच नई रेल लाइनों को बिछाने का कार्य युद्धस्तर पर प्रारंभ हो गया है।

बहरौली, मशरक के मुखिया अजित कुमार सिंह के पहल से इस विवाद को आपीसी संवाद के द्वारा सौहार्दपूर्ण माहौल में सफलता मिली। पहले तो अजीत सिंह ने भूमि मालिकों से तो दूसरी ओर रेल अधिकारियों से लंबी बातचीत कर समझौता कराने में सफलता हासिल की। विवाद मुख्य रूप से बहरौली कोठी से अवलपुरा तक मिट्टी भराई का था। काफी जद्दोजहद के पश्चात् कार्य प्रारंभ हो गाया है। इससे सारण, सीवान और गोपालगंज की आम जनता को इसका लाभ मिलेगा। वर्षो से काम ठप होने के कारण लोगों में क्षोभ था।

गौरतलब बात यह है कि मशरक महाराजगंज नई रेल लाइन का कार्य लगभग इसी वर्ष के अंत तक पुरा कर लिया जाएगा। हालांकि पूर्व में सारा के तत्कालीन जिलाधिकारी सारण दीपक आनन्द ने भी बहरौली मुखिया से इसमें हस्तक्षेप करने की बात कही थी। बातचीत के दौरान केवल सच को मुखिया ने बताया कि मेरा अथक प्रयास है कि हमारे यहाँ एक हाल्ट हो ताकि हमारे क्षेत्र के लोगों के लिए काफी सहुलियत होगी। अजीत सिंह का यह भगीरथ प्रयास भविष्य में सफल भी हो सकता है। इसके लिए वे दिन-रात प्रयासरत हैं। निश्चित तौर पर मुखिया बहरौली की यह पहल न सिर्फ काबिले गौर है, अपितु दूसरे प्रतिनिधियों के लिए अनुकरणीय भी। सारा प्रमण्डल के लोगों में खुशी का माहौल है। रेल सेवा बाधित होने से आम लोगों का काफी कष्ट था। निर्माण कार्य पूरा होने पर आम आमदी को काफी राहत मिलेगी। चुनांचे कहा जा सकता है कि आशावादिता एक आनंदपूर्ण मनोस्थिति है, जो मनुष्य को आपत्ति के स्थिति में घबराना नहीं सिखाती। आशावादी हर हाल में अनुकूल अवसर की प्रतीक्षा करते हैं और निराशावादी हर अवसर में दुर्घटना देखते हैं, ऐसे में एक सूक्ति ही कारगर होती, दिखती है और करके दिखाना है। ●

★ मैंने महशुस किया कि इस विवाद से पूरे प्रमंडल के लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। मुझे लगा कि पहल करना चाहिए। सो मैंने पहल की और

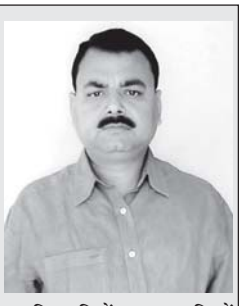

कामयाब रहा। रेलवे अधिकारियों व भूस्वामियों के बीच कड़ी बनकर मामले को सुलझाया। अब मुझे भी इस कार्य से कापी सुकुन महशूस हो रहा है। जनप्रतिनिधि का कार्य जनता की सेवा है। सेवा से बढ़कर दूसरा कोई धर्म नहीं।

अजीत कुमार सिंह,
मुखिया, बहरौली

हम आभारी हैं मुखिया बहरौली अजीत कुमार सिंह का, जिनके पहले व भगीरथ प्रयास से वर्षो से बाधित मशरक-महाराजगंज रेल लाइन का कार्य प्रारंभ हो पाया है। इस प्रयास के लिए अजीत कुमार सिंह साधुवाद के पात्र हैं।
बी.के. सिंह, मुख्य अभियंता (रेलवे)

जनता समय आने पर जवाब देगी : तारकेश्वर सिंह

विचार और कार्य की स्वतंत्रता ही जीवन, उन्नति और कुशल क्षेम का एवमेव साधन है। यदि किसी तिथि से किसी भी साल का आरंभ होना माना जाय तो यह भी मानना होगा कि वर्ष के हर दिन के पाटल की पांखुरी की तरह सिद्ध करेंगे। नये साल पर बेहतर यही है कि उन कटुताओं और कंटीलेपन को भुला दिया जाये। घाव यदि कुरेदे जाते रहे तो हमारा अंतर्मन विकृत बना हरेगा। अत:हम नये साल पर सिर्फ पांखुरी ही चुने, पाटल की जिसमें सुगंध हो, सहयोग की भावना हो, और छोड़ दें, उन कांटों को जिनमें चुभन से दर्द ही लहु की शक्ल में रिसता हो। मन में न जाने कितनी अनुभूतियाँ हैं। आपसी सौहार्द को पाकर सूखती नदी का प्रवाह अपनी प्राणों की स्मिता बचा लेता है। यही भावना मुरझाते को प्राणवान बना देती है, वे अश्रवता से अपरिचित रह जाते हैं। वे सिर्फ दूषित अंत:करण वाले,उसे कोसकर चुप रह जाने वाले अर्थहीन है। यह जिन्दगी यह ECO - POINT है जहाँ अपने ही कार्यशैली की खनक अपने ही कानों तक फिर-फिर लौट के आती है। ''अगर तुम ठान लो, तारे गगन के ताड़ सके हो, अगर तुम ठान लो, तुफा का मुँह मोड़ सकते हो।'' केवल सच राष्ट्रीय मासिक पत्रिका के विशेष प्रतिनिधि **आनन्द प्रकाश पाण्डेय** व छाया पत्रकार **अशोक तिवारी** ने तीन बार के विधायक रह चुके व बी.जे.पी. नेता **तारकेश्वर सिंह** से कई मुद्दों पर साक्षात्कार किया, प्रस्तुत है साक्षात्कार:-

★ आपका शुभ नाम?

तारकेश्वर सिंह।

★ क्या आपका परिवार पूर्व से राजनीति से ताल्लुकात रखता है?

नहीं, मेरा परिवार पूर्व से राजनीति से सम्बन्ध नहीं रखता है। मैं काफी साधारण परिवार से हूँ। मेरे दादाजी गृहस्थ थे, मेरे पिता सीवान में चिकित्सक थे। अवकाश प्राप्त करने के पश्चात् सीवान में ही रहे। दो भाई व तीन बहनें हैं।

★ आप राजनीति में कैसे आये?

मेरे अनुज राजनीति में थे, लेकिन उनकी हत्या राजनीतिक कारणों से ही दबंग नेताओं ने करा दी। जनता के पुकार के पश्चात् ऐसा प्रतीत हुआ कि जनता अनाथ हो चुकी है। जनता ने उन्हें नेता बनाया था लेकिन हत्यारों ने उन्हें भी नहीं छोड़ा। इस विषम परिस्थिति में मशरक बिल्कुल अनाथ सा लग रहा था। मेरी इच्छा नहीं होने के बावजूद यद्यपि मैं नौकरी में था छोड़कर राजनीति में आना पड़ा। जनता की आवाज के कारण मुझे भी महशूस हुआ कि इनका कहना सत्य है। अन्याय, अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठाने का काम भी मेरे दादा व पिता से विरासत में मिली। दमन पर अमन की राजनीति, समता-मूलक समाज हो, इस हेतु लड़ाई लड़ने का आगाज हमारे पूर्वजों ने भी किया। अनुज की हत्या के बाद मैं भी उसी पथ पर अग्रसर हूँ। जब मैं सीवान डी.ए.भी. में पढ़ता था वहीं से ए.बी.भी.पी. से जुड़ा था। स्थिति और परिस्थिति में इंजिनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और नौकरी की। परिस्थितिनुकूल सभी समझौता करते हैं, समाज सर्वोपरि है। समाज के लोगों ने मुझसे कहा कि आप यहाँ से निर्दलीय चुनाव लड़िए। तीन दफा मशरक का नेतृत्व किया। फिर जेहन में बी.जे.पी. से चुंकि मैं ए.बी.भी.पी. से जुड़ा था। मेरे पिताजी भी इसी शाखा से जुड़े थे। पिताजी की प्रेरणा से मैंने 2012 में बी.जे.पी. ज्वाईन किया। तब से सहजता व सजगता से भाजपा की राजनीति करता हूँ।

★ भ्रष्टाचार पर आप क्या कहेंगे?

मैं भ्रष्ट व भ्रष्टाचारियों को कभी भी प्रश्रय देने के पक्ष में नहीं रहां जबतक मैं निर्दलीय रहा या दल में रहा हमेशा भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सदन में आवाज उठाता रहा हूँ। मेरी इच्छा रहती है कि समरस समाज हो, परतंत्रता में रहने का किसी का विचान नहीं हो। आधुनिक भारत का निर्माण हो, हम उसी विचार के हैं और इसी विचार के आलोक में काम करते हैं।

★ वर्तमान सरकार की कार्यपद्धति पर आपकी क्या राय है?

वर्तमान सरकार तो इस समय के लिए देवता का स्वरूप है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के अंदर जो इच्छाशक्ति है व इच्छा शायद बहुत पहले के प्रधानमंत्री में हुआ करता था। मैं निश्चित रूप से दावे के साथ कह सकता हूँ कि श्रीमाती इंदिरा गाँधी में भी यह शक्ति थी। लेकिन बीच में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि देश को संभालने वाला कोई नहीं है। इस भीषण परिस्थिति में बी.जे.पी. के नरेन्द्र मोदी जी को जनता ने अपने दमदार नेता को यंग इंडिया का प्रधानमंत्री बनाया। नयी उर्जा पर अग्रसर हैं।

★ प्रधानमंत्री की कौन-सी महत्वपूर्ण योजना सबसे प्रभावशाली है, आपकी नजरों में?

प्रधानमंत्री जी की जितनी भी महत्वकांक्षी योजनाएँ है, सभी महत्वपूर्ण है। लेकिन इसमें गाँव-गाँव बिजली पहुँचा देना। वैसे भी डंके के चोट पर कहा था कि 67 साल के आजादी के बाद भी गाँव अंधकारमाय था लोग दीए व लालटेन जलाकर रहते थे। उन्होंने यह प्रण किया कि सबसे पहले मैं इसको अंधकार मय स्थिति को प्रकाशमय करूँगा। उन्होंने घर-घर बिजली पहुँचाकर संपूर्ण भारत में अल्प समय में विद्युत योजना को कार्यान्वित किया। यह उनकी सबसे सफल योजना है।

★ महात्मा गाँधी ने स्वराज की स्थापना की। आज के परिस्थिति में जन प्रतिनिधियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। सभी मुखियागण सरकार की दोरंगी नीति से क्षुब्ध हैं। इसपर क्या विचार है?

सुराज का सपना निश्चित तौर पर काबिले तारीफ थी, लेकिन अन्तर्विरोध की वजह से काफी दिक्कते आ रही है। मेरी यह अपनी व्यक्तिगत राय है। लेकिन बीच में जो नियम बनाये गए हैं, मेरे ख्याल से घटिया है। इसमें स्वराज का सपना परतंत्र हो रहा है। जनप्रतिनिधी (मुखिया) अपने आप को ठगा हुआ महशूस कर रहे हैं।

★ राज्य सरकार की वर्तमान नीति पर टिप्पणी दें।

इसमें क्या कहूँ, जैसी करनी वैसी भरनी, जनता सर्वोपरि है। जनता, समय आने पर जवाब देगी, अगर मैं गलती करूं तो जनता जवाब देती है। उपर वाले गलती करेंगे तो जनता उनका भी जवाब देगी।

★ भविष्य में आपकी क्या योजना है?

जनता की सेवा करते रहना है, पार्टी के वफादार सिपाही हैं। पार्टी के मुखिया जैसा आदेश करेंगे वैसा ही करेंगे। चुनाव लड़ना ही आदमी की उपलब्धि नहीं होती है। मानवीय मूल्यों की रक्षा करना सबसे बड़ा धर्म है। मेरा उद्देश्य गरीबों, शोषितों की सेवा करता रहूँ। हम सेवा भाव से काम करते हैं।

★ आज की शिक्षा व्यवस्था पर आपका क्या विचार है?

जिस तरह की पढ़ाई हमारे पूर्वजों ने पढ़ी, हमने समय बदला, सबकुछ बदला। अब हम 21वीं सदी में जा रहे है, लेकिन जो पढ़ाई पहले भी जो अब के माहौल में कहीं है। आज की शिक्षा में संस्कार का लोप हो गया है। आज की शिक्षा ने संस्कार का ह्रास हो गया है। बच्चे जब तक संस्कार विहीन रहेंगे देश की सभ्यता, संस्कृति से परिचित नहीं होंगे, शिक्षा निश्चित रूप से अधूरी रहेगी।

★ आज हर विभाग में भ्रष्टाचार का बोलबाला है, जनता आये दिन दो चार हो रही है। क्या कहेंगे?

मैंने शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव व जिलाधिकारी को पत्र लिखा हूँ, लेकिन काई आमूल परिवर्तन नहीं हुआ। इस हेतु मैंने न्यायालय में परिवाद दायर किया है। आज तक पाँच वर्ष बीत जाने पर भी पर्यवेक्षण नहीं हुआ है। इस हेतु मैंने न्यायालय में परिवाद दायर किया है। आज तक पाँच वर्ष बीत जाने पर भी पर्यवेक्षण नहीं हुआ है। आप उम्मीद कर सकते हैं। भ्रष्टाचार की जड़े कितनी गहरी है। वर्तमान में मैंने माननीय उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर किया हूँ, लेकिन आज तक लोगों ने अपना पक्ष तक नहीं रखा है। मुझे न्यायालय पर भरोसा है।

★ सारण जिलों में पुलिस व्यवस्था कैसी है? शराबबंदी में पुलिस कहाँ तक सफल हैं?

जब तक सत्यवीर सिंह एस.पी. थे तब तक सबकुछ ठीक रहा, उसके बाद से स्थिति बद से बदतर है। अपराधियों का बोलबाला है। लेकिन नये एस.पी. हर किशोर राय ने जब से पद संभाला है, तब से काफी सुधार हुआ है। इनकी कार्यशैली सराहनीय है। यही कार्यशैली रही तो सारण जिले में एक उदाहरण प्रस्तुत कर जायेंगे। इनके कार्य प्रणाली से मैं संतुष्ट हूँ। इनके पास विजन है। अपराध पर निमंत्रण पाने की। आज शराबबंदी हर चौक-चौराहों पर पुलिस की मिलीभगत से सुविधानुसार मिल रही है। होम डिलिवरी तक हो रही है। नि:संदेह पुलिस की मिलीभगत का ही नतीजा है। पुलिस वाले माला-माल है। सभी शराबबंदी की आड़ में मोटी रकम वसूल रहे हैं। सरकार की यह शराबबंदी सफल नहीं विफल है।

★ केवल सच राष्ट्रीय मासिक पत्रिका के माध्यम से जनता को क्या संदेश देंगे?

मैं आपकी लोकप्रिय व निर्भिक पत्रिका केवल सच के माध्यम से लोगों में यह संदेश देने के साथ-साथ अपील करना चाहूँगा कि नये साल में पूरे सारणवासियों का आचार-विचार, व्यवहार उन्नत हो और सभी विकास का लाभ उठायें, यही मेरी नववर्ष पर शुभकामनाएँ हैं।

सिवान को मिला कड़क छवि वाले एस.पी.

● आनन्द प्रकाश पाण्डेय/सत्येन्द्र प्रसाद

शाम के आकाश का सुनहरापन कहते हैं, सपने भी ऐसे ही सुनहरे होते हैं। वो सतरंगी सपने जो इंसान कभी बंद तो कभी खुली आँखों से जिंदी के हर दौर में, हर पड़ाव में देखता है। सपने इंसान की जिंदगी को वो सच है, जो अगर हकीकत की कसौटी पर खड़े उतर जाय तो जिंदगी को खुशियों की बहारों से सराबोर कर देते हें। लेकिन सपनों और हकीकत के बीच सफर में जो चुनौतियाँ सपने देखने वाले के हौसलों का असली इम्तिहान लेती है। जब व्यक्ति कुछ विशेष करना चाहता है,जैसे की अपने अस्तित्व को समझना, कुछ ऐसा अनोखा काम करना जिसमें व्यक्तित्व की अलग पहचान बने और समाज उसे उस कार्य के लिए याद करे। अब उसका मकसद पैसा कमाना नहीं रह जाता, बल्कि व कोई विशिष्टता हासिल करना चाहता है, जो उसे भीड़ से अलग करे, यहाँ उसका ध्यान स्वयं से हटकर लोगों पर केन्द्रित होने लगता है कि मानवता के लिए कुछ करें कि आने वाली पीढ़ियाँ या करे।

'LIFE WITHOUT STRUGGLE NO WAY' को ध्येय वाक्य मानने वाले शालीन व्यवहार कुशल व कड़क छवि वाले 2009 बैच के आई.पी.एस. अधिकारी नवीन चन्द्र झा ने सीवान एस.पी. के रूप में मिले। वैसे भी झा बेहद कड़क अधिकारी के रूप में चर्चित रहे हैं। इसके पूर्व उन्होंने मुंगेर, भोजपुर, शिवहर, किशनगंज, जिले में कप्तान का पद संभाल चुके हैं। जितने भी जिलों में कप्तानी की है, वे जिले चुनौतियों वाले हैं। मुंगेर व किशनगंज भोजपुर में कार्य करने वाले कप्तान बिहार के किसी भी जिले की कप्तानी संभालने में परेशनी की सबब नहीं बनती। नये एस.पी. नवीन चन्द्र झा मूलत: बिहार के सहरसा जिले के निवासी हैं। सीवान एस.पी. के पद पर आने से पूर्व श्री झा Criminal Investigation Department में एस.पी. के पद पर कार्यरत थे।

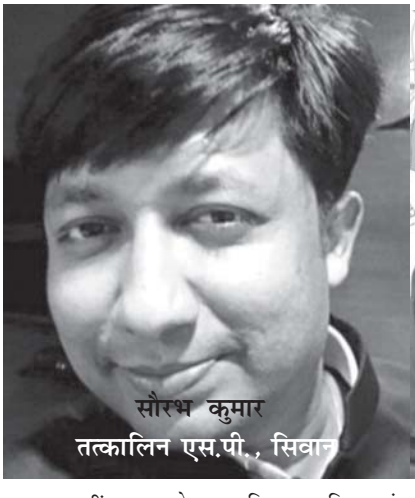
सौरभ कुमार
तत्कालिन एस.पी., सिवान

नवीन चंद्र झा
वर्तमान एस.पी., सिवान

दूसरी ओर निर्वतमान एस.पी. सौरभ कुमार साह का भी कार्यकाल सीवान में लगभग माकुल ही रहा है। यद्यपि सौरभ कुमार साह सीवान को बहुत ही कम समय दे पाते थे। अक्सर लंबी छुट्टी पर हरने वाले श्री साह लंबे अरसे से केन्द्रिय प्रतिनियुक्ति के इंतजार में थे। हालांकि वे लंबे समय से इसके लिए प्रयासरत थे। इसके पीछे मूल कारण उनकी पत्नी हैं। जो दिल्ली में आई.ए.एस. अधिकारी हैं। वे भी दिल्ली की तैयारी में लगे थे। अब वे केन्द्रीय कोयला मंत्री पियूष गोयल के अपर आप्त सचिव बनेंगे।

चुनांचे सीवान कैसा जिला है, किसी से छुपा नहीं है। यहाँ अपराधियों के पाप के ताप से सिवान हमेशा तपता ही रहता है। ऐसे में नव पदस्थापित एस. पी. नवीन चन्द्र झा से जिलावासियों को काफी उम्मीदें होगी। उम्मीद किया जा रहा है कि एस. पी. साहब सीवान की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरें। ऐसी सुखद कामना के साथ नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ। ●

सशक्त महिला-सशक्त समाज मेरा लक्ष्य : उर्मिला

आज झंझावतों की दंश से मुक्त, महिला उत्पीड़न की हर मामले से निपटने की अदम्य साहस रखने वाली तथा निरंतर अपनी लेखनी तथा प्रयासों से हर दिल पर हुकुम्मत करने वाली सखि री महिला विकास संस्थान की मैनेजिंग डाइरेक्टर **उर्मिला सिंह** केवल सच मासिक पत्रिका के विशेष प्रतिनिधी, **आनन्द प्रकाश पाण्डेय** व छायाकार **अशोक तिवारी** का साक्षात्कार के प्रमुख अंश :-

★ आपका शुभ नाम?

उर्मिला।

★ आप सखि री महिला विकास संस्थान की मैनेजिंग डाइरेक्टर हैं। एक महिला होकर इतनी बड़ी जिम्मेवारी कैसे संभालती हैं?

मुझे खुशी है कि महिलाओं की जो समस्याएँ है, उस पर मैं काम कर रही हूँ। इससे एक अलग आत्मीय पहचान बनी है। किसी भी तरह की समस्या होती है, तो वे बेखौफ हमारे पास आती है। उनहें इस बात का पूरा भरोसा होता है कि मैडम हमारी हर संभव मदद करेंगी। कोई व्यक्ति एक परिवार का निर्माण करता है, लेकिन मैंने हजारों परिवारों के निर्माण का काम किया है। साथ ही उनके हर सुख-दुख में सहभागी हूँ।

★ 'सखि री' महिला संस्थान द्वारा किन-किन क्षेत्रों में कार्य हो रहे हैं?

वर्तमान में हमारी संस्था, गवरनेंस, घरेलू हिंसा, बाल-विवाह तथा पंचायती राज में जो महिलाएँ आयी है, उनके क्षेत्र में कैसे विकास हो इस मुद्दे पर भी काम कर रही हैं।

★ नारी सशक्तिकरण पर आपका क्या विचार है?

सखि री संस्था नारी सशक्तिकरण के कई मुद्दो पर काम कर रही है। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करना, पेंटिंग, सिलाई को बाजार से जोड़कर प्रशिक्षण दे रही है। उनके खूद की क्षमता, नेतृत्व, कानूनी राय व कौशल विकास के क्षेत्र में महिलाएँ जलवा बिखेर रही है।

★ आप महिला हैं इस तरह के कार्य करने में घर व समाज के लोगों ने कभी विरोध नहीं किया?

क्या बताऊँ उन परिस्थितियों में मुझे हर तरह से रोका गया। जो भी महिलाओं पर लांछन या उलाहने होते हैं हर तरह का चौतरफा हमला मुझ पर हुआ। लेकिन मेरी मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा था। यद्यपि 1992 के दौरान काफी संर्घा भरा जीवन रहा। उसी समय मैं संपूर्ण साक्षरता ग्राम स्वराज कार्यक्रम में मैं जिला को-ऑर्डिनेटर थी। प्रशिक्षण के दौरान सचल-दल बनाया गया तथा उमसें बिहार से 2000 महिलाएँ आयी थी, जिसमें एक मात्र मैं चुनी गई। मेरे बारे में प्रेम भाई वनवासी सेवाग्राम ने कहा था - ''ये लड़की एक दिन बहुत अच्छा करेगी, इसका जज्बा और जुनून देखकर लगता है।

★ अबतक किन-किन क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आपने काम किया है?

मैंने सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक स्तर पर महिलाओं के लिए सर्वांगिण विकास हेतु कार्य किया है। महिलाओं को समाज में स्थापित करने, उनका वाजिब हक दिलाना मेरी नियति और जज्बा है, जिसके बदल पर सदैव आगे बढ़ने को प्रयासरत हूँ।

★ क्या आपके इन कार्यों में जनप्रतिनिधियों या अधिकारियों का सहयोग मिलता है?

जी हाँ, प्रशासनिक पदाधिकारियों का सहयोग मिलता है। हाँ, मानक स्तर से जितना सहयोग मिलना चाहिए उतना नहीं मिला, हाँ महिला सुरक्षा पदाधिकारी का सहयोग मिलता है।

★ आपके पास महिला उत्पीड़न के कितने मामले आये हैं?

ऑन रिकार्ड 55 मामले आये है। इनमें 15 मामले थाने में 3 मामले कोर्ट में बाकी मामले को मैनें अपने स्तर से मेल-मिलाप कर सुलझाया है। लोग अधिकतर मामले थाने नहीं जाने देना चाह रहे थे।

★ घरेलू हिंसा बढ़ने का मुख्य कारण क्या है? इनके क्या निदान हो सकते हैं?

आज की तारीख में घरेलू हिंसा बहुत बड़ी समस्या है। निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है कि आज महिलाओं का विकास हो रहा है, आज वो खुलकर सामने आना चाह रही है। वे पुरूषों के समान कदम से कदम मिलाकर चलना चाहती है।

★ सामने भागीदारी का क्या अभिप्राय है?

समाज में भागीदारी हेतु पुरूषों को आगे आना होगा। अगर हम सहजता से उठेंगी, कोमलता के साथ आगे बढ़ेंगी। केवल घरेलू हिंसा पर कानून बनाने से नहीं होगा। जब तक हमारी ओछी सोंच नहीं बदलेगी।

★ सशक्त महिला : सशक्त समाज यह आपका सूक्ति वाक्य है?

सशक्त महिला होगी तभी सशक्त समाज की परिकल्पना संभव है। भेद-भाव,हिंसा रहित समझा मूलक समाज की स्थापना के लिए तथा महिलाओं के नेतृत्व का विकास और लैंगिक भेद-भाव को कम करना है।

★ कानून की नजर में हिंसा के कितने प्रकार है?

कानून के नजर में हिंसा के चार प्रकार है, यथा-शारीरिक हिंसा, यौन हिंसा, मौखिक और भावनात्मक हिंसा और आर्थिक हिंसा।

★ आज की महिलाएँ क्या चाहती है, आपके विचार से?

आज की महिलाओं को निर्णय लेने की क्षमता पसंद/नापसंद, तुम और मैं बने रहने का अधिकार चाहती है।

★ वर्तमान में चल रहे अपने प्रोजेक्ट के बारे में बताएँ?

मेरा वर्तमान में एक प्रोजेक्ट चल रहा है, जो 20 गाँवों में सुचारू

रूप से चल रहा है। 20 गाँवों हेतु हमने चार ग्रुप बनाया है। एक व्यस्क लड़कियों का अवयस्क लड़के-लड़कियों का,एक युवाओं का अलग ग्रुप बना है। चारो ग्रुप का मुख्य उद्देश्य है कि अवयस्क जो कहीं न कहीं बाल-विवाह से पीड़ित हैं। जो हमारा युवा वर्ग है, वह हिंसा का शिकार हैं या हिंसा करता है। पूर्व में हमने दो पंचायतों में 10 वर्षों से अनवरत घरेलू महिला हिंसा पर कार्य किया है। दूसरे तरफ हर वार्ड स्तर पर सखी ग्रुप बना हुआ है। हलांकि प्रोजेक्ट बंद हो गया, लेकिन मेरा काम अभी चल रहा है। इन 12 वर्षों में मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि 12 वर्षों में घरेलू हिंसा को लेकर शायद ही ऐसा घर हो जो घरेलू हिंसा से पीड़ित न हो। बहुत से घरों में ऐसे मामले दबा दिये जाते हैं, जब मामला सर के ऊपर बहने लगता है, तब पूरा मामला सामने आ पाता है। इसका प्रमुख कारण (1) जमीनी विवाद (2) पति कम पढ़ा लिखा, कमजोर, पत्नी पढ़ी लिखी होना (3) बच्चों की पढ़ाई-लिखाई या पति का निकम्मा होना घरेलू हिंसा के लिए जिम्मेवार हैं।

★ केवल सच पत्रिका के माध्यम से अपने क्षेत्र की घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए क्या संदेश देंगी?

आपकी लोकप्रिय पत्रिका की मैं वार्षिक सदस्य भी हूँ। मेरा संदेश होगा कि महिलाएँ अपने अंदर की सहनशीलता को बनाये रखें। उन्हें प्रेम की प्रतिमूर्ति कहा जाता है, इसे उन्हें कायम रखना होगा। अपनी भावनाओं से अपने परिवार को अवगत कराएँ। जब हर प्रयास असफल हो जाए तब ही जंग के मैदान में उतरें। उन्हें हर स्तर पर मजबूत बनाना होगा और अपने परिवार को अपनी सूझ-बूझ से टुटने से बचाना होगा।

पिछड़ों एवं सर्व समाज के प्रगतिशिल मतदाताओं की आवाज प्रमोद प्रियदर्शी

● **सनोज कुमार**

गोरैयाकोठी की राजनीति में युवाओं की सक्रियता, लोगों की सेवा, दलितों, अकलियतों, पिछड़ों एवं सर्व समाज के प्रगतिशील मतदाताओं की आवाज व वाजिव हक दिलाने के लिए हमेशा संघर्षरत हैं। जी हाँ ओ कोई और नहीं बल्कि 111, गोरैयाकोठी विधानसभा क्षेत्र के वरीय जदयू नेता प्रमोद प्रियदर्शी हैं। सन् 1995 से राजनीति में सक्रिय, दलितों, अकलियतों, पीड़ितों एवं सर्व समाज के प्रगतिशील मतदाताओं की आवाज बनकर समाज के सुधार हेतु संकल्पित। बाल-विवाद एवं दहेज प्रथा के उन्मूलन हेतू प्रयासरत नशाबंदी के प्रबल समर्थक विगत वर्ष की मानव श्रृंखला में कई हजार लोगों को जोड़कर अफराद मोड़ से तरवारा एवं सिसई तक लाने का कार्य किया। पुनः 21 जनवरी 2018 को

प्रस्तावित मानव श्रृंखला की सफलता हेतू घर-घर जाकर जन-जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं एवं सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने हेतू समाज के सभी तबको के युवाओं को जोड़कर इसे एक मुहिम एवं आंदोलन का रूप दे रहे हैं। इनके पिता डॉ. रामबवचन राय, विधान पार्षद (जदयू) एवं बिहार पुस्तकालय प्राधिकार के अध्यक्ष हैं। श्री राम दूसरी बार विधान पार्षद हैं और सत्तरूढ़ दल के उपनेता भी हैं। प्रमोद प्रियदर्शी आज 111, गोरियाकोठी विधानसभा में उभरते युवा नेता हैं। लोगों के बीच स्वच्छ राजनीति जीवन में अपनी एक अलग पहचान बना ली है और आगे विधानसभा चुनाव में जनता की अदालत में जाने को कमर कस चुके हैं। आज युवाओं की पसंद उभरते हुए युवा नेता के रूप में लोगों द्वारा कयास लगाए जा रहे हैं। और कहते हैं कि ''काम करो ऐसा कि पहचान बन जाय, हर कदम ऐसा चलो की निशान बन जाय। यह जिन्दगी तो सभी काट लेते हैं, जिन्दगी ऐसे जियो की मिशाल बन जाए।'' ●

नववर्ष, सरस्वती पूजा व गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर ग्राम पंचायत राज सेमरी, मशरक की सम्मानित जनता को हार्दिक शुभकामनाएँ

-: निवेदक :-

कुसुम देवी, मुखिया

ग्राम पंचायत राज-सेमरी, मशरक,

सारण, मो०:-9006669524

चंदन सिंह

मुखिया प्रतिनिधि

भ्रष्टाचारी सावधान हो जाएँ : सुशील कुमार डब्लू

जोश से कोई अछूता नहीं रहता, यह पत्थरों में जान डाला है, क्रूर व्यक्तियों को भी मोह लेता है। जन्मजात निश्छलता ही जोश है और सत्य इसके बिना कहीं भी विजय प्राप्त नहीं कर सकता। जोश या उत्साह एक ऐसा ताकत है, जो सफलता की ओर बढ़ने में प्रेरक है। आपके जोश को देखकर ही पता चलता है कि अमुक चीज को पाने के लिए आपको जुनून कितना है। एक दूसरे को सहयोग से आगे बढ़ते हैं। एक दूसरे के काम आते हुए लोग ऊँची उपलब्धियों को प्राप्त करते हैं, निष्ठा में करते हैं। ऐसे लोगों की टीम कभी थकती नहीं, कयोंकि उनमें मंजिल को पाने का विश्वास कूट-कूट कर भरा होता है। चिंता का क्या लाभ? चिंता तो कभी भी उचित नहीं थी। अत: अपने कटटों को अपने पुराने झोलों में बंद करो और मुस्कुराओं, मुस्कुराओ, मुस्कुराओ। आत्म विश्वास से लवरेज युवा शक्ति का अगाज करने वाले एक युवा नेता जो कम समय में जनता में अपनी जगह बनाने वाले जिला पार्षद भगवानपुर हाट, सीवान **सुशील कुमार डब्लू** से केवल सच राष्ट्रीय मासिक पत्रिका के विशेष प्रतिनिधी **आनन्द प्रकाश पाण्डेय** व छाया पत्रकार **अशोक तिवारी** का साक्षात्कार :-

★ आपका शुभ नाम?

सुशील कुमार डब्लू, जिला पार्षद, भगवानपुर हाट।

★ आपकी राजनीतिक पृष्ठभूमि क्या है?

मेरा परिवार हमेशा से जनता की सेवा का प्राथमिकता दिया। मेरे माता-पिता क्रमश: मुखिया रहे हैं।जो कुछ भी सीखा है अपने पिता से ही सीखा है। मुखिया के रूप में मेरे माता-पिता ने गरीबों की सेवा की है। मेरी भी चाह है कि उनके सम्मान के लिए कुछ करूँ, ऐसी हमारी दिली ख्वाहिश है।

★ अब तक की उपलबिधयों के बारे में बताएँ।

पूर्व में मैं छात्र राजद का अध्यक्ष (जे.पी.यू.) रहा हूँ। अध्यक्ष रहते छात्रों की हर समस्या के माकुल समाधान के लिए लड़ता रहा हूँ। आज भी मेरी ख्वाहिश रहती है कि सरकार की हर योजना का लाभ हर गरीब तक पहुँचे।

★ वर्तमान में राजद की राजनीतिक स्थिति पर आपकी क्या राय है?

देखिए, राजनीति में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। पार्टी है तो संघर्ष है। बिना संघर्ष के पार्टी नहीं चलती। पार्टी में कहीं से किसी प्रकार का मतभेद नहीं है। हम बिल्कुल नई ऊर्जा के साथ बिहार के युवाओं का रूझान पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी के नेतृत्व में नई रवानी में आयेगी। जिस दिन तेजस्वी यादव जी बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे बिहार में नया इतिहास लिखा जायेगा।

★ हाल ही में आप पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से मिले हैं, मिलने की कोई खास वजह?

देखिए, हम पार्टी के वफादार कार्यकर्त्ता हैं, तो मिलना-जुलना स्वाभाविक है। पार्टी के मजबूतीकरण के लिए जागरूक हो, जनता से जुड़े रहें।

★ अधिकारी से लेकर कर्मचारी भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डूबकी लगा रहे हैं। इसके लिए आप क्या कर रहे हैं?

महोदय हमारी लड़ाई हमेशा से भ्रष्टाचार के विरोध में रही है। एक बानगी ले-शौचालय योजना। प्रखंण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा कुछ ठेकेदार नियुक्त किये गए है, जिसके द्वारा देशी बालू से निर्माण हो रहा है। इस प्रकार घटिया निर्माण कराकर सिर्फ योजना की खानापूर्ति की जा रही है। इसके एवज में अवैध राशि की वसूली बदस्तुर जारी है। कर्मचारी की स्थिति यह है कि अंचलाधिकारी को भी ठेंगा दिखाता है। यही विडंबना है कि जितने भी पदाधिकारी आये हैं व कर्मचारी की यही नियति बन चुकी है। जिला परिषद् की बैठक में मैंने इस बात को उठाया हैं। अपर समाहर्त्ता महोदय ने खुद जाँच की बात कही है। राजस्व कर्मचारी दलालों के द्वारा काम कराता है और लोगों का आर्थिक दोहन करता है। या तो अधिकारी दोहन को सह दे रहे हैं या मूक दर्शक बने हुए है।

★ समेकित बाल विकास परियोजनान्तर्गत चल रही आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति क्या है?

कमोवेश पूरे जिले की स्थिति यही है, शायद ही कोई केन्द्र हो जहाँ 10-15 से ज्यादा बच्चे हो, सिर्फ कागजी घोड़े दौड़ाये जा रहे हैं। जिला से प्रखंड तक सभी अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं।

★ जिला पार्षद के रूप में आपके द्वारा कौन-कौन से कार्य हुए है?

हमारे क्षेत्र में मिट्टीकरण, ईटकरण कार्य कराया गया है। शंकरपुर में 1000 फीट मिट्टीकरण व ईटकरण, राजापुर में मिट्टीकरण व ईटकरण कार्य सम्पन्न।

★ भ्रष्टाचार पर आप क्या कहेंगे?

मैं हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ हूँ और इसके विरोध में मेरी आवाज हमेशा उठेगी। मैं केवल सच के माध्यम से बता देना चाहता हूँ कि भ्रष्टाचारी सावधान हो जाएँ। इसके खिलाफ मेरा आंदोलन चलता रहेगा।

★ निकट भविष्य में आप क्या करना चाहते हैं?

मैं 24 X 7 जनता के लिए मौजूद हूँ। कोई भी समस्या हो मैं आपके साथ हूँ। मेरी कोशिश रहेगी कि अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचे, इसके लिए मैं प्रयासरत हूँ।

★ क्षेत्र की जानता के लिए क्या संदेश देना चाहेंगे?

मैं केवल सच राष्ट्रीय पत्रिका के माध्यम से क्षेत्र की जनता को यह संदेश देना चाहूँगा कि आपस में अमन-चैन व भाईचारे के साथ रहें।

★ युवा वर्ग से क्या अपील करना चाहेंगे?

युवा वर्ग देश की रीढ़ है। आज प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक की स्थिति बदतर है। जब तक हमारे युवा शिक्षित नहीं होंगे, तबतक देश विकसित नहीं होगा। वे भविष्य के कर्णधार हैं।

★ केवल सच परिवार की ओर हार्दिक शुभकामनाएँ।

जी, आपके और आपके पत्रिका परिवार को निर्भिकता के लिए शुभकामनाएँ।

विकास मेरा लक्ष्य, शांति मेरी पूजा, सेवा हमारा धर्म : राजकिशोर

सिवान जिले के अन्तर्गत भगवानपुर हाट, प्रखड के ग्राम पंचायत राज बिलासपुर में दिखने लगा विकास कार्य। इस पंचायत की मुखिया श्रीमति कलावती देवी एवं मुखिया प्रतिनिधि श्री राजकिशोर प्रसाद (पूर्व सेवा निवृत शिक्षक सह समाज सेवी) अपने पंचायत में पचायत की चहुंमुखी विकास के लिए दृढ़ निश्चय ले चुके हैं और महज कुछ ही माहों में विकास दिखने लगा और लोगों की जुबान पर अब ये कयास लगाए जा रहे कि अब मॉडल पंचायत का दर्जा भविष्य में मिल जाएगा, ऐसा केवल सच टीम को आम जनता द्वारा जानकारी दी गई। अपितु लोक कल्याणकारी एवं सरकार द्वारा अभी सात निश्चय योजना के अन्तर्गत बिलासपुर पंचायत में हर घर नल जल योजना का शुभारंभ किया जा चुका है। साथ ही इस पंचायत को ओ.डी.एफ भी घोषित किया जा चुका है। मुखिया प्रतिनिधि श्री प्रसाद का कहना है कि ''आदर्श पंचायत बनाना है, जिले में सम्मान दिलाना है। काम करो ऐसा कि पहचान बन जाए, यह जिन्दगी तो सभी काट लेते हैं, जिन्दगी ऐसे जिओ कि मिशाल बन जाए।'' तो आइए ऐसे समाज सेवी एवं मुखिया प्रतिनिधी **श्री राजकिशोर प्रसाद** से बिलासपुर पंचायत के अन्तर्गत विकास कार्यों पर केवल सच राष्ट्रीय मासिक पत्रिका के जिला ब्यूरो **सनोज कुमार** के साथ साक्षात्कार के प्रमुख अंश:-

★ आपका नाम?

राजकिशोर प्रसाद, मुखिया प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत राज-बिलासपुर, प्रखण्ड-भगवानपुर हाट, जिला-सिवान।

★ आपके पंचायत में विकास का राज क्या है?

देखिए, विकास मेरा लक्ष्य, शांति मेरी पूजा, सेवा हमारा धर्म, नहीं कोई झूठा वादा, सिर्फ विकास का इरादा।'' क्योंकि पंचायत का चहुँमुखी विकास करना ही मेरा लक्ष्य है। मैं अपने पंचायत की समस्त सम्मानित जनता का आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने मेरी पत्नि श्रीमती कलावती देवी को अपना आपार समर्थन देकर मुखिया प्रतिनिधि के लिए चुना और मुझे विश्वास के साथ चुना है।

★ बिलासपुर पंचायत में वर्तमान कार्यालय में आपके स्तर से कराए गए कार्य कौन-कौन से है?

मेरे पंचायत में करीब 20 माह में कराए गए कार्य :- ☞धर्मराज गांव में खिल्लीघाटी में मिट्टी भराई। ☞नौवां टोला गांव में शहीद स्मारक के पास मिट्टी भराई। ☞महारी आंगनबाड़ी केन्द्र पे मिट्टी भराई। ☞जगदीश साह के घर से हनिफ मियां के घर तक 1600 फीट ईंटकरण।

☞धर्मराज -शिार साह के बथान के पास ब्रह्मस्थान के पास मिट्टी भराई। ☞सुघरी, कली टोला प्राथमिकी विद्यालय के प्रांगण में मिट्टी भराई कार्य। ☞सुघरी पूरब टोला में ब्रह्मस्थान के पास मिट्टी भराई एवं चबूतरा निर्माण कार्य। ☞बिलासपुर शमशान घाट के पास मिट्टी भराई कार्य। ☞बिलासपुर से बली-विशुनपुरा सड़क में मिट्टीकरण एवं ईंटकरण कार्य। ☞बिलासपुर सीमा से धर्मराज सीमा तक खाड़ की सफाई। ☞बिलासपुर गिरी टोला शिव मंदिर के प्रांगण में मिट्टी भराई। ☞बिलासपुर छठ घाट में मिट्टी भराई। ☞सुघरी में शिवकुमार सिंह के घर से हरिकिशोर भगत के घर तक मिट्टी करण कार्य। ☞मघरी हदीस मिया के बथान से धर्मराज सीमा तक मिट्टीकरण कार्य। ☞मघरी में हदीश मियां के घर से बिलासपुर सीमा तक मिट्टी भराई कार्य। ☞राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय मघरी कन्या के प्रांगण में मिट्टी करण कार्य। ☞सुघरी में राजेन्द्र सिंह के घर से रामजीवन सिंह के घर तक मिट्टी करण कार्य। ☞धर्मराज में वशिष्ठ सिंह के घर से गली मियां के घर तक मिट्टीकरण कार्य। ☞सुघरी पंडाल से नहर बांध तक मिट्टीकरण। ☞सुघरी स्व. दारोगा सिंह के घर से रऊफ मियां के घर तक प.सी.सी. कार्य। ☞ग्राम सुघरी पश्चिम टोला में ब्रह्मस्थान से मोख्तार साह के घर तक पी.सी.सी. कार्य। ☞ग्राम सुघरी में रऊफ मियां के घर से ब्रजेश सिंह के घर तक पी.सी.सी. कार्य। ☞धर्मराज, जगननाथ के घर से तीन मुहानी तक मिट्टीकरण एवं इंटकरण कार्य। ☞मघरी में नहर पुल से गछुली पोखरा तक मिट्टीकरण एवं ईंटकरण कार्य। ☞कुल नव निर्मित शौचालय-800 लगभग। ☞मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के अन्तर्गत वार्ड नं. एक (01) एवं तीन (03) में हर घर नल जल योजना का कार्य प्रारंभ। ☞अन्य योजना भी जैसे पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना भी मेरे पंचायत में प्रगति पर है।

★ बिलासपुर पंचायत का सर्वांगिण विकास के साथ प्रत्येक समस्याओं से निजात दिलाकर मॉडल पंचायत बनाने के लिए कटिबद्ध हूँ। साथ ही सरकार द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं को धरातल पर उतारना मेरा कर्त्तव्य है।

कलावती देवी, मुखिया

★ केवल सच पत्रिका के माध्यम से आम जनता को क्या संदेश देना चाहेंगे।

उत्तर: नववर्ष की शुभकानमा है, केवल सच पत्रिका परिवार को साथ ही पंचायत के सम्मानित जनता एवं प्रखण्ड के पदाधिकारियों को, अन्त में अनन्त शुभकामनाएं, माननीय संपादक महोदय को।

सबका साथ-सबका विकास : मुन्ना कुमार

छूट के के लूट या लूट के छूट। चारो तरफ हाहाकार मची है। चाहे आंगनबाड़ी हो, चाहे स्वास्थ विभाग चाहे हो जनवितरण हर तरफ लूट के छूट है। जी हाँ यह कहावत नहीं बल्कि बलियाँ पंचायत में संचालित विभिन्न योजनाओं में देखने व सुनने को मिल रहा है। आखिर क्यों ऐसा हो रहा है। क्या उपर से नीचे तक सभी बेईमान हैं, नहीं कुछ विभाग अपनी ईमानदारी, कर्मठता, कर्तव्य का लोहा भी मनवाता है। वर्तमान समय में बिहार सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाओं का श्री गणेश हो चुका है। माननीय प्रधानमंत्री जी का डिजीटल इंडिया तो माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर शराबबंदी एवं दहेज प्रथा के लिए जन जागरूकता फैलाकर एक अच्छी सोच के साथ अन्य कार्यक्रम कराए जा रहे हैं। पर मेरा संदेश है कि ''हौसले के तरकश में, कोशिश का वो तीर जिंदा रखो। हार जाओ चाहे जिंदगी में सब कुछ, मगर फिर से जीतने की उम्मीद जिंदा रखो।।'' यही मेरी सोच है कि पंचायत का विकास हो शांति सद्भाव कायम रहे, कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुँचे और उन्हें अपनी पात्रता के अनुरूप लाभ मिले उक्त बातें ग्राम पंचायत राज बलियाँ के समाजसेवी व मुखिया प्रतिनिधि **मुन्ना कुमार** ने केवल सच राष्ट्रीय पत्रिका के ब्यूरो **सनोज कुमार** ने साक्षात्कार में कही। विशेष बातचीत के प्रमुख अंश:-

★ आपका नाम?

मुन्ना कुमार, समाजसेवी सह मुखिया प्रतिनिधी, ग्राम पंचायत राज-बलियाँ, प्रखण्ड महाराजगंज, सीवान।

★ समाज सेवा करने का उद्देश्य क्या है?

समाज सेवा करने का उद्देश्य है कि गरीब, असहाय, अशिक्षित लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़कर बलियाँ पंचायत की जानता का सेवा करता रहूँ और विकसित पंचायत का निर्माण कर सकूँ।

★ विकास के क्षेत्र में अब तक कौन-कौन से कार्य हुए है?

मुख्य रूप से मनरेगा योजना के तहत कार्य हुए है, जिसमें :-☞बलियाँ शम्भू के घर से शंकर महतो के घर तक मिट्टीकरण एवं ईटकरण।☞बलियाँ शंकर महतो के घर से मोहन साह के घर तक मिट्टीकरण एवं ईटकरण।☞रा.उ.म.क.वि. गौर के प्रांगण में मिट्टीकरण।☞गौर विश्राम प्रसाद के घर से विशुनजी के घर तक पी.सी.सी. कार्य।☞बलियाँ माँ गढ़देवी, मंदिर प्रांगण में मिट्टीकरण।☞बलियाँ बेंचू पाण्डेय के घर से जगदीश प्रसाद के घर तक पी.सी.सी. कार्य।☞रा. उ.म.वि. माधोपुर कन्या से लेकर लाल प्रसाद के घर तक मिट्टीकरण कार्य।☞गौर धर्मेन्द्र गुप्ता के घर से शिवलोचन प्रसाद के घर तक मिट्टीकरण एवं ईटकरण कार्य।☞गौर निजामुद्दीन मंसूरी के घर से लेकर शिवजी महतो के घर तक मिट्टीकरण एवं ईटकरण कार्य।☞गौर प्रा. वि. प्रांगण में मिट्टीकरण कार्य।☞बलियाँ रामदयाल प्रसाद (शिक्षक) के घर से मशान माई तक मिट्टीकरण का कार्य।☞बलियाँ कुमार ब्रह्मस्थान पर चबूतरा का निर्माण कार्य।☞माधोपुर विंध्याचल पाण्डेय के घर ब्रह्मबाबा के स्थान तक मिट्टीकरण कार्य।

★ आपके पंचायत कार्यालय से संबंधित पंचायत सचिव, कर्मचारी, आवास सहायक आदि कर्मी ससमय उपस्थित रहकर अपने कार्यों का निर्वहन करते हैं या नहीं?

बलियाँ पंचायत कार्यालय के कर्मी यदा-कदा पंचायत कार्यालय में उपस्थित होते हैं, जब मेरे द्वारा पूछा जाता है तो अन्य कार्यों का हवाला देकर प्रखण्ड मुख्यालय पर होने की बात कहते हैं, जिससे की पंचायत के आम जनता की कार्य समय पर निराकरण नहीं हो पाता है।

★ शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालयों की क्या स्थिति है एवं शिक्षक समय से शैक्षणिक कार्य करते हैं या नहीं?

इस पंचायत में मात्र एक शिक्षा व्यवस्था ही है कि जिसपर मुझे गर्व होता है। यहाँ खास तौर पे संकुल प्रभारी श्री अखिलानन्द पाण्डेय जी प्रबुद्ध व वरीष्ठ शिक्षक होने के चलते पूर्व से ही विद्यालयों की स्थिति उत्तम रहा है और सभी शिक्षकों का शिक्षा के प्रति समर्पण की भावना रहती है। चूंकि मेरे पिता श्री मंगल मांझी भी शिक्षक थे अभी वे सेवानिवृत हो चुके हैं और मैं हमेशा शिक्षकों का सम्मान करता हूँ।

★ आंगनबाड़ी केन्द्रों की क्या स्थिति है?

आँगनबाड़ी भ्रष्टाचार का केन्द्र बना है। यहाँ तो छूट के लूट या लूट के छूट वाली कहावत है, पर्यवीक्षिकाओं से संपर्क किया जाता है तो कहती है कि सभी केन्द्र अच्छा से संचालित किए जाते हैं। यही बात सी.डी.पी.ओ. से शिकायत करने पर कहती है। मगर जिला प्रशासन से माँग करना चाहता हूँ कि आप बलियाँ पंचायत के सभी आँगनबाड़ी केन्द्रों की जाँच इस विभाग से अलग कर जाँच कराया जाय तो दूध का दूध और पानी का पानी पता चल जाएगा।

★ जन वितरण प्रणाली की क्या स्थिति है?

प्राय: लोगों की शिकायत मिलती है, व्यवस्था के अनुरूप आम जनता अपने हक से वंचित रह जाते हैं जो जाँच का विषय है,कुछ के जन वितरण प्रणाली को छोड़ सभी का स्थिति अच्छा नहीं है।

★ स्वास्थ्य उपकेन्द्र की क्या स्थिति है?

स्वास्थ्य उपकेन्द्र पर चिकित्सक समय से रहेगे तभी तो मरीज

मैं चाहती हूँ कि बलियाँ पंचायत की समानित जनता का हक सही समय से मिले फिलहाल पेंशन के लिए प्रत्येक दिन महिलाएँ सुबह होते हैं। दरवाजे पर पहुँचकर अपनी शिकायत दर्जकराती है। मुझे दु:ख होता है। इसलिए प्रखण्ड के पदाधिकारी से कहना चाहती हूँ। काम को सहज बनाने एवं आम जन की कार्यों को पंचायत स्तर पर ही उनके विभिन्न समस्याओं का निराकरण हो।

राधिका देवी, मुखिया
ग्राम पंचायत बलियाँ

वहाँ जाकर उचित परामर्थ व इलाज करा सकें वहां ए.एन.एम.ए. अन्य कर्मियों की स्थिति थी, ढाक के तीन पातवाली है।

☆ मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना पर आप क्या कहेंगे?

देखिए मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना पर मुखिया महासंघ द्वारा कार्य का दरबार खटखटाया गया एवं बिहार सरकार के खिलाफ आंदोलन भी किया गया पर इस मामले में हमलोगों की हार हुई। कोर्ट द्वारा बहरहाल मेरे पंचायत में अब कार्य प्रारंभ करने की स्थिति बन चुकी हे और पदाधिकारी स्तर से कार्य प्रगति पर है। बहुत जल्द धरातल पर कार्य दिखने लगेगा।

☆ सर्दी का मौसम की नजाकत को देखते हुए अभी आपके द्वारा गरीब-असहायो की क्या मदद हो रहा है?

अच्छा सवाल किया पत्रकार बन्धु ने मैंने अभी-अभी केवल मंगाया है 200 पीस जो आप देख भी रहे हैं। इसे 200 गरीब परिवार के सदस्यों के बीच सभी गरीब थी मुखिया गण एवं प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी महाराजगंज के द्वारा वितरण किया जाएगा एवं कुछ जगहों पर अलाव की व्यवस्था भी मेरे स्तर से किया गया है।

☆ ''केवल सच'' राष्ट्रीय मासिक के माध्यम से पदाधिकारी गण एवं जनता से क्या कहना चाहेंगे?

सर्वप्रथम महाराजगंज प्रखण्ड के पदाधिकारीगण को नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ सरकार द्वारा आमजनता के लिए प्रत्येक योजनाओं का ससमय लाभ मिले, कार्यालय (पंचायत) में समय से पंचायत स्तर के कर्मी उपस्थित रहे ताकि जनता अपनी समस्याओं को जन प्रतिनिधि के समक्ष, सक्षम पदाधिकारी/कर्मी से निराकरण करा सके। साथ ही आमजनता, जिन्होंने अपना अमूल्य वोट देकर मुखिया बना उनको तुम्हें दिल से नमस्कार करते हुए शुभकामनाएँ नववर्ष में एवं पत्रकारिता के क्षत्र में निरंतर 13 वर्षा से केवल सच पत्रिका सहित सभी पत्रकार बन्धुओं को कोटी-कोटी नमन करता हूँ। मुझ जैसे साधारण समाजसेवी को अपनी बातों को रखने का मौका दिया इसके लिये साधुवाद।

गौ माँ को राष्ट्रीय पशु घोषित करे केन्द्र सरकार

● **श्रवण कुमार चंचल**

देश की आजादी-आजादी रटते हम, और हममें से कितने लोगों ने गौ माता के आजादी के लिए रट लगाई हो। हमें धिक्कार है कि अपनी माँ की आजादी के लिए हम कुछ कर नहीं नहीं पा रहे हैं। एक तरफ हम गौ को माता की दर्जा देते हैं, शास्त्रों के अनुसार और दूसरे तरफ हमारी माँ हमारे ही मातृभूमि की धरा पर कट रही है और हम बेशर्मी की हदें पार कर अपनी निर्लज आँखों से यह सब देख रहे हैं। वार-रे-वाह हम सभी शर्म को धोकर पी गये हैं। हम हिन्दुस्तान किस मुँह से कह रहे हैं कि ये हमारा देश-वतन है। जब हम अपनी माँ को अपनी आँखों के सामने कटते देखें तो इससे तो हमें मर जाना ही ठीक है।

शास्त्रों के अनुसार आप और युगों में गौ माता को काटने की प्रचलन को सुने हैं। चाहे सत्ययुग हो, त्रेता युग हों, द्वापर युग हों और आज कलयुग में हमें देखने को मिल रहा है। ये काटने कि किसने इजाजत दे रखी है? क्या हमारे देश के कानून में गौ माता को काटने का कानून है? यह जनता को जवाब-भारतीय पक्ष व विपक्ष के नेताओं को देना चाहिए? हाँथ में चुड़ी क्यों पहने हैं? कमजोर न बनें? आखिर तो गौ माता सबकी माता है, बोले सभी है कि नहीं? अगर कानून में है गौ माँ को काटने का तो हम उस कानून को मिटा दें। जिसने हमारी माँ को खुलआम कटवा रहा है। हम काट दे उस पापी दरिन्दे को, जिसने हमारी गौ माँ को काट रहा है। ऐ दरिन्दे होश में आ जाओ।

हम सभी हिन्दुस्तान-हिन्दुस्तान कह कर कहते हैं कि ये हमारा हिन्दुस्तान है, पर हिन्दुस्तान पर आधिपत्य किसका है। बस किसका चलता है। हम कितना भी कहें कि हमारा हिन्दुस्तान है। कानून व्यवस्था हमारी है और हमारी सभ्यता संस्कृति से खेलवाड़ करने वाले को हम बक्सेगें नहीं यह हमें भूल जाना चाहिए। हमारे कानून में दम कहां है- दम रहता तो दारू कि दुकाने नहीं खुलती, बच्चे गुटका खाकर नहीं बिगड़ते, गंगा गंदगी से मरी नहीं होती, गऊ माता भारत माता के आंचल में नहीं कटती। इन पर अत्याचार का तांडव नृत्य नहीं होता, आतंकवादियों का निगाह हमारे देश पर ही नहीं होता। आखिर इस पर हमारे देश के आजादी के बाद के नेताओं द्वारा क्या सोचा गया एवं सोचा जा रहा है और क्या कार्यवाई हुआ? और क्या कार्यवाई हो रहा है? या फिलवक्त केवल हूँ कोरम पूरा कर रहे हैं, हमारे नेतागण। कहीं हमारे नेता, हमारे सभ्यता एवं संस्कृति को दाव पर तो नहीं रख दिये हैं, कहीं इन उक्त चीजों से अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने के लिए तो इन पर छूट तो नहीं दे रखे हैं। कहने का मतलब हुआ कि हम आजादी में अपनी सभ्यता एवं संस्कृति को दूसरे के हाथों में पैसों के लिए बेच रहे हैं। अपने पेट को भरने के लिए अपनी माँ की गर्दन कटवा रहे हैं। जो माँ को हम अपने हिन्दुस्तान की धरती से उगे अन्न जल खिला-पिलाकर पालते हैं और उसके दूध-मूत्र-गोबर इत्यादि का उपभोग विभिन्न क्षेत्रों में हम करते हैं और उसका दशा खराब हो तो हमें शर्म की बात है। यानि हम शर्म को लूटाकर बेशर्मी का घूट पी लिए हैं, तब हम किस चीज का गर्व करते हैं।

ऐ दरिन्दे तुम्हें भी भेजूंगा, तुम्हारे पर कफन बाँधकर, जिस तरह से हमने अंग्रेजों को सात समुन्द्र पार भगाया दफन कर-कर। हम होश में नहीं, हमारी गौ माँ विलख-विलख कर रो-रो कर पुकार कर दी है, जिस आवाज को हमारी कानून व्यवस्था भी सुन ली है। हम सभी भी सुन लिए हैं। यहाँ यह बताते चले कि हमारे हिन्दुस्तान की व्यवस्थापिका-ब्रह्मा के समान है। कार्यपालिका श्री हरिविष्णु के समान है। न्यायपालिका-श्रीशिव के समान है एवं मीडिया भगवान नारद के रूप में है। भला इनके रहते गौ माँ की रक्षा न हो यह हो ही नहीं सकता। जिस तरह से हमारे आजादी के दिवाने आजादी के लिए सोते कम थे, जगते अधिक थे। आज उसी तरह से हम भी जग गये हैं। हमारी भारत माता ने हमें ललकार कर जगा दिया है। हमारे भारत के त्रिदेव भी जग गए हैं। हमारे भारत के नारद भगवान ने नारायण-नारायण की रट लगा कर त्रिदेव को जगा दिये हैं अब नया भारत बनने वाला है। अरे ये कायर तुम्हारी ये मजाल जो हमारी गौ माँ को हमारी भारत माँ के आँचल में ही काटे। काट लेंगे बाँहें वर्ना हमारी माँ को हमारी भारत माँ के आँचल में छोड़ दें। हम एक हैं। हम तुम्हें अपनी निगाहों में बैठा लिया हूँ। इस विषय पर गौर करना पड़ेगा। हमें गौ माता की रक्षा के लिए कोई कड़ा कानून बनाने चाहिए या तो इन्हें राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाना चाहिए ताकि हमारी गौ माता की रक्षा किया जा सके।

जिस तरह से नारी की रक्षा के लिए दामिनी कांड के बाद कानून बनाकर सरकार द्वारा दरिन्दों को सजा ए मौत दी गई थी। उसी तरह से गौ माता के कटने पर, काटने वालों को सजा ए मौत देने के लिए कानून बनाई जानी चाहिए और इसके लिए तमाम हिन्दुस्तान की जनता को गौ माता की रक्षा करने के लिए सख्त होना चाहिए व होना पड़ेगा। ●

संस्कार व संस्कृति के महानायक हैं विवेकानंद : अभिनव सौरभ

उ०म०वि० नवगढ़ ऊँटारी रोड ने मनाया युवा सप्ताह

● अमित कुमार

वर्तमान समाज में संस्कारों का नित्यप्रति ह्रास हो रहा है। ऐसे मे है कि शैक्षणिक संस्थानों में स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरूषों की जयंति मनायी जाये। जिनके जीवन दर्शन से बच्चे संस्कार सीख सकें क्योंकि स्वामी जी संस्कार और संस्कृति के महानायक है। इन्होंने भारतीय संस्कार व संस्कृति का परचम देश ही नहीं विदेशों में भी फहराया था।

उक्त बातें पलामू जिले के कभी अति नक्सल प्रभावित प्रखंड माने जाने वाले प्रखंड ऊँटारी रोड में एक विद्यालय के कार्यक्रम में ऊँटारी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिनव कुमार सौरभ ने कहा। श्री सौरभ ने स्वामी विवेकानंद के जयंति के उपलक्ष्य मे आयोजित युवा सप्ताह का उद्घाटन करते हुए उ०म०वि० नवगढ़ में आगे कहा कि वर्तमान समय में स्वामी जी की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई। समाज में संस्कारहीन शिक्षा के आभाव में युवाओं का नैतिक पतन हो रहा है। ऐसे में युवाओं को अपने प्रेरणास्त्रोत रहे युग पुरूष स्वामी जी का जीवन दर्शन से सीख लेने की आवश्यकता है। बीडीओ ने नवगढ़ विद्यालय की सराहना करते हुए खासकर सहायक शिक्षक राजेश कुमार मिश्र की सराहना करते हुए कहा कि, इस विद्यालय द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम अद्वितीय है। इससे स्वामी जी के जीवन पर आधारित स्वामी विवेकानंद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित कर जहां बच्चों को भारतीय संस्कार व संस्कृति से परिचय कराने का कार्य किया है, वही इस तरह की प्रतियोगिताओं से साकारात्मक प्रतिर्स्पधाएं विकसित की जा रही है।

ऊँटारी प्रखंड के प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष विरेन्द्र शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि हमारे प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिनव साहब अनुभव के भंडार हैं। इनकी पारखी नजर विद्यालय की गुणवत्ता को एक ही नजर में परख लिया है। नये शिक्षकों के पदस्थापन के बाद से पूरे प्रखंड में शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार आया है परन्तु यहां पदस्थापित नये शिक्षक का कार्यशैली ही अनूठा है। ऐसे शिक्षक ही स्वामी विवेकानंद पैदा करते हैं और शिक्षकों के प्रति समाज गिर रहे प्रतिष्ठा को भी स्थापित कर रामकृष्ण परमहंस बनते हैं। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी वाल्मिकी प्रसाद ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ आयोजित विवेकानंद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धियों के बीच प्रतिस्पर्धा में उत्सुकता विद्यालय में शैक्षणिक माहौल और शिक्षकों की कार्यकुशलता का द्योत्तक है। इसकी जितनी तारीफ की जाये कम है। श्री प्रसाद ने कहा कि मैं प्रयास करूंगा कि मुख्यमंत्री भ्रमण योजनाओं में इस और ऐसे विद्यालयों को स्थान दिला सकूं, जिससे बच्चों के प्रतिभा में और निखार आ सके।

कार्यक्रम के संयोजक सहायक शिक्षक राजेश कुमार मिश्र ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि शिक्षण क्षेत्र में आने से पहले मैं पत्रकारिता जगत में था। इस दरम्यान विज्ञापन संग्रह तथा समाचार संकलन हेतु कई बार डीएवी जैसे निजि विद्यालयों के प्राचार्यों तथा निदेशकों के साथ उठना-बैठना रहा है, जहां से हमने कुछ-कुछ सिखा है। आज उन्ही अनुभवों के बदौलत विद्यालय में इतना बेहतर शैक्षणिक माहौल स्थापित कर पाया हूं और इतना बढ़िया कार्यक्रम का आयोजन सफल हो सका है। श्री मिश्र ने आगे कहा कि हमारे पदाधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अभिभावकों का सहयोग मिला तो इस विद्यालय का उन निजि संस्थानों में लाकर खड़ा कर दूंगा, जिसका उदाहरण दे कर हम सरकारी विद्यालयों को अपना चहारदिवरी हो एवं एक विज्ञान शिक्षक

की प्रतिनियुक्ति हो। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य कृष्णा राम कर रहे थे। जबकि ग्रामिणों के अलावे लुम्बा सतबहिनी प्रखंड के मुखिया अनिता देवी, वार्ड सदस्य राजेन्द्र विश्वकर्मा, समाजसेवी नंदा पासवान, विनय पासवान मौजूद थें।

कार्यक्रम की शुरूआत वर्ग 8 की छात्रा पिंकी कुमारी, अंजली कुमारी, खुशबू कुमारी, रूपांजली कुमारी एवं सिम्मी कुमारी ने स्वागत गीत से किया, जबकि बाल संसद के प्रधानमंत्री नितेश कुमार, अविष्कार कुमार, सुकेश कुमार आदि ने आगत् अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ दे कर किया। जबकि कार्यक्रम का विधि वत् उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी, 20 सूत्री अध्यक्ष प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं मुखिया ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद बच्चों के बीच सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता से संपन्न हुआ, जिसकी रोचकता देखने बन रही थी। बच्चों ने सौर मंडल के ग्रहों की भूमिका निभा अतिथियों को हर्षित कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रखंड संकुल साधन सेवी प्रमोद कुमार सिंह, महबूब आलम, गावरलेटवा विद्यालय के प्रधान शिक्षक प्रवीण कुमार रवि, सहयोगी शिक्षक अनुज कुमार तथा उ०म०वि० नवगढ़ के सहयोगी शिक्षक ममता पाण्डेय तथा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष क्यास मेहन्ता एवं संजीव पाण्डेय ने कड़ी मेहनत की। ●

सी.एन.जी. बनेगी कचरा से और बिजली बनेगी सी.एन.जी. से

● श्रवण कुमार चंचल

करनाल में लगा देश का पहला यूनिक प्रोजेक्ट, कचरे से बनेगा धन कमाल हो गया, भारत आज नये-नये खोज कर दुनिया में अपना नाम बराबर रौशन कर रहा है जो आज दुनिया में अपने आप को लोहा मनवा लिया कि क्या है भारत?

हरियाणा से एन.बी.टी. न्यूज करनाल के सूत्र से छपी खबर कि ''कचरे से बनेगी सी. एन.जी. और सी.एन.जी. से बनाएगी बिजली'' ने हिन्दुस्तान की जनता का सीना 56 ईंच के दूना कर दिया है। छपी खबर में यूँ है कि हरियाणा सरकार द्वारा करनाल में देश का यह पहला ऐसा प्रोजेक्ट बनाया गया है, जो जलाए बिना कचरे व अन्य वेस्ट चीजों से सी.एन.जी. तैयार की जाएगी और सी.एन.जी. से बिजली बनाने की कार्य की जाएगी। ऐसा प्रोजेक्ट के लगने से फराली को जलाने की समस्या से छुटकारा मिलने के साथ-ही-साथ शेल्टर हाउस, नगर निगम, बागवानी एवं गोबर आदि वेस्ट चीजों का संग्रीहा किया जा सकेगा। इस प्रोजेक्ट पर करनाल नगर निगम द्वारा करीबन। करोड़ लागत राशि खर्च किया गया है। 15 जनवरी से यह प्रोजेक्ट अपना कार्य करना शुरू कर देगा। देश भर के लिए यह प्रोजेक्ट एक यूनिक प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट को अन्य जिलों में भी लगाने की कार्यवाई की जाएगी। हरियाणा के मुख्य सचिव डी.एस. ढेसी ने स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जानकारी दी। साथ ही समीक्षात्मक बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि विभाग के माध्यम से किसानों के लिए खाद वितरण के लिए चलाई जा रही योजना डी.बी.टी. एवं करनाल स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। वहीं उन्होंने अधिकारियों को चलाई जा रही योजनाओं को तत्परता से कार्यवाई करने का आदेश दिए। बैठक में नगरीय परियोजना अधिकारी प्रवीण कुमार ने मुख्य सचिव टेसी को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि करनाल जिला में 17 हजार 98 लोगों ने मकान के लिए आवेदन कर चुके थे। जबकि अब तक जिला के 10 हजार 425 लोगों के आवेदन पत्रों की पड़ताल करने के बाद सही पाए गए हैं। बाकि आवेदनों की जाँच की कार्यवाई जारी है और जिन आवेदकों के कागजात सही ढंग के नहीं है, उनसे सर्वे करने वाली कंपनी द्वारा कागजात मंगाई जा रही है। लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ बहुत ही जल्दी में मिलेगा। कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. प्रदीप मिल से मुख्य सचिव ने किसानों के लिए खाद वितरण के लिए चलाई जा रही डी.बी.टी. योजना की जानकारी ली। वही डॉ. प्रदीप मिल ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों के लिए आधार कार्ड अनिवार्य किया गया है। साथ ही मशीन पर अंगूठा के निशान लगाने के बाद ही संबंधित किसानों को खाद दिया जा सकता है और किसान के सब्सिडी का पैसा उसके खाते में सीधे भेज दी जाती है। ●

नूतन वर्ष, वसंत पंचमी व गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर ग्राम पंचायत राज मदारपुर, मशरक की समस्त जनता को हार्दिक शुभकामनाएँ।

चहुंमुखी विकास हमारी प्राथमिकता

-: निवेदक :-

मालती देवी, मुखिया

ग्राम पंचायत राज-मदारपुर, मशरक,

सारण, मो०:-9934746356

राजेन्द्र राय

मुखिया प्रतिनिधि

बीजेपी के शासन में चल रही हरियाणा प्लाटुन सिक्यूरिटी कंपनी की रंगदारी

● श्रवण कुमार चंचल

आज बेरोजगार युवा दर-दर की ठोकर खाने पर मजबुर है, कारण है उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिली। सरकारी नौकरी मिले तो कैसे? उसके हिन्दुस्तान में बहुत से हैं कारण? बिना घुस के नौकरी नहीं? या तो फिर आरक्षण नहीं? ऐसे बहुतेरे समस्या से जुझता बेरोजगार युवा अपने जिन्दगी को असली रूप देने के लिए ज्यादातर प्राइवेट कम्पनियों में जॉब के तालाश में दूसरे राज्यों में चल देते हैं। कोई बेरोजगार कम्पनी में डाइरेक्ट कार्य करते हैं तो कोई इनडाइरेक्ट! कहने का मतलब कोई कम्पनी मालिक से बात कर कम्पनी में कार्यरत हो जाते हैं तो कोई ठीकेदार के अंतर्गत कम्पनियों में कार्य करते हैं।

इन बेरोजगारों के साथ भारी-भारी समस्याएँ सामने आती, जिसे झेलने के लिए खुद तैयार रहते हैं। कभी-कभी तो देखा गया है कि काम करा कर कितनी कम्पनियाँ झुठे इल्जाम लगाकर उनके कमाये पसीने के पैसे हजम कर जाते हैं। अगर वह लेबर कोर्ट का सहारा लेता है, तो उसे लेबर कोर्ट भी वर्षो स्वप्न के झुले पर झुलाकर उसके कमाये पैसों को नहीं दिला पाती हैं और सरकार तो अगली कार्यवाई के लिए कितने टेबुलों पर चक्कर कटवा देती है। यह सबको मालूम है। ठीक उसी प्रकार से एक मामला हरियाणा राज्य के गुरूग्राम के क्षेत्र में जंगलों में लगी आग कि तरह प्लाटुन सिक्यूरिटी कम्पनी को गार्डो के साथ धोखाधड़ी व रंगदारी साथ ही दादागिरी करने की चर्चा सूर्खियों में है, पर जाने इनकी कब से ऐसी दादागिरी यहाँ चल रही है, जो प्रशासन के कानों तक नहीं पहुंच पाई है या तो फिर इनकी दादागिरी व रंगदारी की चर्चा इन तक जाता होगा, पर पैसा लेकर इस कम्पनी का दादागिरी व रंगदारी को लीपा-पोती कर दी जाती होगी।

यहाँ यह बताते चलें कि जब केन्द्र में मोदी की सरकार आई तो भारी-काफी सिक्युरिटी कम्पनियों के नियमावली में संशोधन किये गये और उस नियमावली को सख्ती से पालन करने के लिए सरकार ने कदम भी उठाई पर उन सिक्युरिटी कम्पनियों द्वारा सरकार के संशोधित नियमावली की आज खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है, जैसे आठ घंटे की ड्यूटी, वेतन पन्द्रह हजार, पी.एफ., ई.एस.आई. इत्यादि। पर इनमें चमचाई के चलते गार्डो के साथ भ्रष्टाचारी कम्पनियाँ बर्बरता पूर्ण रवैया अपना कर इन्हें सताती है। यह कम्पनी जिस तरह से अपना दाना डालकर बेरोजगार युवाओं को फंसाकर 12 घंटे ड्यूटी में रगेदती है कि बेरोजगार युवा रो-रो मरते हैं। प्लाटुन कम्पनी के मालिक (एम.डी.) गगन गौरी है। उन्हें तो कुछ लोग अच्छे कहते हैं पर अच्छाई तो तब दिखती, जबकि कार्य कराकर गार्डो को समय से पैसा दिला देते। इस कंपनी के कुछ अधिकारियों की कुकृत्य की चर्चा कुछ गार्डो से गुप्त ढंग से प्राप्त हुआ था। जिनकी जानकारी के लिए खुद एक पत्रकार ने उस कम्पनी में कार्य करके जानकारी हासिल किया। जानकारी मिला कि यह कम्पनी भ्रष्टाचारियों के संरक्षण का एक अड्डा के रूप में पड़ाव का केन्द्र बनकर गुप्त ढंग से कार्य करता रहा है। इस कम्पनी में कोई मर्डरर भी आता है, तो काम मिल जाता है। कोई लड़कियों का हेराफेरी करने वाला हो उसे भी काम मिल जाता है। कैसी ये कम्पनी है। इस कम्पनी में ज्यादातर कार्य करने वाले लोग दागदार ही दिखते हैं, जिसकी आदतों से पोल खुलती है।

अब आगे यहाँ बताना चाहेंगे कि प्लाटुन (Platoon) सिक्यूरिटी कम्पनी में गार्ड के काम के लिए हमने एक प्लाटून में ही कार्य करने वाला गार्ड कुन्दन मण्डल (झारखण्ड, उम्र-25 वर्ष) से बात किया तो उसने बताया कि नौकरी दिला देंगे पर एक लड़की मुझे चाहिए। पत्रकार सोच में पड़ गया पर दो दिन बाद हमने स्वीकार कर ली, तो मुझे नौकरी दिला दिया। पर मुझे इस तरह के बात पर विश्वास नहीं हो रहा था कि कन्दुन मण्डल ऐसा व्यक्ति होगा। लेकिन एक दिन अपने आँखों से देखा कि यह जिस मकान मालिक (हरियाणा-चक्करपुर) के रूप में रहता था। उसमें लड़की बुलाकर, उसके प्राइवेट पार्टो से आनंद ले रहा था, जो हमने उसके रूम के खिड़की से देख लिया था। इसका पता लगाये तो यह बहुत बड़ा माफिया के रूप में है जो लड़कियों को फंसाकर सप्लाई करने का भी कार्य करता है, इसके दो और सहयोगी हैं, जो एक कुन्दन शर्मा एवं सुनील निर्मल है। कुन्दन शर्मा भी एक माफिया है, जो बिहार गया के रहने वाला है। यह भी लड़कियों के चक्कर में कितने बार हरियाणा में मार भी खाया है और सुनिल निर्मल हैं वो भी इनके सहयोगी हैं, जो इनके जैसा कार्य करता है। पर इस बात की जानकारी मकान मालिक को नहीं है, शायद उन्हें मालूम नहीं हो और इनकी ऐसी हरकतों की पता हरियाणा पुलिस को भी नहीं मालूम पड़े, पर इस खबर पर पुलिस को अवश्य कार्यवाई कर इन्हें जेल भेज देना चाहिए, ताकि इस तरह की हरकत यह न कर पाए। कुन्दन मण्डल ने मुझे नौकरी दिला दी। मैं गुड़गाँव से सेन्ट्रल मॉल में करने लगा। जो मुझे बहाल किया था, वो रवि नाम का फिल्ड ऑफीसर था। वह भी बिहार का है, जो इन्हीं कुन्दन मण्डल के जैसा इश्कबाज हैं जो अपनी आदतों से लाचार है, कितनी लड़कियां जो गार्ड की नौकरी करती थी वे गुप्त रूप में बताई थी, जो किसी से कहने को नहीं कही थी। उस वक्त कम्पनी में ज्यादातर भ्रष्टाचार में लिप्त ही कार्यरत हैं, जो बेरोजगारों के पैसा खाते हैं और लेडिज गार्डो पर बुरा निगाह डालते हैं।

यहाँ यह मैं बताना चाहूँगा कि मैं निःशुल्क पत्रकारिता करता हूँ और अपने बाल-बच्चों परिवार के पालन-पोषण के लिए सिक्युरिटी गार्ड का भी कार्य करता हूँ। भ्रष्ट लोगों को दफन करने के लिए सर में कफन बाँध कर अपने कलम को तलवार से भी तेज चलाने का कार्य करता हूँ। साथ ही भ्रष्टाचारियों के पोल सरकार के दरवाजे तक ले जाकर खोलने का काम भी करता हूँ और सरकार द्वारा कार्यवाई भी किये गये हे। जैसे मुस्कान इंडिया लिमिटेड कम्पनी का हुआ खुलासा, पर बिहार सरकार ने 2007-08 में सख्ती से कार्यवाई की थी। 2012 में हैदराबाद से छपे खबर पर भी कार्यवाई सरकार ने की थी।

मैं प्लाटून सिक्युरिटी कम्पनी के माध्यम से गुड़गाँव सेन्ट्रल मॉल में 26 जून 2017 से 16 जुलाई 2017 तक गार्ड का कार्य किया, जिसका सैलरी मुझ चेक के माध्यम से प्रदान कराया गया था। पुनः मुझे विमल सुपरवाइजर ने पाँच दिन बैठा दिया था। फिर मुझे 22 जुलाई से 30 जुलाई 2017 तक ड्यूटी करने को बोले, हमने किया। यह सुपरवाइजर के प्रताड़ना के चलते हमने इस कम्पनी को छोड़ दिया। पर हमें पैसा के लिए 9 दिन तक बार-बार दौड़ाया जा रहा है। मैं दौड़ने के चलते गुड़गाँव सेन्ट्रल मॉल के एडमिनिस्ट्रेशन को पत्र लिखकर देने को ले जा रहे थे, तभी प्लाटुन सिक्युरिटी कम्पनी के फिल्ड ऑफिसर दिवान ने छिन लिया जो पत्र इस खबर के साथ संलग्न है। उधर उस पत्र को देखकर रवि

(फिल्ड ऑफिसर) भड़क कर बोला कि कौन दिला देगा। तुम्हारा पैसा हम देख लेंगे। फिर दिवान ने मुझे आश्वासन दिया कि दिला देंगे। पत्र पर लिखवाया कि लिखो कि मैं अपना आई.कार्ड जमा कर दिये हैं। चूँकि हमसे फस्ट पेमेंट के समय में मेरा आई.कार्ड ऑफिस में जमा करा लिया गया था। जिस आई.कार्ड का नम्बर 143042 है। पुनः मेरा आई कार्ड इसलिए जमा लिया गया था कि प्रुफ नहीं रहेगा तो पैसा नहीं मिल पायेगा। पर उस वक्त हमने कह दिया था कि मेरा 9 दिन का पैसा बाकी है, कैसे मिलेगा। लेकिन जो ऑफिस में मेरा आई कार्ड जमा किये थे, बोले थे कि पैसा मिल जाएगा पर आज तक नहीं मिला। पुनः ऑफिस में मैं आने-जाने लगा पर आश्वासन दे-देकर, मेरा पैसा 9 दिन का 3260 रूपये नहीं मिला। एक ऑफिस का एकाउन्टेंट भी आश्वासन दिया, पवन कुमार (रोहतक हरियाणा) लेकिन वो भी नहीं दिलाया। तब हमने सेक्टर 56 के नाइट पेट्रोलिंग पुलिस से बात किया तो पुलिस ने 500 रूपया घुस हमसे मांगा पर हमने अपनी गरीबी जताई, उसके बाद पत्रकार होने की बात बताई तो फिर पुलिस ने हमसे बात भी करने तक नहीं आई। पैसा दिलाने की तो दूर की बात रही। तब हमने लेबर कोर्ट को पत्र लिखकर नेट से प्राप्त इमेल नम्बर पर पता मेल किया पर समाचार लिखे जाने तक लेबर कोर्ट हरियाणा द्वारा कोई भी कार्यवाई नहीं की गई। जिससे लगता है कि हरियाणा की लेवर कोर्ट की इस भ्रष्ट सिक्यूरिटी कम्पनी से मिलीभगत है, जिसकी परिणाम स्वरूप कोई कार्यवाई नहीं दिखती। देश की बी.जे.पी. की सरकार व भारतीय शासन प्रणाली सहित सर्वोच्च न्यायालय के महान न्यायाधीश महोदयों को इस उक्त बातों पर अम्ल करते हुए कार्यवाई करने की जरूरत है तथा ऐसे भ्रष्ट सिक्युरिटी कम्पनी को सी.बी.आई. से जाँच कराकर इनकी भ्रष्टाचार फैलाने की आंकड़ा निकलती है, तो इनके लाइसेंस को रद्द करते हुए इन्हें सलाखों के अंदर डाल दिया जाना चाहिए ताकि वे होश में आ जाए। ●

पाकिस्तान की रंगदारी को आखिर कब तक सहता रहेगा भारत

● **श्रवण कुमार चंचल**

आतंकवादी जैसे पालतू कुतों को पैदा करने वाला दुनिया में पाकिस्तान को नाम विश्व के हर देश के लोग लव-जेहाद पाकिस्तान को धिक्कार व गाली दे रहे हैं। पूरी दुनिया में अपना एकक्षत्र राज्य कायम करने के लिए अपना दाना-पानी देकर आतंकवादी बनाकर हर देशें मे आतंक फैलाने के लिए आतंकवादी भेजता रहता है। चुगलखोरी करने की आदत शदियों से बराबर बनी रही है सबसे अधिक आतंक भारत के हर कौने-2 मे फैलाने का काम करने में हॉथ पाकिस्तान का ही रहता है लेकिन भारत अपने बुद्वि विवेक के बल पर उन आतंकवादियों को पकड़ निकालते हैं। कितनो को तो फॉसी के फंदों में लटका भी दिया गया। आजादी के कई दशक के बाद भारत के कई राज्यों में बम विस्फोट भी कराया है पाकिस्तान। जिसमें अपने आतकवादियों को भेजकर। बम्बई में ताज होटल, हैदराबाद में दिलसुखनगर सहित कई जगहों पर इसके पूर्व भी बंम विस्फोट कराया है। वहीं पटना में भी हुआ। अक्सर आतंकवादी निकले जाचोपरांत तो वह मुस्लिम सम्प्रदाय से ही निकले हैं और उनका तार कहीं न कहीं पाकिस्तान से जुड़ा हुआ ही है। इतना ही नहीं कहीं भी जासूसी का काम करने का होता है तो उसमें पूरा हाथ पाकिस्तान का ही होता है। आज उल्टा चोर कोतवाल को डॉटे की तरह हमारे भारत के पूर्व नौ सेना के अधिकारी कुलभूषण जाधव को अपने यहाँ कई वर्षो से जेल मे जबरन पकड़ कर बंद कर एक भारतीय जासूस बता रहा है जो भारत के साथ भारी रंगदारी कर रहा है और तो और जब भी इनके परिवार के साथ मिलाने की बात आती है तो अपने जासूस का प्रारूप तैयार कर लेता है। सही ढ़ंग से इनके परीवार से नहीं मिलने देता है आज हाल ही में उनकी माँ और उनकी पत्नी को उनसे मिलने के लिए गई तो पाकिस्तान ने मीडिया को भी पूर्व से उनकी बेईज्जती करने के लिए इजाजत दे रखी थी। क्या मीडिया को इस तरह से करना चाहिए, यह न्यायोचित है? इससे भारत को सबक सीखना चाहिए और अपनी भी मीडिया को सख्त करनी चाहिए। भारत की सरकार को इस पर सख्त कदम उठाते हुए पाकिस्तान के इस बारे में शिखर सम्मलेन में कार्यवाई के लिए चर्चा करना चाहिए।

अरे धूर्त पाकिस्तान तुम होश में आजा। हम हॉथ में चुड़ी नहीं पहन रखे हैं। हम मउगा नहीं हैं। अब तुम्हारी हर रंगदारी व दादागिरी व छलबाजी के बदला गिन-गिन कर लूँगा। तुम्हारी ऐ मजाल जो हमारे वरिष्ठ अच्छे पदाधिकारी कुलभूशण जाधव को एक भारतीय जासूस बताते हो? हमारे खून को मत खौला। अगर तुम्हारे....में दम है तो दिन देकर लड़ले, गिदड़ की तरह पीछे से वार करता है, कायर कहीं के। अपनी औकात को क्यों बार-बार भूल जा रहे हो पाकिस्तान। तुम्हारे ही कई गलतियों के कारण द्वितीय विश्व युद्ध का सूत्रपात तुम्हारे से ही हुआ था और तुम्हारे ही वजह से कारगिल में भी युद्ध हुआ था। हमें बार-बार मत ललकार पाकिस्तान अगर हम अड़ गया तो तृतीय विश्वयुद्ध को अमेरिका भी रहीं रोक पायेगा।

अरे वो पाकिस्तान तुम याद कर जो तुम विटो पावर में कुछ वैसे अस्थाई सदस्यता, कोई-कोई देशों को होती है, जिसमें तुम्हारी भी अस्थाई सदस्यता मिली थी, भारत के चलते ही। अबे वो पाकिस्तान तू भूल क्यों जाता है वे? सबसे पहले तो यह भी तुम्हें सोचना चाहिए कि हमारे पूर्वज आजादी के लिए अंगेजों से लड़े और तुम चापलूस बैठे-बैठे हिस्सा ले लिया और अलग देश पाकिस्तान बना लिया, वह भी मेरा हिन्दुस्तान का ही वतन है। तुम्हें पूर्व की भी बातें याद करनी चाहिए, तुम्हारा शुरू से ही दुनिया में कोई अस्तित्व ही नहीं रहा है। तुम एक कुत्तों से भी नीचा गिया हुआ इन्सान है, कारण तुम्हारे में इन्सानियत नाम का चीज नहीं है। तभी तो आज अपने यहाँ के मीडिया को भी दाना-पानी देकर किसी की बेइज्जती करा रहे हों। कान खोलकर सुन ले पाकिस्तान हम भी अब बदलेंगे, तुम्हारे हर-हरकत के कारनामों को गिन-गिन कर बदला चुकायेंगे? तू ये मत समझना की डर गया है हिन्दुस्तान। हम डरे नहीं, न मरे। हम इज्जती हैं। हम इज्जत पे मरते हैं। हम सर कटा सकते है, पर झुका नहीं सकते। इसलिए हमारा देश हिन्दुओं का देश हिन्दुस्तान है। तुम्हारे आतंकवादी दामाद को अब हम होश में करेंगे तो तुम भी ठीक हो जाओगे। वर्ना तुम गलत रवैया भारत के साथ अपनाना बंद करो और मेरे वरिष्ठ पूर्व नौ सेना के अधिकारी कुलभूषण जाधव को बाईज्जत बरी करो।

न रहेगी बास ना बजेगी बांसुरीः-

ज्ञात हो कि हिन्दुस्तान को एक बार पूरा दुनिया के देशों को इस आतंकवादी देश पाकिस्तान को समझाने के लिए कह देना चाहिए ताकि फिर कोई देश ये न कह पाये की भारत पाकिस्तान के खिलाफ कोई गलत कदम उठा रहा है। उसके बाद विश्व के शिखर सम्मेलन में भी इसके खिलाफ में आवाज उठानी भारत को चाहिए ताकि उसके कोई अधिकारी भारत पर उंगली न उठा सके। उसके बाद को अगर पाकिस्तान नहीं मानता है तो सीधे तृतीय विश्वयुद्ध की विगुल भारत को फुक देनी चाहिए। इसमें देखते-देखते आज भारत को बहुत सारा कष्ट झेलने पड़ रहे हैं। अगर तृतीय विश्व युद्ध का विगुल भारत फुकता है तो इसे रोकने के लिए बहुत सारे देश सामने आने लगेंगे और वहीं देश इस पाकिस्तान की दुनिया के देशों के नक्शा से खुद ही मिटा डालेंगे। कारण कि विश्वयुद्ध होने से सारे देशों की नुकसान प्रायः हर क्षेत्रों में होती जिसकी भरपाई कर पाना किसी देश को अकेले बस की बात नहीं होती है। तब ये न पाकिस्तान रहेगा ना ही आतंकवादी पैदा भी लेगा। अब सरकार को फैसला करना है। ●

चाय मौत की ओर ले जाता है
सुबह होते ही होता है जहर का सेवन

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

चाय की राक्षसी माया आजकल सचमुच अपरम्परा दिखती है। आज योगी, यति, साधु-सन्त, अमीर-गरीब, विद्वान-मूर्ख, गंवार-शहरी सब इसके अन्ध-भक्त बन चुके हैं। गाँव-गाँव, देहात-देहात में इसका प्रचार है और देशों की बात हम नहीं जानते मगर हमारे देश भारत में जहाँ कभी दूध, दही और अमृत तुल्य मट्ठा की नदियाँ बहती थी वहाँ आज काली-कलूटी विषतुल्य चाय का समुद्र ठांठे मार रहा है। आज देश के गरीब से गरीब और अमीर से अमीर व्यक्ति के घर अतिथियों का स्वागत, क्षीर, शिखरिणी तक एवं शरबत की जगह बैड-टी का सेवन करना उत्तम समझते हैं।

चाय के कुछ अन्ध-भक्त यह दलील पेश करते हैं और कहते हैं क्या करें साहब, दूध आजकल हो गया महंगा अत: यदि उसकी जगह इस सस्ती चाय का भी प्रयोग न करें तो क्या करें। माना कि दूध महंगा है और चाय सस्ती, तो क्या अमृत की जगह विष को ग्रहण करना बुद्धिमानी का काम है चाय की माया से वशीभूत होकर चाय के भक्त चाय के सेवन से आनन्द, शान्ति एवं स्फूर्ति की प्राप्ति होना बताते हैं और कहते हैं कि चाय पीने के बाद जो आनन्द, शान्ति एवं स्फूर्ति की अनुभूति होती है वह क्षणिक और केवल भुलावा देने के लिए ही होती है। मगर उसका अन्त और परिणाम विष-तुल्य होता है।

चाय पीने के बाद जो थकावट दूर हुई सी मालूम होती है वह उस अवस्था से अधिक खतरनाक होती है जो चाय पीने से पहले थकावट की हालत मनुष्य की रहती है। कारण, थकावट में जब चाय पी जाती है तो वह अपने मादक गुण से हमारे सजग मस्तिष्क के ज्ञान तन्तुओं पर अपना विषवत् प्रभाव डालकर उनकी अनुभव करने वाली शक्तियों को सुला देती है। जिससे अपनी थकावट की बात भूलने के लिए बाध्य होते हैं। पर उस अवस्था में यह न समझना चाहिए कि थकावट वास्तव में चली गयी होती है। दरअसल चाय थकावट को दूर नहीं करती अपितु उस पर पर्दा डाल देती है।

वस्तुत: चाय विष की खान होने के

कारण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। चाय के सेवन से शरीर दिन-ब-दिन कमजोर होता चला जाता है, कब्ज रहने लगता है, शरीर का रंग पीला पड़ जाता है तथा नींद हराम हो जाती है जिससे मस्तिष्क के अनेक रोग आ घेरते हैं। इतना ही नहीं चाय का असर फेफड़ों, दिल अतड़ियों के लिए भी बहुत हानिकारक है और इसके पीने से भूख का मर जाना तो मामूली बात है। आज दुनिया के सारे चिकित्सक यह मानते है कि चाय में शरीर के लिए कोई पोषक तत्व नहीं होता है और यह भी कि इसके सेवन से मन और शरीर पर बुरा असर पड़ता है, फिर भी इसका सेवन अन्धाधुन्ध हो रहा है। चाय आमतौर पर गर्म ही पी जाती है। जब यह चाय उदर में प्रवेश करती है। चाय द्वारा नाड़ी-मण्डल के विकृत होने पर मस्तिष्क विकृत हो जाता है, फिर भ्रांति की उत्पत्ति होती है, तत्पश्चात् मानसिक भ्रान्तियों में व्यस्त रहने की प्रेरणा होती है और अन्त में जीवन की कटु यथार्थताओं में पलायन करने का चस्का स्थायी रूप से उत्पन्न हो जाता है। चाय के सेवन से शरीर की जीवनशक्ति का क्षय हो जाता है, कारण चाय पीने से फेफड़ों द्वारा कार्बोलिक एसिड गैस का निष्कासन अधिक होता है जो इस बात का द्योतक है कि जीवनशक्ति का क्षय अधिक होता है। जीवन-शक्ति

के इस प्रकार के क्षय से बुढ़ापा शीघ्र आता है। चाय पीने से पाचन शक्ति कुण्ठित हो जाती है। गर्म चाय से पेट के भीतरी अवयव शिथिल पड़ जाते हैं जिससे पाचन का काम अधिकांशत: ठप्प पड़ जाता है तथा वायु में पाये जाने वाले 'टेनिन' विषय द्वारा पित्त के प्रधान अंग 'पेप्सिन' का व्यर्थ क्षय होने लगता है। इन कारणों से अजीर्ण, मन्दाग्नि तथा कोष्ठबद्धता जैसे भयंकर रोग उत्पन्न हो जाते हैं। चाय के साथ अतिरिक्त चीनी लेने से अक्सर लोगों को मधुमेह की बीमारी हो जाती है। चाय पीने वाला बहुधा वीर्य दोष, बहुमूत्र तथा स्वप्नदोष आदि बीमारियों से घिरे रहते हैं। चाय में पाये जाने वाले एक नहीं बल्कि अनेक तीव्र विषों का पता वैज्ञानिकों ने लगाया है। इन विषों में खास बात यह है कि इनका प्रभाव शरीर पर एकाएक नहीं पड़ता और न इनके तत्सम्बन्धी चिन्ह शरीर पर तुरन्त दृष्टिगोचर होते हैं, बल्कि इनका विषवत् प्रभाव शरीर के भीतरी अवयवों को धीरे-धीरे और चोर की भाँति आक्रान्त करता है। उसकी आँखें तब खुलती है जब चाय उसकी जीवन-संगिनी बन चुकी है और उसके स्वास्थ्य का दिवाला पिट चुका होता है।

'टेनिन या टेनिज' वह मसाला या जहर है जो साधारण तौर पर चमड़े को अधिक दबीज या चिकना करने के लिए चमड़े के कारखानों में व्यवहृत होता है। दूसरा विषय जो चाय में पाया जाता है वह 'कैफीन' है। यह प्रभाव में मदिरा और तम्बाकू में पाये जाने वाले तीव्र विष 'निकोटिन' के सदृश्य होता है। आमतौर से एक प्याले चाय में 5 ग्रेन के लगभग कैफिन होता है। इस विषय से दिल की धड़कन एकदम बन्द होकर आदमी मर भी जाता है। डाक्टर एडवर्ड स्मिथ ने अनुभव करने के लिए स्वयं दो औंस कहवा के सत्व को, जिसमें लगभग सात ग्रेन कैफिन रही होगी पीया और वे बेहोश होकर पृथ्वी पर गिर पड़े। इसलिए डॉक्टर लोग कैफिन विष को दवाई के रूप में देते हैं तो इसकी मात्रा दो या तीन ग्रेन से अधिक नहीं होती। इसका सबसे बुरा असर स्नायुओं और वातस्थान पर पड़ता है जिससे अनिद्रा और मन में अशान्ति पैदा होती है।

आँख की पुतली के अन्दरूनी सेहत पर दबाव पड़ने से कैफिन लेते रहने से नाड़ियाँ उत्तेजित हो जाती है, फलस्वरूप दबाव में तीव्रता आती है। चाय में एसिड ऑक्जैलिक नाम का विष होता है। शरीर में दिन भर में यह जितना निकलता है। उसका चौगुना एक प्याले चाय में होता है। इसके अतिरिक्त कैफिन रक्तचाप को बढ़ाती है। आज हृदय और रक्तवाहिनियों के रोगों की बाढ़ देखी जा रही है, उसका विशेष कारण चाय या कॉफी का पान ही रहा है। चाय सम्बन्धी एक तथ्य जो बहुत ही महत्वपूर्ण है कि जिस जमीन पर जिस खेत में चाय की खेती होती है उस जमीन की उपजाऊ शक्ति दिन-ब-दिन क्षीण हो जाती है उससे किसी बीज के उत्पन्न करने की शक्ति नहीं रह जाती। ●

मिठाई में चिपकाया चांदी का वर्क होता है मांस से निर्माण

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

फैशन के युग में हर चीज फैशनेबुल होती जा रही है। आज मार्केट में वस्तुएं गुणवत्ता से कम और चमक-दमक से ज्यादा बिक रही हैं। ऐसे में खाद्य वस्तुओं जैसे मिठाइयाँ, फलों आदि को चांदी के वर्क से सजाकर ग्राहकों के सामने प्रदर्शित कर लुभाया जा रहा है। आइये प्रस्तुत लेख के माध्यम से जानें हकीकत ''चाँदी के वर्क' की और समय से सचेत हो जाएं। वजन के हिसाब से बिकने वाला चाँदी का वर्क ज्यादा महंगा नहीं होता है। आमतौर पर आप इसके एक पैकेट को 100 से 200 रुपये के बीच खरीद सकते हैं, जिसमें 160 वर्क होते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि लगभग 1 रुपये में एक वर्क आ जाता है। चाँदी का वर्क न सिर्फ मिठाइयों पर नहीं बल्कि आज कल फलों पर भी लगाये जाने लगा है। बैल की आँतों से बनी किताब में चाँदी रख दी जाती है और फिर उसे हथौड़ी से पीट-पीटकर वर्क तैयार किया जाता है। पुरानी आँतों से बनी तांत (झिल्ली) किसी काम की नहीं होती। हद तो यह है कि एक दिन पुरानी आंतों का प्रयोग इस काम के लिए नहीं होता क्योंकि कुछ ही घंटों में वह अकड़ जाती है। दूसरें शब्दों में जैसे ही बैल को काटा जाता है उसकी आंते जल्दी से निकाल ली जाती है और चाँदी के वर्क बनाने वालों को बेच दिया जाता है। वर्क बनाने वाले आंतों से रक्त व मल साफ करते हैं और उन्हें टुकड़ों में काट लेते हैं। फिर एक टुकड़े के ऊपर रखा जाता है, बुकलेट बनाने के लिए। अपने घर या फैक्ट्री में वर्क बनाने वाला चाँदी का टुकड़ा (या सोने का) आंतों के हर पृष्ठ के बीच में रख देता है। और फिर बुकलेट पर जोर-जोर से हथौड़ी मारता है जब तक कि वह टुकड़े पतले वर्क में तब्दील न हो जाएं।

बैल की आंते इतनी मजबूत होती हैं कि बार-बार हथौड़ी की मार पड़ने पर भी उन्हें नुक्सान नहीं पहुँचाता साथ ही उनके अंदर रखा हुआ वर्क घुमता नहीं है। हथौड़ी से पीटने के कारण आंत के कुछ टिश्यू वर्क में मिल जाते हैं। बरहाल जब वर्क तैयार हो जाता है तो निर्माता उसे हलवाइयों आदि को बेच देता है। वर्क जिस तरह से बनाया जाता है उसके कारण वह न सिर्फ गंदा होता बल्कि उसमें मांस का भी अंश होता है। ध्यान रहे कि मांसाहारी भी आंत नहीं खाते हैं। वर्क के इस्तेमाल से मिठाइयां भी गैर शाकाहारी भोजन में तब्दील हो जाती है। कुछ साल पहले जब इंडियन एयरलाइंस को यह बात मालूम हुई तो उसने जहाजों में वर्क में लिपटी मिठाइयों को अपने यात्रियों में बांटना बंद कर दिया। इंडियन एयरलाइंस ने मिठाई सप्लाई करने वालों को आदेश दिया कि वह बिना वर्क के ही मिठाई सप्लाई करें। इस फैसले को लेने में कुछ अन्य कारण भी रहे। आज बाजार में चाँदी विभिन्न उद्देश्य के तहत प्रयोग होती है। चाँदी न सिर्फ कीमती है बल्कि उसकी उपयोगिता भी व्यापक है। चाँदी पर जो रोशनी पड़ती है उसमें से 95 प्रतिशत वह वापस प्रतिबिम्बित कर देती है। चाँदी के जिस फायल को खाने में प्रयोग किया जाता है उसे वर्क कहते हैं। यह तथ्य 'ब्यूटी विद आउट क्रुअल्टी' पत्रिका और मेनका गाँधी के टेलीविजन शो 'हेड्स एंड टेल्स' में उभरकर सामने आया है। भारत में औसतन 2,75,000 किलो वर्क खाया जाता है। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि जरा से स्वाद के लिए कितनी भेड़/बैल को काटा जाता है? अगर इस लेख को पढ़ने के बाद आप इस लेखक की तरह ही आश्चर्य में पड़ गए हैं तो कृपया जितने अधिक व्यक्तियों को संभव हो इसके बारे में बताएं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अनजाने में अब बीफ न खाएं। अब तक पान खाने वाले शाकाहारियों ने कई मील लम्बी बैलों की आंतों खा ली होंगी। इन लोगों के लिए एक और बुरी खबर है- पान में चूना लगाया जाता है वह भी शाकाहारी नहीं है चूना जीवित कीटों के खोलों से बनाया जाता है। इन कीड़ों को समुद्र से लिया जाता है। फिर इन खोलों को पानी में मिलाकर मुलायम किया है और सुखकर सफेद पाउडर के रूप में पीस दिया जाता है। अब आप इस चूने को मुंह में डालते हैं तो आप बहुत से कीड़ों को मारने की प्रक्रिया में शामिल हो जाते हैं। यह बकरी या सुअर की जान लेने से अलग नहीं है। हर कोई जीना चाहता है, कोई मौत का दर्द नहीं चाहता। ●

प्राचीन शहर यरुशलम का इतिहास

● अनिरूद्ध जोशी

काशी, मथुरा, अयोध्या, मक्का, गांधार, पेशावर, नालंदा, तक्षशिला, तेहरान, मदीना, बगदाद, मोसुल, रोम, ईजिप्ट, लोनान, एथेंस, उज्जैन, रामेश्वरम और जगन्नाथ की तरह यरुशलम भी प्राचीन और ऐतिहासिक शहर है। यह शहर मूल रूप से यहूदियों का शहर है लेकिन बाद में यह शहर ईसाई और मुस्लिमों के लिए भी पवित्र स्थल बन गया। यहां एक सुलेमानी मंदिर (सिनेगॉग) था जिसके परिसर में अब मस्जिद, चर्च और सिनेगॉग है। यहां पर मुस्लिमों की मस्जिद अल–हरम है जिसे गोल्डन टेम्पल या डोम ऑफ द रॉक कहते हैं। यहीं पास में अल अक्सा मस्जिद है। इसी के पीछे है पश्चिमी दीवार जो यहूदियों का सबसे पवित्र स्थल है। इससे एक किलोमीटर की दूरी पर है ईसाई धर्म का सबसे पवित्र चर्च। यहूदियां का यहां सबसे पवित्र मंदिर था जिसे 72वीं सदी में रोमनों ने तोड़ दिया था। अब इस मंदिर की एक दीवार ही बची है।

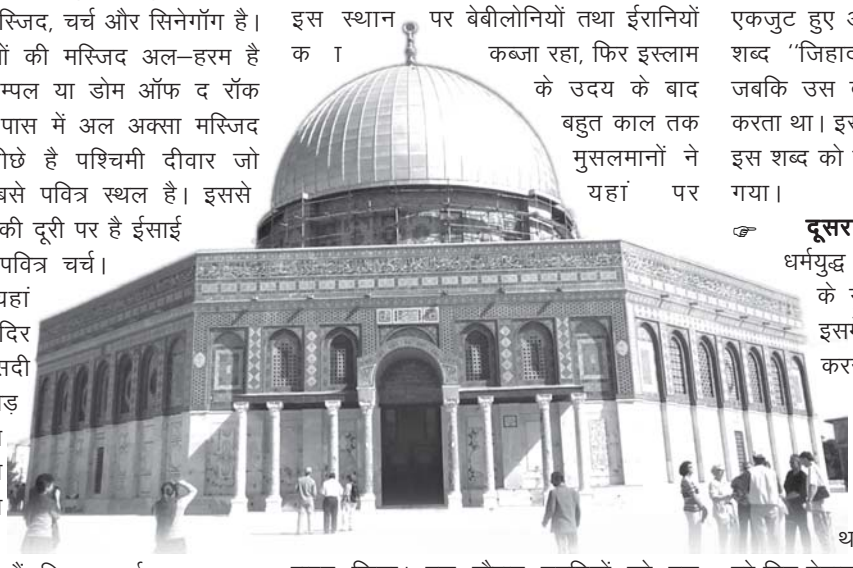

कहते हैं कि 937 ई.पू. बना यह सिनेगॉग इतना विशाल था कि इसे देखने में पूरा एक दिन लगता था, लेकिन लड़ाइयों ने इसे ध्वस्त कर दिया। अब इस स्थल को ''पवित्र परिसर'' कहा जाता है। माना जाता है कि इसे राजा सुलेमान ने बनवाया था। किलेनुमा चहारदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर यरुशलम की ओल्ड सिटी का हिस्सा है।

★ **यरुशल का इतिहास :–** मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमानों का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्मों के लोगों के लिए इसका महत्व है इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। फिलिस्तीन इसे अपनी राजधानी बनाना चाहता है जबकि इसराइल अपनी। इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह, जहां फिलीस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। ये लोग यरुशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। पिछले सैकड़ों सालों से यह स्थान विवाद का केंद्र रहा है। शुरुआत से ही यहूदियों के प्राचीन राज्य इसराइल में यहूदियों के 10 कबीले रहा करते थे। हजरत मूसा ईजिप्ट से जाकर अपने कबीलों के साथ यरुशलम में बस गए थे, क्योंकि यही उनका प्राचीन शहर था। यहूदियों के पवित्र राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा, फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया।

☞ **क्रूसेड :–** क्रूसेड अथवा क्रूस युद्ध। क्रूस युद्ध अर्थात ख्रिस्त धर्म की रक्षा के लिए युद्ध। ख्रिस्त धर्म अर्थात ईसाई या क्रिश्चियन धर्म के लिए युद्ध। अधिकतर लोग इसका इसी तरह अर्थ निकालते हैं लेकिन सच क्या है यह शोध का विषय हो सकता है। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ीं। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था। ईसाइयों ने ईसाई धर्म की पवित्र भूमि फिलिस्तीन और उसकी राजधानी यरुशलम में स्थित ईसा की समाधि पर अधिकार करने के लिए 1095 और 1291 के बीच सात बार जो युद्ध किए उसे क्रूसेड कहा जाता है। इसे इतिहास में सलीबी युद्ध भी कहते हैं। यह युद्ध सात बार हुआ था इसलिए इसे सात क्रूश युद्ध भी कहते हैं। उस काल में इस भूमि पर इस्लाम की सेना ने अपना आधिपत्य जमा रखा था।

☞ **पहला क्रूसेड :–** अगर 1096–99 में ईसाई फौज यरुशलम को तबाह कर ईसाई साम्राज्य की स्थापना नहीं करती तो शायद इसे प्रथम धर्मयुद्ध (क्रूसेड) नहीं कहा जाता। जबकि यरुशलम में मुसलमान और यहूदी अपने–अपने इलाकों में रहते थे। इस कत्लेआम ने मुसलमानों को सोचने पर मजबूर कर दिया। जैंगी के नेतृत्व में मुसलमान दमिक में एकजुट हुए और पहली दफा अरबी भाषा के शब्द ''जिहाद'' का इस्तेमाल किया गया। जबकि उस दौर में इसका अर्थ संघर्ष हुआ करता था। इस्लाम के लिए संघर्ष नहीं, लेकिन इस शब्द को इस्लाम के लिए संघर्ष बना दिया गया।

☞ **दूसरा क्रूसेड :–** 1144 में दूसरा धर्मयुद्ध फ्रांस के राजा लुई और जैंगी के गुलाम नूरुद्दीन के बीच हुआ। इसमें ईसाइयों को पराजय का सामना करना पड़ा। 1191 में तीसरे धर्मयुद्ध की कमान उस काल के पोप ने इंग्लैड के राजा रिचर्ड प्रथम को सौंप दी जबकि यरुशलम पर सलाउद्दीन ने कब्जा कर रखा था। इस युद्ध में भी ईसाइयों को बुरे दिन देखना पड़े। इन युद्धों ने जहां यहूदियों को दर–बदर कर दिया, वहीं ईसाइयों के लिए भी कोई जगह नहीं छोड़ी। लेकिन इस जंग में एक बात की समानता हमेशा बनी रही कि यहूदियों को अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए अपने देश को छोड़कर लगातार दरबदर रहना पड़ा जबकि उनका साथ देने के लिए कोई दूसरा नहीं था। वह या तो मुस्लिम शासन के अंतर्गत रहते या ईसाइयों के शासन में रह रहे थे। इसके बाद 11वीं शताब्दी के अंत में शुरू हुई यरुशलम सहित अन्य इलाकों पर कब्जे के लिए लड़ाई 200 साल तक चलती रही, जबकि इसराइल और अरब के तमाम मुल्कों में ईसाई, यहूदी और मुसलमान अपने–अपने इलाकों और धार्मिक वर्चस्व के लिए जंग करते रहे। इस दौर में इस्लाम ने अपनी पूरी ताकत भारत में झोंक दी। लगभग 600 साल के इस्लामिक शासन

में इसराइल, ईरान, अफगानिस्तान, भारत, अफ्रीका आदि मुल्कों में इस्लाम स्थापित हो चुका था। लगातार जंग और दमन के चलते विश्व में इस्लाम एक बड़ी ताकत बन गया था। इस जंग में कई संस्कृतियों और दूसरे धर्म का अस्तित्व मिट चुका था। 17वीं सदी की शुरुआत में विश्व के उन बड़े मुल्कों से इस्लामिक शासन का अंत शुरू हुआ जहां इस्लाम थोपा जा रहा था। यह था अंग्रेजों का वह काल जब मुसलमानों से सत्ता छीनी जा रही थी। ऐसा सिर्फ भारत में ही नहीं हुआ। उसी दौरान अरब राष्ट्रों में पश्चिम के खिलाफ असंतोष पनपा और वह ईरान तथा सऊदी अरब के नेतृत्व में एक जुट होने लगे। बहुत काल तक दुनिया चार भागों में बंटी रही, इस्लामिक शासन, चीनी शासन, ब्रिटेनी शासन और अन्य। फिर 19वीं सदी कई मुल्कों के लिए नए सवेरे की तरह शुरू हुई। कम्यूनिस्ट आंदोलन, आजादी के आंदोलन चले और सांस्कृतिक संघर्ष बढ़ा। इसके चलते ही 1939 द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ जिसके अंत ने दुनिया के कई मुल्कों को तोड़ दिया तो कई नए मुल्कों का जन्म हुआ।

द्वितीय विश्व युद्ध में यहूदियों को अपनी खोई हुई भूमि इसराइल वापस मिली। यहां दुनिया भर से यहूदी फिर से इकट्ठे होने लगे। इसके बाद उन्होंने मुसलमानों को वहां से खदेड़ना शुरू किया जिसके विरोध में फिलिस्तीन इलाके में यासेर अराफात का उदय हुआ। फिर से एक नई जंग की शुरुआत हुई। इसे नाम दिया गया फसाद और आतंक। यहूदियों को फिर से मिला इसराइल द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरुशलम भी उसके कब्जे में ले लिया गया और दुनियाभर के यहूदियों को पुनः इसराइल में बसाया गया। इस तरह इस भूमि पर यहूदी भी अपना अधिकार चाहते थे। ईसाई, यहूदी और मुसलमान तीनों ही धर्म के लोग आज भी उस भूमि के लिए युद्ध जारी रखे हुए हैं।

★ **यरुशलम का परिचय :–** यरुशलम को इब्रानी में येरुशलयिम और अरबी में अल–कुद्स कहा जाता है। इसे जेरूसलम भी कहते हैं। इसराइल के 4 प्रमुख क्षेत्र हैं– तेल अवीव, यरुशलम, हैफा और बीयर शेव। यरुशलम इसराइल का सबसे बड़ा शहर है। इसे इसराइल की राजधानी बनाए जाने का विवाद चल रहा है। वर्तमान में इसराइल की राजधानी तेल अवीव है। यरुशलम के पास से जॉर्डन सीमा प्रारंभ होती है। इसराइल के तेल अवीव की सीमा भी इससे लगी हुई है। भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरुशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है। यरुशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत–सी प्राचीन कब्रें, 2 म्ध्यूजियम और एक अभयारण्य हैं। इसके

अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरुशल में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी–सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित हैं। माउंट ऑफ ओलिव्स पर खड़े होकर आप अपने सामने यरुशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिव्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र है। यरुशलम सहित इसराइल के बाशिंदे लगभग 75 प्रतिशत यहूदी, 15 प्रतिशत मुस्लिम और 10 प्रतिशत अन्य धर्म को मानते हैं। इसमें ईसाई और आर्मेनियाई है। यहां की आधिकारिक भाषा हिब्रू है, लेकिन अरबी और अंग्रेजी अब ज्यादा बोली जाती है। हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। सुंदर और नक्काशीदार खास चीजों की छोटी दुकान, रोमांचक जायकों की खुशबू फैलाते रेस्तरां, रंग–बिरंगे परिधानों में लोग, नजारों, ध्वनियों और सुगंधों का मिश्रण किसी को भी इस शहर का दीवाना बना सकता है। यरुशलम के 2 हिस्से हैं– ओल्ड सिटी और द न्यू सिटी।

☞ **प्राचीन और नया शहर :–** प्राचीन शहर या ओल्ड सिटी ओल्ड सिटी में प्रवेश करते ही लगता है कि मानो हम पहली सदी में रह रहे हैं। ओल्ड सिटी में प्रवेश के लिए 8 प्राचीन गेट हैं। जफा गेट (Jfafa), जिओन गेट (Zion), डंग गेट (Dung), गोल्डन गेट (Golden), लायन गेट (Lions), हेरोड्स गेट (Herod), दमक गेट (Damascus) और न्यू गेट (New gat)। ओल्ड सिटी में स्थित 4 क्वार्टर सभी की निगाहों में आते हैं, जहां यहूदी, ईसाई, आर्मेनियाई और मुसलमान रहते हैं। चहारदीवारी से घिरे शहर के भीतर 3 धर्मों की सबसे पवित्र जगहें हैं– द वेस्टर्न वॉल, अल अक्सा मस्जिद और चर्च ऑफ द होली स्कल्चर। इसके अलावा यहां और भी बहुत कुछ है, जैसे यरुशलम के राजा दाऊद का टॉवर और असंख्य प्राचीन कब्रें और चर्च। दरअसल, पुराना शहर ही सच्चा यरुशलम माना जाता है। ईसाई और यहूदी मानते हैं इसे दुनिया का केंद्र।

☞ **ओल्ड सिटी के चार क्वार्टर :–** पश्चिमी दीवार के सामने वाले हिस्से में परिसर के बाद पथ पार करके यहूदियों के क्वार्टर का क्षेत्र शुरू हो जाता है। ओल्ड सिटी से बाहर निकलने के लिए यहीं पास में डंग गेट है, जहां से निकलकर आप क्वार्डन घाटी में

जा सकते हैं। यहूदी क्वार्टर की सीमा जहां समाप्त होती है, वहीं से मुस्लिम क्वार्टर की सीमा शुरू होकर हिरोड्स और लॉयन गेट पर खत्म होती है। मुस्लिम क्वार्टर का क्षेत्र भी बहुत बड़ा है। मुस्लिम क्वार्टर के पीछे ईसाई क्वार्टर है और यहूदियों के क्वार्टर के पीछे आर्मेनियाई क्वार्टर है। ईसाई क्वार्टर के लिए न्यू गेट और आर्मेनियाई क्वार्टर के लिए जफा और जियोन गेट नजदीक पड़ता है। जियोन गेट पर ही बना है चर्च ऑफ डर्मिशन। यहां से जियोन पहाड़ी पर सिटी ऑफ डेविड देखने जा सकते हैं। मुस्लिम और ईसाई क्वार्टर की विभाजक रेखा पर स्थित है दमक गेट।

☞ **नया शहर या द न्यू सिटी :–** दूसरी तरफ ओल्ड सिटी से बाहर निकलते ही आप 21वीं सदी में प्रवेश कर जाते हैं, जहां है आधुनिक होटल व इमारतें, आधुनिक यातायात और आधुनिक जीवनशैली। पर्यटकों के ठहरने के लिए उत्तम स्थान और यातायात व्यवस्था। पश्चिमी यरुशलम का डाउनटाउन इलाका (द न्यू सिटी) अपने केंद्रीय त्रिकोण जाफा रोड, किंग जॉर्ज रोड और बेन यहुदा स्ट्रीट के साथ शुक्रवार और शनिवार को चहल–पहल वाला इलाका होता है। द न्यू सिटी में भी देखने के लिए बहुत सारे प्राचीन चर्च, मस्जिद और सिनेगॉग हैं।

✯ **यरुशल के ऐतिहासिक स्थल :–** टॉवर ऑफ डेविड रू जियोन के नजदीक प्राचीन जाफा गेट पर बना हुआ है प्राचीन ''टॉवर ऑफ डेविड'' जिसे बुर्ज दाऊद या दाऊद का गुम्बद भी कहा जाता है। माना जाता है कि यहां राजा सुलेमान (सोलोमन) की कब्र है। यहीं से पुराने शहर में प्रवेश किया जाता है। इस गेट के आसपास किलेनुमा परकोटा है और गेट के अंदर घुसते ही एक ओर आर्मेनियाई क्वार्टर तो दूसरी और ईसाई क्वार्टर है। गेट से बाहर जियोन पहाड़ी पर ''सिटी ऑफ डेविड'' को देखने के लिए भी लोगों की भीड़ जमा होती है।

☞ **सोलोमन टेम्पल :–** दाऊद के बेटे ही सुलेमान थे जिन्हें इसराइल का सम्राट माना जाता था। माना जाता है कि सोलोमन टेम्पल का निर्माण 10वीं शताब्दी ईसा पूर्व में हुआ था। मूलतः यह मंदिर हिब्रू (यहूदी) संप्रदाय से संबंधित है। पवित्र सोलोमन टेम्पल को रोमनों ने नष्ट कर दिया था। उक्त टेम्पल बाइबिल में प्रथम प्रार्थनालय के नाम से दर्ज है। चहारदीवारी से घिरे इस भव्य टेम्पल के स्थल पर ही अब यहूदियों के महत्वपूर्ण स्थल टेम्पल माउंट और पश्चिमी दीवार के अलावा अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक और चर्च हैं। हालांकि यह विवाद का विषय और जगह है।

☞ **सिटी ऑफ डेविड :–** इसराइल के सम्राट दाऊद के नाम पर उनके बेटे सुलेमान ने एक नगर बसाया था जिसे ''सिटी ऑफ डेविड'' कहा जाता है। ओल्ड सिटी के जियोन गेट या डंग गेट से निकलकर जियोन पहाड़ी पर इस प्राचीन सिटी के अवशेष आज भी देखे जा सकते हैं। माना जाता है कि यह लगभग 3,000 वर्ष पुराना शहर है। सोलोमन मंदिर के साथ ही इसे बनाया गया था। पर्यटकों के बीच यह सिटी आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। यहीं डर्मिशन चर्च के पास उनकी कब्र है।

☞ **ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक :–** धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम, जिसे याद वशेम कहा जता है, का खासा महत्व है। यहां पर यरुशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियमों का इतिहास बहुत पुराना है।

✯ **यरुशलम के जंगल :–** मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुम्बद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गार्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरुशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

☞ **पवित्र परिसर :–** किलेनुमा चहारदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। दीवार के पास तीनों ही धर्मों के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरुशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत–सी प्राचीन कब्रें हैं। यरुशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

☞ **वेलिंग वॉल :–** वेलिंग वॉल को ''विलाप की दीवार'' भी कहते हैं। यह यहुदियों का सबसे पवित्र स्थल है। माना जाता है कि यही प्राचीन प्रार्थनालय सोलोमन टेम्पल का परिसर है। इस दीवार के ऊपरी हिस्से में अल–अक्सा मस्जिद स्थित है। यहीं पास में टेम्पल माउंट अर्थात डोम ऑफ द रॉक है। इस दीवार को पश्चिमी दीवार भी कहते हैं।

माना जाता है कि दीवार के ऊपर बने अपने धार्मिक स्थल के अपने हाथों से निकल जाने के गम में यहूदी दीवार के समक्ष विलाप करते हैं और प्रार्थना भी। अल–अक्सा मस्जिद (अलहरम–अलशरीफ) का एक हिस्सा बन चुका यह स्थल यहूदियों और मुसलमानों दोनों का एक पावन स्थल है। ये दीवार पवित्र मंदिर की बची हुई निशानी है। यहां मंदिर में अंदर यहूदियों की सबसे पवित्रतम जगह ''होली ऑफ होलीज'' है। यहूदी मानते हैं यहीं पर सबसे पहली उस शिला की नींव रखी गई थी, जिस पर दुनिया का निर्माण हुआ, जहां अब्राहम ने अपने बेटे इसाक की कुरबानी दी। पश्चिमी दीवार, ''होली ऑफ होलीज'' की वो सबसे करीबी जगह है, जहां से यहूदी प्रार्थना कर सकते हैं। दुनियाभर से लाखों यहूदी यहां आते हैं और खुद को अपनी विरासत से जोड़ते हैं। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरुशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना

करते हैं।

☞ **टेम्पल माउंट :–** यहूदी इसे टेम्पल माउंट कहते हैं। इस टेम्पल के नजदीक ही गोल्डन गेट है, जहां से ओल्ड सिटी के बाहर जाया जा सकता है। टेम्पल का गुम्बद सोने से जड़ित है। माना जाता है कि ईश्वर ने प्रथम आदमी की यहीं पर उत्पत्ति की थी। यहीं पर मानव के निर्माण के लिए धूल इकट्ठी हुई थी। यह स्थान मुसलमान, ईसाई और यहूदियों के लिए पवित्र स्थान है। सभी इस पर आधिपत्य चाहते हैं। डोम ऑफ द रॉक टेम्पल माउंट को ही डोम ऑफ द रॉक कहा जाता है। मुसलमानों की आस्था है कि डोम ऑफ द रॉक ही वह स्थान है, जहां से पैगंबर मुहम्मद साहब को नमाज के लिए पहली बार हिदायत मिली थी। हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि डोम ऑद द रॉक टेम्पल माउंट और अल अक्सा मस्जिद के बीच है। यह कहा जाता है कि प्राफेट मोहम्मद जेरूसलम के एक पत्थर पर खड़े होकर जम्प लगाके स्वर्ग गए थे और अल्लाह से बात करके वापस आ गए थे। तो वह जो पत्थर है उसके चारों तरफ जो स्ट्रक्चर बना है वह हरमल शरीफ है। जब आप हरमल शरीफ की तरफ जाएंगे तो यहां एक गेट है जिसको अंग्रेजी में गेट ऑफ स्केल्स कहते हैं। मुसलमान मानते हैं कि जब दुनिया का खात्मा होगा आखिरत आएगी तब फाइनल जजमेंट होगा तो इसी गेट पर आपके पाप और पुण्य तो तोलने के लिए तराजु लगी होगी। यहीं आपका फाइनल जजमेंट होगा। हरमल शरीफ के ठीक सामने एक मस्जिद है जिसका नाम अल अक्सा है। वेलिंगवादल, अल अक्सा मस्जिद और हरमल शरीफ तीनों को मिलाकर टेम्पल माउंट कहा जाता है। अल अक्सा मस्जिद यरुशलम की अल अक्सा मस्जिद को ''अलहरम–अलशरीफ'' के नाम से भी जानते हैं। मुसलमान इसे तीसरा सबसे पवित्र स्थल मानते हैं। उनका विश्वास है कि यहीं से हजरत मुहम्मद जन्नत की तरफ गए थे और अल्लाह का आदेश लेकर पृथ्वी पर लौटे थे। इस मस्जिद के पीछे की दीवार ही पश्चिम की दीवार कहलाती है, जहां नीचे बड़ा–सा परिसर है। इसके अलावा मुसलमानों के और भी पवित्र स्थल हैं, जैसे कुव्वत अल सकारा, मुसाला मरवान तथा गुम्बदे सखरा भी प्राचीन मस्जिदों में शामिल है।

☞ **चर्च ऑफ द होली स्कल्चर :–** ईसाइयों के लिए भी यह शहर बहुत महत्व रखता है, क्योंकि यह शहर ईसा मसीह के जीवन के अंतिम भाग का गवाह है। पुराने शहर की दीवारों से सटा एक प्राचीन पवित्र चर्च है जिसके बारे में मान्यता है कि यहीं पर प्रभु यीशु पुनः जी उठे थे। जिस जगह पर ईसा मसीह फिर से जिंदा होकर देखा गए थे उसी जगह पर यह चर्च बना है। ईसाइयों का विश्वास है कि ईसा एक बार फिर यरुशलम आएंगे। माना यह भी जाता है कि यही ईसा के अंतिम भोज का स्थल है। यहीं वह मकबरा है जहां ईसा मसीह को दफनाया गया था। यहां पर पत्थर के तीन स्लेब्स है। एक वह जहां पर पहले दफनाया गया दूसरा वह जहां पर जीवित पाए गए और तीसरा वह जहां उन्हें पुनः दफनाया गया था।

☞ **चर्च ऑफ डर्मिशन :–** जियोन गेट के पास स्थित चर्च ऑफ डर्मिशन का महत्व भी कम नहीं है। माना जाता है कि इसका पहले नाम वर्जिन मेरी था। यह स्थान मदर मेरी के स्थान के नाम से जाना जाता है। यहां उनकी सुंदर मूर्ति और यहां एक प्राचीन शिलालेख है जिस पर हिब्रू भाषा में चर्च के बारे में लिखा है। यहीं आगे राजा डेविड की कब्र है। एक चर्च लॉयन गेट के सामने ही भी है, जहां वर्जिन मेरी की कब्र है।

☞ **विवा डोलोरोसा :–** विवा डोलोरोसा वह क्षेत्र है, जहां से यीशु को क्रॉस के साथ ले जाया गया था। इसे दुख या पीड़ा का मार्ग माना जाता है। होली स्कल्वर से फ्लेगलेशन तक का मार्ग। इस मार्ग के बाद ओल्ड सिटी के पूर्वी भाग में चर्च ऑफ फ्लेगलेशन को वह स्थान माना जाता है, जहां सार्वजनिक रूप से यीशु की निंदा हुई और उन्हें क्रॉस पर चढ़ा दिया। यह एक रोमन कैथोलिक चर्च है, जो संत स्टीफन गेट के पास है। इस चर्च के पास ही संत एन्ना का चर्च भी है, जो 12वीं सदी में निर्मित हुआ था।

☞ **अन्य चर्च :–** मेरी मेग्दलीन यीशु की शिष्या थी या पत्नी, इस संबंध में विवाद है। ओल्ड सिटी की दीवारों के बाहर लॉयन गेट के आगे इनके नाम का एक प्राचीन चर्च है। इसके अलावा ईसाइयों के ऐतिहासिक महत्व के बहुत सारे चर्च ओल्ड और न्यू सिटी में हैं।●

दो पल जिंदगी

● अंजली

जिंदगी का हर एक पल एक दूसरे से अलग होता है लेकिन जुदा नही। एक छोटे से कमरे की छोटी सी कुरसी पे बैठ के रवि यही तो सोच रहा था। आखिर यह बात उसकी जिंदगी से भी तो मेल खाती है। उसकी जिंदगी का हर एक पल एक दूसरे से अलग था लेकिन वह पल मिल कर उसकी जिंदगी की किताब के पन्नें भर रहे थें। रवि की आयु वैसे तो 32 थी लेकिन घर–बार, जिंदगी की टेन्शन ने उसे 50 का बना दिया था। "परेशानी इंसान को पूरा खत्म कर देती है, इंसान मुस्कूराना तक भूल जाता है"। रवि हमेशा खुद को यही ताने तो देता है।

एक शाम जब रवि घर की बालकनी में बैठ के पार्क के बच्चों को देख रहा था तभी पीछे से उसे एक आवाज आई, "यह लिजीए चाय।" यह प्यारी, मासुमियत भरी आवाज और किसी की नही आशाकी थी, एक आशा ही तो थी रवि के पास बाकी सब तो पराए से थे। आशा जब उसके पास आ कर बैठी तो रवि बहुत देर उसे देखता रहा। आशा की नजर भी रवि की नजरो से टकरा गई, और चारो तरफ शांति छा गई थी। यह शांति आशा की आवाज ने तोडी "आप ऐसे क्यू देख रहे हैं?" आशा की यह मासुमियत देख रवि हँस पडा और बोला "अपनी बीबी को देखने के लिए किसी की इजाजत चाहिए क्या?, और वैसे भी मेरी बीबी दुनिया की सबसे सुंदर लड़की है, तो मेरी नजर तो जाएगी ही ना।" आशा का लाल चेहरा देख रवि का चेहरा भी मुस्कुरा उठा। रवि वो वक्त याद कर रहा था जब वह दोनो ऐसा बैठ कर साथ में मुस्कुराए थे। दिया के जाने के बाद दोनों जैसे मुस्कुराना ही भुल गए थे। रवि को हर पल यह ही लगता था कि दिया की मौत उसकी वजह से हुई थी। अपनी बेटी को खोने का गम माँ–बाप के लिए बहुत बड़ा होता है। अपने आप को सम्भालने में दोनों को 3 साल लग गए थे। अपनी 2 साल

की बच्ची को रवि ने अपने हाथ में दम तोडते हुए देखा था। रवी के सामने जैसे वह काला सच्च हर पल किसी कहानी की तरहा गुजरता है। दिया को रोज पार्क में ले कर जाना रवि की आदत बन गई थी और दिया भी अपने नन्हे–नन्हे कदमो से सारा पार्क नाप लेती थी। दिया को पानी बहुत पसंद था। पार्क में एक छोटा तालाब था और छोटे से तालाब में छोटी–छोटी मछलिया थी तालाब के पास दो बेंच लगे थे। रवि और दिया दोनो वहा जा कर बेठ जाते थे, और दिया पापा से छुप के पार्क मे धुमने लगती थी।

उस दिन भी कुछ एसा ही हुआ था। दिया अपने नन्हे–नन्हे हाथो से तलाब में मछलिया पकड़ने चली गई। छोटी सी बच्ची थी, छोटे से हाथ थे वो मछली पकडने के लिए नीचे और नीचे झुकते ही जा रही थी, अचानक उसका हाथ फिसला और वो तलाब में गिर गई, जब रवि ने दिया को देखा तो सबकी मदत ले कर उसने दिया को बाहर निकाला। दिया ने आखरी सांस रवि की बाहो में ही ली थी, यह तकलीफ ना तो रवि को छोडता है और ना ही आशा को। हाँ एक असफल कोशिश दोनो हर साल करते हैं। दिया के जन्म दिन पर दोनो अनाथ आश्रम जाते हैं और अपनी दिया तो तलाशने की कोशिश करते हैं। जब सुबह आशा उठी तो उसे बिस्तर की दुसरी तरफ रवि नही मिला, घबराई हुए आशा जब कमरे से बाहर गई तो रवि को हॉल मे कुर्सी पर परेशान बैठे देखा। आशा रवि के पास जाते हुए बोली "आप यहा क्या कर रहे हैं, मैं आपको अंदर ढुंढ रही थी।"

"आज 3 तारीक है आशा, आज इस घर की जान, हमारी जान, हमारी गोद मे पहली बार आई थी, हमारी दिया ने इस दुनिया को अपनी आँखो से देखा था।" रवि की यह भारी होती आवाज आशा को कमजोर बनाती गई। आशा रवि के साथ बैठ गई, और अपनी बेटी के साथ बिताए वह मासुम पल याद करने लगे। आशा और रवि ठीक 12 बजे घर से निकल गए, और 1 बचे तक अनाथ आश्रम जा पहुँचे। बच्चो के साथ बच्चा बन के कुछ वक्त के लिए वह तकलिफ कम तो हो गई, लेकिन खत्म नही। आशा को बहुत तेज प्यास लगी वह कमरे से निकल के पानी पीने जा ही रही थी तभी उसे वहां पर एक छोटी सी बच्ची नजर आई। "दिया, मेरी बच्ची।" आशा ने जब उस छोटी बच्ची को गले लगाया तो वह बच्ची डर के चिखने लगी। आशा की चीख सनकर रवि भी बाहर आ गया और उस बच्ची को देख रोने लगा। आखिर उन्हें उनकी दुनिया जो मिल गई थी। ●

★ लोक अभियोजक (Public Prosecutor) के बारे में जानकारी देने की कृपा करें।

मुकदमें में दो पक्षकार होते हैं एक जो केस लाता है तथा दूसरा जिस पर केस लाया जाता है। जो केस लाता है, उसकी ओर से मुकदमा लड़ने के लिए सरकार वकील नियुक्त करती है। न्यायिक दण्डाधिकारी के समक्ष नियुक्त वकील को A.P.P. कहा जाता है। सेशन जज के न्यायालय में मुकदमें के संचालन के लिए जिस अधिवक्ता को सरकार नियुक्त करती है उसे लोक अभियोजक (Public Prosecutor) कहा जाता है। इस प्रकार लोक अभियोजक वह अधिवक्ता होते हैं जो सरकार की ओर से प्रतिनिधित्व करता है। इसके नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है। लोक अभियोजक के निर्देश पर कार्य करने वाला व्यक्ति भी लोक अभियोजक ही कहलाता है। लोक अभियोजक की नियुक्ति Cr. P.C. की धारा (24) के अधीन की जाती है। जिला दण्डाधिकारी, सत्र न्यायाधीश के परामर्श पर जिला एवं सत्र न्यायधीश एक अधिवक्ता की सूची तैयार कर सरकार को भेजता है जो कम से कम 7 वर्ष से अधिक अधिवक्ता के रूप में काम कर रहा है। राज्य सरकार ऐसे ही सूची में से एक को लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

★ अग्रीम जमानत (Anticipatory Bail) के बारे में विस्तार से जानकारी दें।

जब किसी व्यक्ति को यह विश्वास करने का उचित कारण है कि हो सकता है कि उसे किसी अजमानतीय अपराध के किये जाने के अभियोग में गिरफ्तार कर लिया जाएगा तो ऐसा व्यक्ति Cr.P.C. की धारा 438 के अधीन उच्च न्यायालय या सेशन न्यायालय में जमानत के लिए आवेदन दे सकता है। ऐसे आवेदन पर जब सेशन जज या उच्च न्यायालय आवेदक को पुलिस द्वारा गिरफ्तार होने पर उसे पुनः जमानत पर छोड़ देने का आदेश देता है, तो उसे पूर्व अनुमति जमानत कहा जाता है। अर्थात जब गिरफ्तारी के पूर्व ही किसी व्यक्ति को गिरफ्तार होने की स्थिति में उसे जमानत पर छोड़ देने का निर्णय होता तो उसे पूर्व अनुमति जमानत कहा जाता है।

उच्च न्यायालय या सेशन न्यायालय जहाँ भी आवेदन दिया गया हो, न्यायालय निम्नलिखित शर्तों पर आवेदक के गिरफ्तार होने पर उसे छोड़ने का निर्देश दे सकता है:

1. यह कि पुलिस द्वारा जाँच पड़ताल के समय वह व्यक्ति पूछे जाने वाले प्रश्नों को उत्तर देने के लिए जैसे और जब जरूरत होगी उपस्थित होगा।
2. यह कि वह व्यक्ति प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मामले के तथ्यों से अवगत व्यक्ति (गवाहों) को न्यायालय या पुलिस के समक्ष मामले के तथ्यों को प्रकट न करने के लिए कोई धमकी या उत्प्रेरण नहीं देगा।
3. यह कि वह व्यक्ति न्यायालय के पूर्व अनुमति के बिना भारत नहीं छोड़ेगा।
4. यह कि वह व्यक्ति बन्ध-पत्र की शर्तों के अनुसार हाजिर होगा।
5. यह कि वह व्यक्ति उस अपराध जैसा जिसे करने का उस पर अभियोग या सन्देह है, कोई अपराध नहीं करेगा।

गुरूवख्श सिंह एवं अन्य बनाम पंजाब राज्य (AIR 1980 SC 1632) के मामले में यह मत व्यक्त किया गया कि पूर्व अनुमति जमानत का आदेश पारित करने के पूर्व न्यायालय को यह भली-भांति देख लेना चाहिए कि गिरफ्तारी के विश्वास का कोइ युक्तियुक्त कारण विद्यमान है या नहीं। मात्र गिरफ्तारी का भय इसके लिए पर्याप्त नहीं है।

★ उन्मोचन (Dis Charge) कब होता है, डिसचार्ज के बारे में जानकारी दें।

अभियुक्त के विरूद्ध विचारण (Trial) शुरू होने के पहले ही न्यायालय यदि यह समझता है कि अभियुक्त के विरूद्ध कार्यवाही करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं है। आरोप निराधार है या अभियुक्त के विरूद्ध

कानूनी सलाह
शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

प्रथम दृष्टि में ही कोई मामला सिद्ध नहीं होते हैं, तो वैसी अवस्था में न्यायालय अभियुक्त को कार्यवाही से उन्मुक्त कर सकता है।

उन्मोचन अभियुक्त को निर्दोष घोषित नहीं करता है बल्कि इसका अर्थ होता है कि उसके विरूद्ध कोई प्रथम दृष्टया ऐसा साक्ष्य प्रमाणित नहीं हुआ है जो कि आरोप के संबंध में उसके विरूद्ध आगे जाँच को न्यायोचित कर सके। उन्मोचन का आदेश निर्णय नहीं कहलाता है तथा यह आरोप गठित होने के पहले ही किया जाता है।

वारंट मामले के विचारण में Cr.P.C. की धारा 239 तथा सम्मन मामले के विचारण में धारा 227 के अंतर्गत अभियुक्त के उन्मोचन के प्रावधान का उल्लेख किया गया है। इन समस्याओं के नअुसार धारा 173 सी.आर.पी.सी. के तहत भेजी गई पुलिस रिपोर्ट तथा दस्तावेज के निरीक्षण तथा विचारण कर लेने पर तथा इस निमित अभियोजन एवं अभियुक्त की सुनवाई के पश्चात् तथा न्यायालय यह समझता है कि अभियुक्त के विरूद्ध लगाये गये आरोप निराधार हैं या कार्यवाही करने के लिए प्रर्याप्त आधार नहीं हैं तो वह अभियुक्त को उन्मोचित कर देगा तथा ऐसा कार्य करने के कारणों को लिखेगा।

★ पूर्व न्याय (रेसजुडिकाटा) किसे कहते हैं? कौन सी परिस्थिति में पूव ंन्याय लागू होता है?

पूर्व न्याय के सिद्धन्त को सी.पी.सी. की धारा 11 में स्पष्ट किया गया है कि पूर्व न्याय का सामान्य अर्थ यह हैं कि यदि किसी विवादित विषय पर कोई सक्षम न्यायालय पहले ही निर्णय दे चुकी है, तब उस वाद के पक्षकार उसी विवादक विषय पर पुनः निर्णय के लिए दोबारा मुकदमा फाईल नहीं कर सकते हैं। यदि उनमें से कोई भी पक्षकार दोबारा मुकदमा लाता है तो रेसजुडिकाटा के सिद्धान्त के आधार पर ऐसा मुकदमा लाने से उसे रोक दिया जाता है।

★ एक अभियुक्त को आवश्यक साक्ष्य नहीं होने के कारण न्यायालय ने उसे दोषमुक्त कर दिया। पुनः उसी अपराध के लिए उस अभियुक्त पर अभियोग चलाया गया और साक्ष्य प्रस्तुत किया गया, मजिस्ट्रेट ने उसे दंण्डित कर दिया तो क्या यह आदेश वैध होगा?

Cr. P.C. की धारा 300 में स्पष्ट प्रावधान है कि जिस व्यक्ति का किसी अपराध के लिए सक्षम अधिकारिता वाले कोर्ट द्वारा एक बार विचारण किया जा चुका है औरें जो ऐसे अपराध के लिए दोषसिद्ध या दोषमुक्त किया जा चुका है वह जब तक की ऐसी दोषसिद्धी या दोषमुक्ति प्रभावी रहते हैं, तब तक न तो उसी अपराध के लिए विचारण होगा और ना उन्हें तथ्यों पर किये ऐसे अपराध के लिए विचारण किया जाएगा, जिसके लिए उसके विरूद्ध लाये गये आरोप से भिन्न आरोप Cr.P.C. की धारा 221 की उपधारा (1) के अधीन लगाया जा सकता है या जिसमें की वह उसके उपधारा (2) के अधीन दोषसिद्ध किया जा सकता है।

चूंकि आपके द्वारा पूछे गये प्रश्न में अभियुक्त आवश्यक साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया है, इसलिए उसी अपराध के लिए उसे पुनः विचारित नहीं किया जा सकता है।

अनजान सफर, कश्मीर डगर

● अंजली

कश्मीर से दिल्ली का रास्ता यू तो छोटा था पर इस ठंड और कोहरे ने इसे बहुत लम्बा बना दिया था। दो दिन से ट्रेन एक ही जगह पर थी बढ़ ही नही रही थी। कम्बखत ठंड! मेरे सामने वाली सीट पर 24–25 साल का एक लड़का बैठा था, वह बहुत सोचते हुए बोला "भाई जान! पानी मिल सकता है थोड़ा, बहुत प्यास लगी है।" उसके इस सवाल ने सफर का बोझ थोड़ा हल्का कर दिया। उस से बातचीत आगे बढ़ी तो पता चला वो कश्मीर घाटी का है। हिन्दुस्तान का स्वरग। उसने अपना नाम मुदसीर बताया और ये भी बताया की वह दिल्ली पढ़ने जा रहा है। बात करते–करते दोनो ने बहुत सी बाते एक दूसरे को कह डाला लेकिन उसकी एक बात ने मेरे सोचने का नजरिया ही बदल दिया। उसने कहा"भाई जान! इतिहास में कई गलतियाँ हुई हैं जिसे आज भी कश्मीर और कश्मीरी भुगत रहे है।" उसकी इस बात को सुन के मन सच जानने को उत्सुक हो उठा। मैने कहा "कौन–कौन सी गलती हुई है भाई! मुझे बताओगे, अगर तुम्हे कोई परेशानी ना हो।" उसने कहा "अगर आप निष्पक्ष फैसला लेंगे तब मैं बताऊँगा।" और उसने इतिहास के पन्ने पलटना शुरू कर दिया।

उसने कहा "भाई जान! सही और गलत का फैसला तभी हो पाएगा जब आपको शुरूआत से सारी बाते पता होगी।" मैं बस उसकी बाते सुनता जा रहा था। उसने बताना शुरू किया "1947 मे जब हिन्दुस्तान और पाकिस्तान का बटवारा हुआ तब सभी राज्यो ने पाकिस्तान और हिन्दुस्तान मे से किसी एक को चुनने का फैसला कर लिया था सिवाए कश्मीर और हैदराबाद के। हिन्दुस्तान ने बल का प्रयोग कर के हैदराबाद की सरजमीं अपने नाम कर ली लेकिन कश्मीर को हिन्दुस्तान मे मिलाना आसान नही था।" "आसान नही था?" मैंने हैरानी से पूछा। मेरी बात पे मुस्कुराता हुआ मुदसीर अपनी कहानी, माफ करना इतिहास की कहानी पर लौटता हुआ बोला "कश्मीर के तत्कालीन राजा, हरी सिंह ने कश्मीर की आजादी के लिए पाकिस्तान और हिन्दुस्तान दोनो से 12 अगस्त,1947 को ठहराव समझौते की विनती की और दोनो देशो ने ठहराव समझौते पर हस्ताक्षर किया लेकिन कश्मीर की आजादी पाकिस्तान को हिन्दू राजा का मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्र मे राज करना रास नही आया और पाकिस्तान ने ठहराव समझौते को तोड दिया।" उसकी बात को बीच मे काटते हुए मैं बोला "क्या जरुरत थी कश्मीर के राजा को आजादी गान गाने की, चुप–चाप हिन्दुस्तान मे आ जाते।" "भाई–जान ये तो आपकी ज्यादती है। अंग्रेजों से आजादी के लिए हिन्दुस्तान भी तो लड़ रहा था, अगर राजा ने आजादी मांगी तो क्या गलत मांग लिया।" मुदसीर ने कहा और उसकी बात ने जैसे मेरे मुँह पर ताला लगा दिया हो। अपनी बात का कोई जवाब ना पाते हुए वो चुप सा

हो गया और उसे चुप होता देख मै तपाक से बोला "आगे क्या हुआ भाई!" मुदसीर फिर से कहानी बताने लगा "22 अक्टूबर,1947 को पाकिस्तान समरथित हमलावरो ने कश्मीर पर हमला कर दिया। कश्मीर के राजा हरी सिंह ने हिन्दुस्तान से मद्द की गुहार की और हिन्दुस्तान ने उसको कश्मीर की आजादी की मांग को खारिज करने को कहा। हिन्दुस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा की मद्द करेगा। 26 अक्टूबर,1947 को हरी सिहं ने हिन्दुस्तान मे विलय के दस्तावेजो पर हस्ताक्षर किया। हिन्दुस्तान ने अपनी सेना फौरन कश्मीर भेजी और कश्मीर से पाकिस्तानी सेना को बाहर निकाला, परंतु उस वक्त तक बहुत देर हो गई थी 1/3 कश्मीर पाकिस्तान ने हथिया लिया था।" "उस 1/3 कश्मीर को वापस लेने के लिए कुछ नहीं किया गया मुदसीर?" मैने पूछा। मुदसीर ने जवाब मे बोला "भाई जान वापस लेने को ले सकते थे लेकिन एक छोटी–सी गलती ने 1/3 कश्मीर हिन्दुस्तान से छिन लिया।" वह आगे बोला "1 जनवरी,1948 को कश्मीर के मुद्दे को हिन्दुस्तान संयुक्त राष्ट सुरक्षा परिषद ले गया जिसकी वजह से हिन्दुस्तानी सेना को उस लड़ाई को बीच मे ही रोकनी पड़ी, अगर हिन्दुस्तान की सेना को थोड़ा और वक्त मिल जाता तो शायद पूरा कश्मीर हमारा होता। खैर जो हुआ सो हुआ।" अपनी बात पे वापस आते हुए वो बोला और मैं भी एक टक उसे सुनता रहा। "कश्मीर के नाजुक हालात देख 17 जनवरी को संयुक्त राष्ट सुरक्षा परिषद ने एक रिजोल्युशन पास किया जिसमें तीन बाते थी और तीनो बातो को बारी– बारी से क्रमानुसार मानना था। पहले नियम को मानने के बाद ही दुसरे नियम पर पहुँचना है। रिवोल्युशन मे पहला नियम था कि पाकिस्तान अपनी सेना तुरंत कश्मीर से वापस बुलाए। जब पाकिस्तान अपने सैनिक वापस बुला ले तब हिन्दुस्तान कुछ सैनिक सुरक्षा के लिए छोड़ के बाकी सैनिकों को हिन्दुस्तान वापस बुलाए। जब दोनो देश अपने–अपने सैनिक बुलाले तब कश्मीर में एक शान्ति पूर्वक जनमत संग्रह हो और अपना भविष्य कश्मीर खुद चूने। पर अफसोस, इसकी पहली सीढ़ी ही नही चढ़ी गई तो आखिरी तक कहा से पहुचेंगे हम। पहले रिजोल्युशन का पाकिस्तान की तरफ से अपमान होता देख 12 अप्रैल को UNIP(भारत और पाकिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट आयोग) ने कश्मीर की सुरक्षा और देख–भाल की जिम्मेदारी हिन्दुस्तान को दे दी।"

"मुदसीर! जब हिन्दुस्तान को कश्मीर मिल गया तो अब जो ये खून–खराबा, मार–पीट,के मासले है यह क्यूँ है? अब तो सब खतम हो जाना चाहिए ना?" मैंने बहुत दुख और चिंतित मन से पुछा। मुदसीर थोड़ा क्रोधित होतो हुए बोला "भाई–जान! कश्मीर का हिन्दुस्तान में तो उस वक्त जैसे मातम छा गया हो। पाकिस्तान के गुस्से और घमंड की आग में कश्मीर आज भी जल रहा है। पाकिस्तान ने कश्मीर में आतंकवादी घुस–बैठ बढ़ा दी, कश्मीरियों को हिन्दुस्तान के खिलाफ भडकाना शुरू कर दिया। अलगावाद का बीज कश्मीर की सरजमी में बो दी और छोड़ दिया मरने को। एक भाई अपने ही भाई को मार रहा है।" मुदसीर का दर्द मुझ तक पहुँच रहा था। मेरी आँखे नम होने लगी उसने बताया कि कैसे उसके छोटे भाई को पाकिस्तान उठा के ले गए और उसके पिता को उसके घर में घुस के मार डाला। मैंने अपनी भारी आवाज में उससे पुछा "मुदसीर! तुम्हारे साथ इतना सब हुआ और पुलिस ने कुछ नहीं किया?" "भाई–जान! पुलिस उन सब से मिली हुई है। पुलिस वाले चोर है, वो आतंकवादियों के पाले हुए कुत्ते है जो हमारी जान के दुशमन बने बैठे है।" मुदसीर ने बहुत गुस्सैल रूप से कहा और कहता ही चला गया। वह आगे बोला "भाई–जान! सरकार की तो पुछो ही मत। सब सत्ता में आने के बाद वादे और बाते भुल जाते है। अगर कश्मीर के लिए किसी नेता ने कुछ किया है तो वो है शेख अब्दुल्ला साहब बाकी सब बस अपनी कुर्सी और सत्ता के लिए ही काम करते है। शेख साहब पूरे कश्मीर से प्यार करते थे सिर्फ कश्मीरी मुस्लिम या कश्मीरी हिन्दू से नही। उनकी सोच धर्मनिरपेक्ष थी। पाकिस्तान ने जब कश्मीर पर हमला किया था तब भी शेख साहब ने भारतीय सेना के साथ मिल कर कश्मीर की रक्षा की थी। नेशनल कॅन्फ्रेंस उनकी ही बनाई हुई पार्टी है, हाँ पहले उसका नाम(All jammu and Kashmir muslim conference) था। शेख साहब पाकिस्तान से नफरत करते थे भाई–जान।"

बात करते–करते पता ही नही चला और दिन से रात हो गई। हम दोनो में बहुत दम था, कश्मीरियों का दर्द और तकलीफ बहुत है। हिन्दुस्तान और पाकिस्तान, हिन्दु–मुस्लिम जैसी जंग जो कश्मीर में चल रही है उसमें जीत का तो पता नहीं लेकिन हार इंसानियत की हो रही है। अगली सुबह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उतरा तो मुदसीर मेरे पास आया और बोला "आपसे मिल कर बहुत अच्छा लगा, भाई–जान! खुदा ने चाहा तो फिर मिलेंगे। अपना खयाल रखियेगा। अल्ला हाफिज।" मैने भी उसे धन्यवाद किया और दोनो अपने–अपने रास्ते चल दिए। कश्मीर से दिल्ली के इस सफर ने मुझे एक नई सोच और एक अच्छा दोस्त दे दिया। ●

St. Teresa's English High School

Run and managed by St Teresa's Educational Trust

Pre NC to Xth

Above SBI and Dariyapur Road Warisaliganj

Special Feature :-

- South Indian Teachers
- Computer class and smart classes
- The only future of warisaliganj to bring the children into international standard.
- Libarary and science lab

Admissi1ns for the new session is going on.. Limited seats

Warisaliganj nawada

Contact no 9534321115, 9708476972

राष्ट्रीय जनता दल जिन्दाबाद

नववर्ष, मकर संक्रांति, बसंत पंचमी एवं गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर राजद परिवार सहित सम्पूर्ण बिहारवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

शक्ति सिंह यादव

विधायक,

175-हिलसा विधानसभा,

नालंदा, बिहार

इंकलाब जिन्दाबाद इंटक जिन्दाबाद मजदूर एकता जिन्दाबाद

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक)

यदि आप कैजुअल/दैनिक/ठीका मजदूर के रूप में निजी अथवा सरकारी क्षेत्र में कार्यरत हैं, इसके अतिरिक्त होटल रेस्तरां, अस्पताल-स्कूल, अन्य संस्थान निर्माण/बीड़ी क्षेत्र, स्थानीय निकाय, लोडिंग-अनलोडिंग, केन्द्र/राज्य सरकार के स्कीम्स एवं अन्य असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं, साथ ही वेंडर्स, घरेलू कामगार, रिक्शा/टेम्पो/टैक्सी चालक हैं तो अपने हक एवं अधिकार के साथ ही मजदूरी के निर्धारण, काम की सुरक्षा, कानून अंतर्गत सुविधायें एवं ईपीएफ/ईएसआई का लाभ प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) से संबद्ध श्रमिक संघों से जुड़ें एवं मजदूर आन्दोलन को ताकत दें।

चन्द्र प्रकाश सिंह

प्रदेश अध्यक्ष (इंटक) बिहार।

Website :-www.prakashintuc.com
Mob.:- 9431016951, 9334110654
E-mail :-chandraprakash.intuc@yahoo.com

पानी टंकी वाटर बोर्ड कॉलोनी, बोरिंग रोड, पटना-800013 (बिहार)

पंडित उगम पाण्डे महाविद्यालय

मोतिहारी, बिहार

1. सभी शैक्षणिक सुविधाओं, संसाधनों से लैस जिले का सर्वोत्कृष्ट महाविद्यालय। 2. सरकारी अनुदान मिलने वाले बिहार के सभी महाविद्यालयों में अग्रणी। 3. सुयोग्य प्राचार्य के नेतृत्व में विद्वान शिक्षकों एवं अनुशासित शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की टीम। 4. यु.जी.सी. से 2 एफ. तथा 12 बी. में निबंधित। 5. विश्वविद्यालय से राष्ट्रीय योजना एवं कैरियर काउन्सिलिंग इकाई को मान्यता। 6. स्नातक में 10 हजार छात्रों का रिकार्ड उपस्थिति। 7. भोजपुरी, परसियन प्राचीन इतिहास संस्कृति, समाज शास्त्र, संस्कृत, संगीत, आदि विषयों की नियमित पढ़ाई। 8. उपरोक्त सभी उपलब्धियों 2003 में प्राचार्य बने उदभट विद्वान डॉ० प्रो० कर्मात्मा पाण्डेय की कुशाग्र बुद्धि एवं महाविद्यालय के उत्थान हेतु सतत् प्रयत्नशील सचिव श्री किशोर पाण्डेय की सकारात्मक सोच से हासिल हुई है। 9. सभी छात्रों से अपने वर्गों में उपस्थिति सुनिश्चित कराने एवं नियमित अध्ययन की अपील। 10. सरकार से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त। 11. कम्प्युटर एवं लैब की समुचित व्यवस्था। 12. सभी वर्ग सी. सी.टी.वी. कैमरे से लैश। 13. बिहार विश्व विद्यालय की दूरस्थ शिक्षा का अध्ययन केन्द्र, जहां **B.A., B.Com, M.A., M.Com,** के सभी विषयों तथा **M.B.A., Library Science, Journalism M.A. in Education, B.A. in Education** की सुविधा उपलब्ध।

श्री किशोर पाण्डेय
सचिव
मो०:-9431435787

-: निवेदक :-

प्रो० डॉ० कर्मात्मा पाण्डेय
प्राचार्य
मो०:-9431639440

कार्यालय नगर परिषद दानापुर निजामत
तकियापर, दानापुर

स्वच्छ भारत, सुन्दर भारत

69वें गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2018 के शुभ अवसर पर दानापुर के सभी नगरवासियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

अपील:-

☞ समय पर होल्डिंग टैक्स (संपत्तिकर) का भुगतान करें। वर्तमान वित्तीय वर्ष का संपत्ति कर 30 सितम्बर 2018 तक करने पर कोई बिलंब शुल्क देय नहीं है।

☞ सभी गैर आवासीय भवन (दुकान, माल, कमर्शियल कम्पलैक्स, हॉस्पीटल, नर्सिंग होम आदि) अविलम्ब स्वकर, प्रपत्र भर कर, सम्पत्ति कर का भुगतान करें।

☞ भवन निर्माण करने के पूर्व नक्शा पास अवश्य करावें।

☞ सार्वजनिक सड़क/नाले चौक चौराहे पर अतिक्रमण न करें, सड़क पर भवन निर्माण सामग्री (बालु, गिट्टी आदि) नहीं रखें।

☞ अपने घर का कूड़ा-कचरा वार्ड के कूड़ा संग्रहन कूड़ेदान में ही करें। कूड़ा यत्र-तत्र नहीं फेकें।

☞ पॉलीथीन का उपयोग नहीं करें।

☞ दानापुर शहर को स्वच्छ एवं सुंदर रखने में अपना सहयोग करें।

☞ खुले में शौच नहीं करें।

श्री शशिभूषण प्रसाद
नगर कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद दानापुर निजामत

श्री राजकिशोर यादव
उपमुख्य पार्षद
नगर परिषद दानापुर निजामत

डॉ० अनु कुमारी
मुख्य पार्षद
नगर परिषद दानापुर निजामत

सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तां हमारा